भाजपा ने निचले सदन में बोला- सीईसी समिति को लेकर मोदी पर भरोसा क्यों नहीं -10

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- ओमान न्यूजीलैंड से एफटीए पर वार्ता अंतिम दौर में -10

भारत की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देगा इटली : तजानी - 11

विराट कोहली एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे - 12

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.46

सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष सप्तमी, 01:57 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 11 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 312, पृष्ठ 14 मूल्य 6 रुपये

मा. योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

बीडीए बरेली को बना रहा ग्रेटर...

बरेली को नाथ नगरी के नाम से जाना जाता है। शहर की चारों दिशाओं में भगवान भोलेनाथ के सात प्राचीन नाथ मंदिर हैं। इन नाथ मंदिरों से लाखों भक्तों की आस्था जुड़ी हुई है, लेकिन अब बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) इसमें एक नया नाम जोड़ने जा रहा है और वह है ग्रेटर बरेली। बीडीए, बरेली शहर को इस प्रकार से विकसित करने को प्रयासरत है कि जल्द ही आस्था, औद्योगिक के क्षेत्र में इसे ग्रेटर बरेली के रूप में नई पहचान मिलेगी। रामगंगा नगर आवासीय योजना, ग्रेटर बरेली आवासीय योजना के साथ ही अब पीलीभीत बाईपास रोड पर नई टाउनशिप विकसित होने के साथ ही बरेली को औद्योगिक हब बनाने के लिए बीडीए राहपुरा जागीर में इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी जल्द ही विकसित करने जा रहा है। बीडीए की योजनाओं में बरेली के हर वर्ग की जुबान पर रामायण वाटिका का नाम है। भक्ति और पर्यटन का संगम बनने जा रहे रामायण वाटिका में भगवान श्रीराम की 51 फीट ऊंची प्रतिमा को आकर्षक रूप देने के लिए लैंडस्केपिंग, लाइटिंग और सुंदर मूर्तिकला पर तेजी से काम चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द ही इसका अनावरण करेंगे।

● मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय

● मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम

रूद्रावनम में दिखेगा नाथ नगरी का वैभव

बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने ग्रेटर बरेली के सेक्टर सात में रुद्रावनम प्रस्तावित किया है। रुद्रावनम के 23 एकड़ रकबे में से 2.5 एकड़ रकबे में नाथ म्यूजियम विकसित किया जा रहा है, इसका मॉडल बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मनिकंडन ए ने मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत किया था। अब इसको धरातलीय रूप देने में बीडीए अफसर जुट गए हैं।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

बीडीए अधिकारियों के मुताबिक, रामायण वाटिका को ऐसा स्वरूप दिया जा रहा है कि यह धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र बने। यहां आने वाले लोगों को भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों से जुड़ी झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही वाटिका में पौधों, मूर्तियों और थीम आधारित संरचनाओं के जरिए रामायण काल का वातावरण तैयार किया जा रहा है। हर झांकी में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमानजी के प्रसंग दिखाए जाएंगे।

अवैध निर्माण पर शिकंजा, इंडस्ट्रियल टाउनशिप से रोजगार की बहार

बरेली के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए रहपुरा जागीर क्षेत्र में 113 हेक्टेयर जमीन पर इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसाने को बीडीए ने तैयारी कर ली है। टाउनशिप को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। सड़कों से लेकर ऊर्जा आपूर्ति तक, हर व्यवस्था सोलर आधारित होगी ताकि यह परियोजना पर्यावरण के अनुकूल मॉडल बन सके।

● बीडीए का स्काई-वे अपार्टमेंट।

आवासीय योजनाओं से शहर के विस्तार को लग रहे हैं पंख

किसी भी शहर की मूल आवश्यकताओं में बिजली, पानी, सड़क, सीवर, पार्क, खेलकूद मैदान, बैंक और स्कूल को अहम माना जाता है। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की रामगंगा नगर आवासीय योजना में यह सब समाहित है। बीसलपुर-बड़ा बाईपास रोड के किनारे 672 एकड़ व 12 सेक्टर में बसाई जा रही रामगंगा नगर आवासीय योजना में प्रत्येक सेक्टर की अपनी अलग खासियत है। सेक्टर एक में बड़े पार्क के बीच सरोवर-तालाब भी विकसित हो रहा। सेक्टर दो में रामायण वाटिका, बीडीए कार्यालय स्थापित किया गया है। सेक्टर-तीन में आठ हजार वर्गमीटर में एक इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड और राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का कार्यालय, सेक्टर-चार में सीयूजीएल का पेट्रोल पंप व कई अन्य व्यावसायिक गतिविधियां शामिल हैं। सेक्टर-पांच में कई अस्पतालों को विकसित कर ने की योजना है, जिसके लिए भूखंड आवंटित कर दिए गए हैं। सेक्टर छह में एलआईसी ऑफिस समेत कई अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाए जा रहे हैं। सेक्टर सात में वेदांता अस्पताल बनकर तैयार है, जिसका संचालन भी शुरू हो चुका है।

● रास्तों का चौड़ीकरण

22 करोड़ की लागत से 33,000 वर्गमीटर जमीन पर हरित रामायण वाटिका विकसित

रामगंगानगर में 22 करोड़ रुपये की लागत से 33,000 वर्गमीटर जमीन पर हरित रामायण वाटिका विकसित की जा रही है। इसमें भगवान राम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बनेगी। वाटिकाओं में दिखेगा वनवासी जीवन। बीडीए द्वारा विकसित रामायण वाटिका का 90 परसेंट तक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। बीडीए वीसी के अनुसार भगवान श्रीराम के वनवासी जीवन को छह अलग-अलग वाटिकाओं के माध्यम से दर्शाया जा रहा है। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम जहां-जहां से गुजरे उससे संबंधित वाटिकाओं का निर्माण किया किया गया है। उस जगह से संबंधित पेड़ों को भी वाटिका में लगाया गया है। इसके जरिए उनके जीवन के अनुभव को दर्शाने की कोशिश की गई है।

ये हैं बीडीए के प्रमुख प्रोजेक्ट

बीडीए अधिकारियों के अनुसार, शहर को विकास के पथ पर अग्रणी बनाने के लिए कई प्रमुख प्रोजेक्ट को बीडीए की ओर से धरातल पर लाने की तैयारी है। इसमें रामायण वाटिका पूरी तरह से तैयार है इसके साथ ही नाथ म्यूजियम, पीलीभीत बाईपास रोड पर नई टाउनशिप, साइंस पार्क, रूदावनम और इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी जल्द धरातल पर नजर आएगी।

बरेली बनेगा इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब का नया केंद्र

लॉजिस्टिक हब शुरू होते ही बरेली ट्रांसपोर्ट और सप्लाई चेन का बड़ा केंद्र बनने की ओर बढ़ेगा। इससे न सिर्फ शहर, बल्कि आसपास के जिलों का औद्योगिक विकास भी तेज़ होगा। बीडीए ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि तकनीकी औपचारिकताएं पूरी होते ही परियोजना शुरू कर दी जाएगी। आने वाले वर्षों में बरेली उत्तर प्रदेश के प्रमुख इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब के रूप में उभर सकता है।

लाइब्रेरी नहीं, किताबों का संसार कहो

बीडीए की रामगंगा नगर आवासीय योजना में विकसित हो रही लाइब्रेरी को किताबों का संसार कहना गलत नहीं होगा। चार मंजिला इस लाइब्रेरी में सेल्फ स्टडी एरिया, ब्रेल सेक्शन, जनरल रीडिंग, कैंटीन के साथ ही इतिहास, फिजियोलॉजी, जर्नलिज्म, वास्तुशास्त्र समेत ऑडियो-वीडियो विजुअल कक्ष भी शामिल होंगे।

3000
से ज्यादा विजिटर्स रामायण वाटिका की खूबसूरती देखने और शांत माहौल के लिए आते हैं।

500
से ज्यादा नीम, अशोक, पीपल और आंवला जैसे कई खास और दवा वाले पौधे।

150
से ज्यादा रंग- बिरंगे पौधों का प्रयोग करके तैयार की गई मूर्तियां और डिजाइन बनाए गए हैं।

> भविष्य की सभी तैयारियों के साथ अगले 20 से 50 वर्षों के दृष्टिगत हमारा शहर किस दिशा में प्रगति करेगा एवं उस समय तक हमारी क्या-क्या आवश्यकताएं होंगी, उसके दृष्टिगत हम लोग आज से ही अपने शहर को सुनियोजित बनाएंगे, जिससे जन सामान्य की आशाओं, आकांक्षाओं की प्रगति उपलब्ध हो सके। बीडीए सभी योजनाओं को भविष्य की जरूरत के अनुसार धरातल पर लाने का कार्य कर रहा है।
>
> – **भूपेंद्र एस चौधरी**, मंडल आयुक्त बरेली

> शहर को विकास के पथ पर अग्रणी बनाने के लिए प्राधिकरण प्रयासरत है। लोगों की जरूरतों के अनुरूप आवासीय योजनाओं को विकसित किया जा रहा है। जल्द ही पीलीभीत बाईपास रोड पर नई टाउनशिप के साथ ही इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी विकसित की जाएगी जिससे बरेली को इंडस्ट्रियल हब बनाने का प्रयास है। रामायण वाटिका, कन्वेंशन सेंटर, स्काई-वे अपार्टमेंट, लाइब्रेरी समेत लोगों की हर आवश्यकताओं को उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। – **डॉक्टर मनिकंडन ए, उपाध्यक्ष बीडीए**

> बरेली विकास प्राधिकरण निरंतर शहर के विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। राम गंगानगर और ग्रेटर बरेली आवासीय योजना के बाद अब दो अन्य टाउनशिप समेत आम जन के हितकारी तमाम प्रोजेक्ट जल्द धरातल पर नजर आएंगे।
> – **वन्दिता श्रीवास्तव**, सचिव बीडीए

15 वातानुकूलित कमरों के साथ कन्वेंशन सेंटर में गूंजेगी शहनाई

बीडीए द्वारा विकसित किए जा रहे कन्वेंशन सेंटर में 600 व 200 व्यक्तियों की क्षमता के लिए कांफ्रेंस हाल, 15 वातानुकूलित कमरों के साथ ही विवाह व अन्य आयोजन के लिए एक लॉन भी है। वहीं 300 वाहनों के लिए वृहद पार्किंग स्थल भी शामिल है।

ADVT.

न्यूज ब्रीफ

सुमली नदी में डूबने से बालक की मौत

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : बुधवार की सुबह सुमली नदी नहाने गया बालक गहरे पानी में डूब गया। परिजनों को उसका शव उतराता मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मोहम्मदपुर खाला थाना के ढखवा निवासी कमलेश यादव का 12 वर्षीय बेटा लेखराज उर्फ मंजीत बुधवार की सुबह करीब दस बजे सुमली नदी में नहाने गया था। जहां पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। दोपहर तक वापस न आने पर परिजनों ने खोजबीन चालू की। करीब एक बजे उसका शव नदी में उतराता मिला। सूरतगंज चौकी प्रभारी उमेश कुमार वर्मा ने शव को पोस्मार्टम के लिए भेज दिया है।

विवाहिता की पिटाई कर ससुराल से भगाया

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न एवं मारपीट का आरोप लगाते हुए शिकायत की है। पुलिस ने सास, ससुर, ननद व नंदोई पर मारपीट एवं दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के अरसंडा निवासी ज्योति कुमारी पुत्री श्रवण कुमार ने मसौली दी गई तहरीर में कहा कि उसका विवाह फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के इसरौली निवासी मनीष यादव पुत्र छत्रपाल के साथ हुआ था। पीड़िता के पति मनीष आदि दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। 10 नवम्बर को सभी लोगों ने मारपीट कर उसे व बेटी को घर से धमकी देकर भगा दिया। थाना प्रभारी अमित प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

लाइनमैन करंट से झुलसा, रेफर

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : शटडाउन के बावजूद विद्युत लाइन में करंट उतर आने से इसकी चपेट में आकर एक लाइनमैन झुलस गया। सीएचसी लाये गये कर्मी को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। लोनीकटरा के बिजौली गांव निवासी चंद्रभान सिंह बुधवार की दोपहर बाद करीब 3:30 बजे गुरुदयाल पुरवा गांव के पास शटडाउन लेकर हाईटेंशन लाइन पर काम कर रहे थे, तभी करंट लग जाने से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

किराए पर दिया गया ट्रैक्टर हड़पा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : ट्रैक्टर किराए पर देने के बहाने तीन लोगों द्वारा ट्रैक्टर हड़प लेने और पैसे न देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली रामसनेही घाट में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सतीश कुमार ने बताया कि संजय कुमार, उनके पुत्र सौरभ वर्मा तथा अनिल कुमार ने मार्च ट्रैक्टर किराए पर लेने की बात कही और हर महीने रुपये देने का वादा किया था।

पलभर में मौत के मुंह में समा गयीं 5 जिंदगियां

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में उजड़ गया एक परिवार, मां और उसके चार बच्चों की मौत

सहमे लोग

- ब्रेजा की टक्कर से वैगन आर का सीएनजी टैंक फटने से लगी आग

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : बुधवार दोपहर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हुए दहला देने वाले हादसे ने एक पूरे परिवार को उजाड़ कर रख दिया। सड़क किनारे खड़ी वैगनआर कार में ब्रेज़ा ने तेज रफ्तार में पीछे से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वैगनआर सवार परिवार को संभलने तक का मौका नहीं मिला। पल भर में हंस खेल रहे बच्चे और खुश मां को मौत ने अपनी आगोश में ले लिया। गुजरते लोग व वाहन सवार सहमे हुए खौफनाक मंजर देखते रहे।

आजमगढ़ जिले में तैनात सिपाही जावेद अशरफ की पत्नी गुलफ्शां उर्फ चांदनी (30) अपने चार बच्चों समरीन (12), जियान (10), इल्मा (6) और इजमा (4) के साथ इस भयानक हादसे में जिंदगी की जंग हार गई। कुछ पल पहले जो बच्चे पानी पीते हुए हंस बोल रहे थे, अगले ही पल उनके शरीर बिना सांस के पड़े रह गए। सड़क पर मदद को दौड़े लोगों के सामने ऐसा मंजर था जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि टक्कर इतनी भयावह थी कि वैगनआर काफी दूरी तक घिसटती चली गई और फिर सीएनजी टैंक में जोरदार धमाका हो गया। लपटें इतनी तेजी से उठीं कि कोई समझ पाता, उससे पहले दोनों कारें आग का गोला बन चुकी थीं। स्थानीय लोगों ने जान जोखिम में डालकर घायलों को किसी तरह बाहर निकाला, वरना मौत का आंकड़ा और भी भयावह हो सकता था। हादसे में वैगनआर पर सवार व घायल जीशान सिपाही जावेद का साला बताया जा रहा, जो कार चला रहा था। घटनास्थल तक यूपीडा की सुरक्षा टीम पहुंचने में पूरे 20 मिनट लग गए। पुलिस 40 मिनट बाद पहुंची, जब तक कार सिर्फ राख बन चुकी थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की मौजूदगी के बीच लपटें शांत तो हुईं, लेकिन पीछे जो दृश्य बचा, वह किसी भी दिल को झकझोरने के लिए काफी था। जलती कारें, इधर उधर पड़े शव, बिखरी पानी की बोतलें, मोबाइल माहौल को गमगीन बना गए। डीएम शशांक त्रिपाठी और एसपी अर्पित विजयवर्गीय मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य का निरीक्षण किया।

कार में लगी आग बुझाता अग्निशमन कमर्चारी। ● अमृत विचार

02 बजे दोपहर कुड़वा गांव के पास हुआ हादसा

05 घायल गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर किये गये रेफर

20 मिनट बाद मौके पर पहुंची यूपीडा की टीम

सीएचसी में अफरा-तफरी

साढ़े तीन बजे पहली एंबुलेंस सीएचसी पहुंची। उससे एक घायल महिला को उतारा गया। दूसरी एंबुलेंस में दो छोटे बच्चों के शव आए। तब तक सीएचसी में चीख-पुकार मच गई। तीसरी, चौथी, पांचवी एंबुलेंस लगातार पहुंचती रहीं। पूरा अस्पताल दहशत में डूब गया। एसडीएम राजेश कुमार विश्वकर्मा और सीओ समीर सिंह कीह मौजूदगी में डॉ. विश्वनाथ मधेशिया और डॉ. गौरव सिंह ने घायलों का उपचार किया।

हादसे और आग लगने के बाद कबाड़ में तब्दील हुईं दोनों कारें। ● अमृत विचार

हादसे के बाद मौके पर लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

हादसों में एम्बुलेंस चालक और मजदूर की गई जान

बाराबंकी, अमृत विचार : अलग-अलग क्षेत्रों में बुधवार को हुए तीन सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई।

रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र में बुधवार तड़के करीब 5 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर नारायण रेस्टोरेंट के पास एक प्राइवेट एम्बुलेंस सड़क किनारे खड़े ट्रक में तेज रफ्तार से जा टकराई। हादसे में एम्बुलेंस चालक अमित भारती (40) निवासी गोरखपुर की मौके पर ही मौत हो गई। वह लखनऊ में मरीज छोड़कर वापस गोरखपुर लौट रहा था। साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी अंकित त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ पहुंचे और चालक को वाहन से निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में विकपुरवा निवासी 55 वर्षीय नौमीलाल आठ दिन पहले मजदूरी के लिए गोरखपुर गए थे। सोमवार शाम बाजार से सब्जी लेने जाते समय तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां मंगलवार को उनकी मौत हो गई। रामनगर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह ग्राम मड़ना के पास वाहन की टक्कर से एक भैंस की मौत हो गई। इसके बाद पीछे से आ रहा छोटा हाथी लोडर अचानक ब्रेक लगाते समय अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरा।

भूरा, लकी थापा और प्रवेश ने दर्ज की जीत

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : शहाबपुर स्थित कमल पैलेस में बुधवार से दो दिवसीय अखिल भारतीय दंगल का आयोजन किया गया। उद्घाटन में पूर्व कारागार मंत्री राकेश वर्मा और हनुमानगढ़ी अयोध्या से आए महंत बलरामदास ने पहलवानों का उत्साहवर्धन किया।

पूर्व विधान परिषद सदस्य राजेश यादव 'राजू' ने पहलवानों को प्रेरित किया। पहली कुश्ती जम्मू-कश्मीर के भूरा और राजस्थान के बादल के बीच हुई, जिसमें भूरा विजेता रहे। वहीं, नेपाल के लकी थापा ने राजस्थान के बिल्ला को मात दी। पंजाब के पहलवान प्रवेश ने रोहतक के फौजी को हराया, जबकि हनुमानगढ़ी अयोध्या के बाबा लाड़ी ने पंजाब के जग्गा सरदार को चित किया। अंतिम मुकाबले में नेपाल के लकी थापा और राजस्थान के ठाकुर जल्लाद सिंह की कुश्ती बराबरी पर रही। इसी तरह हरियाणा के सोनू और जम्मू-कश्मीर के भूरा की कुश्ती भी संतुलित रही। आयोजक शौरभदास महाराज, मनीष सिंह, विकास यादव, कमल जयसवाल, तुषार जयसवाल, शशि भुर्जी, शौरभ मौर्य, आयुष भट्ट और ज्वाद खान सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

पहली बार खेती पर किसानों से बात करेंगे योगी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने और किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा के हरख ब्लॉक स्थित दौलतपुर कृषि फार्म में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन में प्रदेश भर के किसान, कृषि विशेषज्ञ और एग्री-उद्यमी हिस्सा लेंगे। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे। पहली बार ऐसा होगा जब मुख्यमंत्री आदित्यनाथ किसानों से खेती की बात खेत से करेंगे।

पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा ने बताया कि यह सम्मेलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आधुनिक भारत के आत्मनिर्भर किसान निर्माण में एक बड़ा अवसर साबित होगा। कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। वहीं मुख्यमंत्री के आगमन से पहले बुधवार को कमिश्नर अयोध्या राजेंद्र कुमार और आईजी प्रवीण कुमार ने स्थल का निरीक्षण किया। हेलीपैड, वाहन पार्किंग, भीड़ नियंत्रण, फार्म हाउस और सम्मेलन स्थल सहित पूरे रूट का जायजा लिया गया। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। 12 दिसंबर को मुख्यमंत्री करीब 10 बजे हेलीपैड पर पहुंचेंगे और सबसे पहले फार्म हाउस में लगे केले, टमाटर और आलू की फसल का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद फोटो गैलरी का अवलोकन करेंगे। जिसमें मुख्यमंत्री पद्मश्री वर्मा को मिले पुरस्कार और राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के साथ खींची गई तस्वीरें देखेंगे। फार्म हाउस के गेट नंबर चार और पांच के बीच प्रगतिशील किसानों के स्टॉल और किसान पाठशाला पंडाल स्थापित किया गया है, जहां करीब 200 किसान मुख्यमंत्री से संवाद करेंगे। इसके बाद खेती की बात खेत पर थीम वाले सम्मेलन में मुख्यमंत्री किसानों को संबोधित करेंगे। आईजी प्रवीण कुमार ने कहा कि कार्यक्रम को सफल और व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

व्यवस्थाओं का जायजा लेते आईजी, कमिश्नर, डीएम, एसपी व पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा। ● अमृत विचार

संजय सेतु पर मरम्मत कार्य के चलते लगा जाम

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : गोंडा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरयू नदी स्थित संजय सेतु के क्षतिग्रस्त अप्रोचों और गड्ढों की मरम्मत के दौरान बुधवार को पुल के दोनों ओर भीषण जाम लग गया। संजय सेतु के अप्रोचों में दरारें और बड़े गड्ढे बन जाने के साथ ही एक ज्वाइंटर पर लगा लोहे का गाटर भी क्षतिग्रस्त हो गया था। स्थिति को देखते हुए एनएचएआई विभाग की टीम ने सुबह करीब 10 बजे से शाम 4 बजे तक मरम्मतीकरण कार्य कराया। मरम्मत कार्य के कारण पुल के दोनों ओर कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। मौके पर तैनात पुलिस ने वन-साइड यातायात व्यवस्था लागू कर वाहनों को निकाला। पुल पर ट्रैफिक कांस्टेबल अजीत कुमार सिंह तथा रामनगर और जरवल पुलिस बल भी मौजूद रहे। एनएचआई विभाग ने बताया कि संजय सेतु पर मरम्मतीकरण का कार्य 13 दिसंबर तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जारी रहेगा, इस दौरान यातायात प्रभावित रह सकता है।

सिटी डायरी

कार्यक्रम को संबोधित करते अरविंद सिंह गोप। अमृत विचार

किसी का वोट नहीं कटेगा : गोप

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : नगर पंचायत बेलहरा में सपा जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता में आयोजित एसआईआर जागरूकता अभियान के तहत राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने उपस्थित होकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि किसी भी आम नागरिक का वोट बेवजह नहीं कटेगा। कार्यक्रम में चेयरमैन अयाज खान, पूर्व विधायक राम गोपाल रावत, जिला महासचिव हिमांशु यादव, पूर्व अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह, पूर्व चेयरमैन धीरेन्द्र कुमार वर्मा, हशमत अली गुड्डू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह के नेतृत्व में दिल्ली रवाना होते शिक्षक।

शिक्षकों का दल दिल्ली रवाना, जंतर मंतर पर आज करेंगे प्रदर्शन

बाराबंकी, अमृत विचार : टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने के आदेश के विरोध में देशभर के शिक्षक आज दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि जिले से सैकड़ों शिक्षक दिल्ली पहुंचकर अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील पांडे के नेतृत्व में शांतिपूर्ण आंदोलन करेंगे। उन्होंने बताया कि बुधवार को जनपदीय मंत्री उमानाथ मिश्र, कोषाध्यक्ष राजेश, प्रांतीय संगठन मंत्री व वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र द्विवेदी तथा संयुक्त मंत्री सुनील त्रिपाठी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षक निजी वाहनों से दिल्ली रवाना हुए हैं।

सफाई के बाद सलारपुर माइनर। अमृत विचार

सालों बाद माइनरों से हटाई गई गाद, किसानों को राहत

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र में इस वर्ष सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर बड़ी पहल की गई है। क्षेत्र की सलारपुर माइनर, पटना माइनर एवं मोहम्मदपुर माइनर में गहराई से सिल्ट सफाई कर वर्षों से जमी गाद हटाई गई, जिससे नहरों में पानी का बहाव पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है। नहरों की सफाई के बाद क्षेत्र के किसानों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। किसानों का कहना है कि पहले नहरों में गाद भर जाने से पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पाता था, जिससे टेल क्षेत्र के किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

सेंट्रल एकेडमी स्कूल बूथ पर मौजूद पूर्व सांसद डॉ. पीएल पुनिया। ● अमृत विचार

एसआईआर कार्य में लापरवाही पर भड़के पूर्व सांसद

बाराबंकी, अमृत विचार : पूर्व सांसद डॉ. पीएल पुनिया ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन, अनुसूचित जाति जिलाध्यक्ष विजयपाल गौतम तथा कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल के साथ नवाबगंज क्षेत्र के कई बूथों का निरीक्षण किया। जलालपुर और आवास विकास स्थित सेंट्रल एकेडमी स्कूल के बूथों पर समीक्षा की। डॉ. पुनिया ने एसआईआर कार्य में लापरवाही पर नाराजगी जतायी। शहर में लगभग 40 प्रतिशत वोटरों का ही मूल्यांकन हो पाया है। उन्होंने मांग की कि एसआईआर की समय सीमा बढ़ाई जाए ताकि जमीनी स्तर पर कार्य सही ढंग से हो सके। प्रतिनिधि मंडल में जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन, नगर अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा (फोटोवाला), अनुसूचित जाति जिलाध्यक्ष विजयपाल गौतम, के.सी. श्रीवास्तव, वीरेन्द्र यादव, उपाध्यक्ष राम हरख रावत, मो. इरफान कुरैशी, देवेंद्र सिंह मोनू, तरुण चावला, तस्लीमन खान, मो. जीशान, अमन गौतम, बबलू आदि थे।

अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ तहसील प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटवाया। ग्राम पंचायत लोधौरा में मस्तान पुत्र मोहम्मद शफी द्वारा सरकारी भूमि पर कब्जा कर मकान का निर्माण कराया जा रहा था। मामले की जानकारी मिलते ही पहले भी तहसील प्रशासन ने निर्माण कार्य पर रोक लगाई थी, लेकिन इसके बावजूद चोरी-छिपे निर्माण जारी रहा। सूचना मिलने पर राजस्व टीम मौके पर पहुंची और बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

यातायात प्रभारी रामयतन यादव को सम्मानित करते अतिथि ● अमृत विचार

शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट शंकर दयाल वाजपेई को किया याद

बाराबंकी, अमृत विचार : सैनिकों में देश के लिए मर मिटने का अदम्य जज्बा और साहस कूट-कूटकर भरा होता है। ये बातें जीएसटी सहायक आयुक्त आंचल अग्रवाल ने फ्लाइट लेफ्टिनेंट शंकर दयाल वाजपेई स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कहीं। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरद पांडे ने भी संबोधित किया। संयोजक पूर्व सभासद और जन व्यापारी उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश महामंत्री रोहिताश्व दीक्षित ने शंकर दयाल वाजपेई का परिचय दिया। अध्यक्षता शहीद के भाई सर्वेश वाजपेईव संचालन हुमायूं नईम खान ने किया। कार्यक्रम में सराहनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में यातायात प्रभारी रामयतन यादव, अंकुर माथुर, अर्णिमा सिंह पंवार, डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, कैलाश नाथ शर्मा, जयदीप सिंह समेत अन्य शामिल रहे। सभा में जिला बार के पूर्व अध्यक्ष, सामाजिक कार्यकर्ता और शहीद वाजपेई के परिवारजन भी उपस्थित रहे।

विश्व मानवाधिकार दिवस | नुक्कड़ नाटक, रैली, निबंध व भाषण प्रतियोगिताओं से किया गया लोगों को जागरूक

एक-दूसरे के पूरक हैं अधिकार और कर्तव्य : डॉ. गुप्ता

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विभिन्न स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अवध लॉ कॉलेज के छात्रों ने जनपद न्यायालय परिसर और शहर के विभिन्न स्थलों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कृष्ण चन्द्र सिंह ने वृद्धाश्रम, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोरी और जिला कारागार में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए। दिव्यांगजन, महिलाएं, बच्चे, बेघर और अन्य कमजोर वर्गों के लिए विशेष शिविर, पोस्टर-बैनर, आउटरीच कार्यक्रम और स्कूलों में निबंध व नारा लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। टीआरसी लॉ कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों को मानवाधिकारों का महत्व समझाया गया। प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार गुप्ता ने कहा कि अधिकार और कर्तव्य दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। डॉ. अविनाश मिश्रा ने अधिकारों पर प्रकाश डाला। छात्रों ने रैली निकाली। बनीकोडर में बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान (बिरजू संस्थान) द्वारा संचालित निःशुल्क चाइल्ड फ्रेंडली स्कूल में भी निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्रों को मानवाधिकारों जैसे शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और विकास के अवसरों के महत्व से अवगत कराया गया। कक्षा 5 के प्रिंस राज ने प्रथम, कक्षा 4 के कौशल ने द्वितीय और कक्षा 6 की शालू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जागरूकता रैली निकालते टीआरसी कॉलेज के छात्र। ● अमृत विचार

चाइल्ड फ्रेंडली स्कूल में कार्यक्रम के दौरान मौजूद बच्चे व स्कूल स्टाफ।

एमएलसी के साथ मौजूद भाजपा नेता। अमृत विचार

विशेष पुनरीक्षण अभियान में तेजी

बाराबंकी, अमृत विचार : मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत जिले में बूथ स्तर पर गणना फॉर्म भरवाने और फीडिंग करने का काम तेजी से जारी है। मंडल बंकी देहात के शक्ति केंद्र गौरिया के बूथों पर बुधवार को भाजपा एमएलसी लालजी निर्मल ने कार्यकर्ताओं के साथ बूथ नंबर 111, 112, 113 और 114 पर फॉर्म जमा करने और मैपिंग की प्रगति की स्थिति का जायजा लिया।

भाजपा ने निचले सदन में बोला- सीईसी समिति को लेकर मोदी पर भरोसा क्यों नहीं -10

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- ओमान न्यूजीलैंड से एफटीए पर वार्ता अंतिम दौर में -10

भारत की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देगा इटली : तजानी - 11

विराट कोहली एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे - 12

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.46

सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष सप्तमी, 01:57 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 11 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 312, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

कांस्य पदक पर कब्जा

भारत ने नौ साल बाद जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीत लिया। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में खेले गए प्लेआफ मुकाबले में अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल दागे। भारतीय टीम इससे पहले दो बार (होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016) चैंपियन रही है। (विस्तृत खेल पेज पर)

दीपावली अब दुनिया भर का त्यौहार, यूनेस्को की सूची में हुआ शामिल

- यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा

नई दिल्ली, एजेंसी

दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया। दिल्ली में लाल किले पर आयोजित यूनेस्को की एक अहम बैठक में यह फैसला लिया गया। यह पहली बार है कि भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है।

इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में आठ से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे हवा में गूंज उठे।

विभिन्न पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने मुख्य मंच के सामने प्रस्तुति दी और एक बड़ी स्क्रीन पर दीपावली उत्सव के चित्र प्रदर्शित किए गए। आईसीएच के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के 20वें सत्र के दौरान दीपावली के इस सूची में शामिल होने की घोषणा के तुरंत बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की ओर से एक बयान दिया।

यह मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा है। भारत की 15 सांस्कृतिक परंपराएं वर्तमान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं, जिनमें कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला - महाकाव्य 'रामायण' का पारंपरिक प्रदर्शन शामिल हैं।

दुनिया भर में दीपावली की लोकप्रियता : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने यूनेस्को के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रभु श्रीराम से लोगों का मार्गदर्शन करने की कामना की है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि देश और दुनिया के लोगों में गजब का उत्साह है। दीपावली हमारी संस्कृति और मूल्यों के बेहद करीब है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह ज्ञान और धर्म का प्रतीक है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची का हिस्सा बनने के बाद दीपावली को दुनिया भर में और अधिक लोकप्रियता मिलेगी। मैं उम्मीद करता हूं कि प्रभु श्रीराम के आदर्श हमेशा ऐसे ही हमारा मार्गदर्शन करते रहें।

दीपावली की वैश्विक मान्यता अयोध्या की सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने को गर्व का पल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय उस उत्सव की वैश्विक पहचान है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय और नए आरंभ के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक शक्ति व परंपरा की महत्ता को विश्वपटल पर और अधिक मजबूती प्रदान करती है। योगी ने एक्स से विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के दृष्टिकोण से इस उपलब्धि के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उत्तर प्रदेश के लिए इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अयोध्या श्रीराम की पावन भूमि है। यहीं पर दीपावली की पहली ऐतिहासिक उत्सव परंपरा की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहाकि अयोध्या केवल सांस्कृतिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय परंपराओं की आत्मा है।

ब्रीफ न्यूज

जल आपूर्ति डेटा के लिए सुजलाम भारत ऐप की शुरुआत

नई दिल्ली। जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने मंगलवार को सुजलाम भारत ऐप शुरू किया। इसका उद्देश्य देश की सभी ग्रामीण पेयजल योजनाओं को एक एकीकृत, भौगोलिक रूप से संदर्भित प्रणाली पर लाना और वास्तविक समय में जानकारी प्रदान करना है। भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन एंड जीओ इनफॉर्मेटिक्स द्वारा समर्थित यह ऐप आम जनता और संस्थानों को जल स्रोतों, जल गुणवत्ता आदि पर डेटा की जानकारी प्रदान करेगा। इस शुरुआत के साथ ही सुजलाम भारत डेटाबेस का संचालन शुरू हो गया है।

व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट पहुंचे सलमान

नई दिल्ली। अभिनेता सलमान खान ने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। इस याचिका पर बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा सुनवाई करेंगे। सलमान ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर विभिन्न सोशल मीडिया मंचों और ई-कॉमर्स वेबसाइट को उनके नाम, छवियों और व्यक्तित्व के अनधिकृत इस्तेमाल से रोकने तथा उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने का अनुरोध किया है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हादसे में मां व चार बच्चों की हुई मौत

हादसे के बाद आग का गोला बनी दोनों कारें, 5 ट्रामा सेंटर रेफर

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार दोपहर दो बजे दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। हाईवे किनारे खड़ी वैगनआर कार में पीछे से तेज रफ्तार ब्रेजा ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वैगनआर के सीएनजी टैंक में विस्फोट हो गया। देखते ही देखते दोनों कारें आग के गोले में तब्दील हो गईं। इस भीषण हादसे में आजमगढ़ जिले के एक सिपाही के परिवार के मां व चार मासूम बच्चों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबेहा थाना क्षेत्र के डीहा मजरे कुड़वा गांव के पास हुआ।

पुलिस के अनुसार आजमगढ़ के थाना हरौला में तैनात पुलिसकर्मी जावेद अशरफ की पत्नी गुलफ्शां उर्फ चांदनी (30) अपनी बेटियों समरीन (12), जियान (10), इल्मा (6), इजमा (4) और रिश्तेदार जीशान (24) के साथ वैगनआर से लखनऊ आ रही थीं। कुछ काम से कार सड़क किनारे रोकी गई थी। इसी दौरान तेज रफ्तार ब्रेज़ा ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैगनआर दूर तक घिसटती चली गई और क्षतिग्रस्त सीएनजी टैंक में धमाका होते ही कार आग की चपेट में आ गई। लपटों ने दूसरी कार को भी घेर लिया। स्थानीय लोगों ने तत्काल आग से जलती दोनों कारों में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में गुलफ्शां और समरीन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। तीन अन्य बच्चों को सीएचसी हैदरगढ़ ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गंभीर घायलों में जीशान पुत्र अब्दुल गफ्फार (24), तृप्ति मिश्रा (17), दीप्ति मिश्रा (16), प्रगति (23), दीपांशु मिश्रा (24) सभी निवासी दक्षिणपुरी, नई दिल्ली को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। फायर ब्रिगेड के पहुंचते-पहुंचते दोनों वाहन पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे। बताया जा रहा है कि ब्रेजा सवार लोग गोरखपुर से दिल्ली जा रहे थे। उधर घटनास्थल पर डीएम शशांक त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय भी पहुंचे और घटना की जानकारी ली। डीएम ने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। वैगन आर के सीएनजी टैंक में ब्लास्ट होने से दोनों वाहनों में आग लग गई।

हादसे के बाद आग का गोला बनी कार।

उड़ान रद्द के साथ परेशानियों के लिए भी मुआवजा दे इंडिगो : कोर्ट

- इंडिगो संकट पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न हुई
- 5000 का हवाई टिकट 39 हजार तक कैसे पहुंचा, अन्य कंपनियों को इसका लाभ कैसे उठाने दिया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से बुधवार को सवाल किया कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई जिसके कारण इंडिगो की कई उड़ान रद्द करनी पड़ीं। अदालत ने इन हालात को संकट करार दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि फंसे हुए यात्रियों को हुई परेशानी और उत्पीड़न के अलावा, यह अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का भी सवाल है।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने यह सवाल भी किया कि ऐसी संकटपूर्ण स्थिति में अन्य विमानन कंपनियां हालात का फायदा उठाकर यात्रियों से टिकटों के लिए भारी कीमत कैसे वसूल सकती हैं। अदालत ने सवाल किया कि जो टिकट 5,000 रुपये में मिल रहा था, उसका किराया 39,000 रुपये तक कैसे पहुंच गया? यदि यह संकट की स्थिति थी तो अन्य विमानन कंपनियों को इसका लाभ कैसे उठाने दिया गया? अदालत ने विमानन कंपनी को निर्देश दिया कि यात्रियों को न सिर्फ उड़ान रद्द होने के लिए बल्कि अन्य परेशानियों के लिए भी मुआवजा देने की व्यवस्था की जाए।

अन्य विमानन कंपनियों ने शुल्क लेना कैसे शुरू कर दिया? पीठ ने इस मामले पर डेढ़ घंटे से अधिक समय तक सुनवाई की। पीठ ने कहा कि यदि समिति द्वारा शुरू की गई जांच पूरी हो जाती है तो उसकी रिपोर्ट अगली तारीख 22 जनवरी को अदालत में सीलबंद लिफाफे में पेश की जाए। अदालत ने कहा कि हमें यह चिंता है कि आखिर ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न होने दी गई, जिसके कारण पूरे देश के हवाई अड्डों पर लाखों यात्री फंसे रहे।

पीठ ने कहा कि यह न सिर्फ यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई। अदालत ने कहा कि किराए में जो अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई थी, उसे अब नियंत्रित और सीमित कर दिया गया है, जो पहले किया जाना चाहिए था। अदालत इंडिगो मामले में एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ को तलब किया

मुंबई। डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को उपस्थित होने और हालिया परिचालन व्यवधानों से संबंधित व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। एल्बर्स को बृहस्पतिवार को दोपहर तीन बजे डीजीसीए कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। नियामक के आदेशानुसार, विमानन कंपनी को उड़ानें बहाल करने, पायलटों तथा चालक दल की भर्ती योजना, पायलट व चालक दल की अद्यतन संख्या, रद्द की गई उड़ानों की संख्या और 'रिफंड' आदि से संबंधित जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

बुधवार को भी 220 उड़ानें रद्द

मुंबई। इंडिगो ने बुधवार को दिल्ली और मुंबई सहित तीन प्रमुख हवाई अड्डों पर लगभग 220 उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स ने दावा किया था कि एयरलाइन का परिचालन फिर से पटरी पर आ गया है। एयरलाइन ने दिल्ली हवाई अड्डे पर 137 और मुंबई हवाई अड्डे पर 21 उड़ाने रद्द कर दीं।

ड्रग्स के साथ स्मार्टफोन का नशा भी युवाओं के सामने चुनौती : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ गोरखपुर

- सीएम ने युवाओं को आगाह करते हुए चेताया, किसी न किसी रूप में घुसना चाहता है देश का दुश्मन

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां हैं। एक ड्रग्स का नशा व दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों ही नशे से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से दूर रहकर ही युवा परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा। क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर नहीं दें। योगी ने यह भी कहा कि स्मार्टफोन पर युवाओं का अत्यधिक समय खर्च हो रहा है, इसको कम करना होगा। उन्होंने युवाओं को समझाया, हालांकि एकाएक यह कर पाना कठिन होगा, इसलिए धीरे-धीरे कम करिए।

चुनौतियों के लिए खुद को तैयार रखें

समय और तकनीक के साथ चलते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने की सीख देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि हमें उस मानसिकता से भी उबरना पड़ेगा कि तकनीक आएगी तो रोजगार के अवसर कम करेगी। यह तथ्य सही नहीं है बल्कि तकनीक आएगी रोजगार के नए अवसर अपने आप ही जुड़ जाएंगे।

पूर्व आईपीएस अमिताभ गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ से दिल्ली जाते समय सीतापुर महोली बार्डर पर ट्रेन में किया गिरफ्तार

अमृत विचार: फर्जीवाड़े के मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को लखनऊ पुलिस ने मंगलवार देर रात सीतापुर-महोली बार्डर से ट्रेन से जाते समय गिरफ्तार कर लिया। शाहजहांपुर में उन्हें ट्रेन से उतारा और उसके बाद देवरिया कोतवाली लेकर पहुंची। अदालत में पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

अमिताभ पर देवरिया एसपी रहते हुए पद के प्रभाव का इस्तेमाल कर अपने व पत्नी के छद्म नाम का इस्तेमाल कर देवरिया में जिला उद्योग केंद्र से औद्योगिक प्लाट बी-2 का आवंटन कराया था। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि 12 सितंबर 2025 को तालकटोरा स्थित आवास विकास कालोनी निवासी संजय शर्मा ने तालकटोरा थाने में अमिताभ ठाकुर व उनकी पत्नी नूतन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी थी। तहरीर में बताया था कि वर्ष 1999 में अमिताभ ठाकुर जब एसपी देवरिया थे और उन्होंने अपने प्रभाव का गलत प्रयोग करके अपनी पत्नी नूतन ठाकुर को जिला उद्योग केंद्र से औद्योगिक प्लाट संख्या बी-2 का आवंटन कराया। आरोप है कि आवंटन में नूतन ठाकुर ने अपना नाम नूतन देवी लिखा और पति का नाम अभिजात ठाकुर/अभिताभ ठाकुर दर्शाया, साथ ही पता खैरा, जिला सीतामढ़ी, बिहार दिखाया गया। बाद में उक्त प्रॉपर्टी का विक्रय वास्तविक नाम और पते के आधार पर किया गया।

कांग्रेस की हार की वजह मतदाता सूची नहीं, राहुल का नेतृत्व : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि एसआईआर को लेकर विपक्ष झूठ फैला रहा है और पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह ईवीएम एवं मतदाता सूची नहीं, बल्कि राहुल गांधी का नेतृत्व है। उन्होंने चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए लोकसभा में यह भी कहा कि एक दिन कांग्रेस के कार्यकर्ता हार का हिसाब मांगेंगे। शाह ने चुनाव सुधारों पर दो दिनों तक हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि दो दिन संसद की कार्यवाही नहीं चल सकी, लोगों के बीच इस तरह का संदेश देने की कोशिश की गई कि हम चर्चा नहीं करना चाह रहे हैं। भाजपा और राजग के लोग चर्चा से कभी नहीं भागे। विपक्ष एसआईआर की डिटेल में समीक्षा की मांग कर रहा है, जो संभव नहीं है क्योंकि यह चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। हम चुनाव नहीं करवाते हैं।

उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत में मतदान करने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। घुसपैठिए यह तय नहीं कर सकते कि सीएम-पीएम कौन हो। शाह ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता, योग्यता, और मतदाता होने की शर्तें तय की गई है। गृह मंत्री ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ईवीएम की दलील गले नहीं उतरती तो अब वोट चोरी का मुद्दा लेकर आए। वोट चोरी का मुद्दा लेकर पूरे बिहार में यात्रा निकाली। फिर भी हार गए। हारने का कारण आपका नेतृत्व है, हारने का कारण ईवीएम और मतदाता सूची नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा कई चुनाव हारी, लेकिन कभी किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े नहीं किए।

पर्यावरण

पक्षी विशेषज्ञों का मत, पर्यावरण का असर है, जिले में तालाबों व नदियों के किनारे मनमोहक रंग बिखेरती थी

तराई से लुप्त हुई सर्दियों की शान, 20 साल से नहीं दिखी साइबेरियन क्रेन

विकास शुक्ल, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: तराई के जनपद लखीमपुर खीरी में कभी सर्दी का मौसम आते ही तालाबों, झीलों और नदियों के किनारे साइबेरियन क्रेन पक्षी अपने मनमोहक रंग बिखेरते नजर आते थे।

दूर साइबेरिया से हजारों किलोमीटर की यात्रा तय कर आने वाला यह दुर्लभ प्रवासी पक्षी जिले के लिए प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता का प्रतीक माना जाता था, लेकिन बीते करीब 20 सालों से साइबेरियन क्रेन जिले में नजर नहीं आई है, जो पर्यावरण असंतुलन की एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। पक्षी विशेषज्ञ साइबेरियन क्रेन आदि के गायब होने के पीछे अवैध शिकार, प्रवास स्थलों के संकुचित होने और खेतों व तालाबों में रसायनों के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल को बड़ा कारण मान रहे हैं।

साइबेरियन क्रेन सर्दियों का मौसम शुरू होते ही नवंबर के दूसरे पखवाड़े में जिले के तालाबों और नदियों के किनारे आ जाती थी, लेकिन पिछले दो दशक से साइबेरियन क्रेन को नहीं देखा गया है। पक्षी विशेषज्ञ केके मिश्रा का मानना है कि साइबेरियन क्रेन के लापता होने के पीछे अवैध शिकार, प्रवास स्थलों के लगातार सिमटने, जल स्रोतों के प्रदूषण और खेती में रासायनिक खाद व कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल जैसे कई कारण एक साथ जिम्मेदार हैं। पहले जहां जिले के दर्जनों तालाब, झीलें और दलदली क्षेत्र इन पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल हुआ करते थे, वहीं अब अतिक्रमण, जलभराव की कमी और प्रदूषण ने इन्हें अनुपयुक्त बना दिया है।

साइबेरियन क्रेन।

कभी हजारों में आती थीं क्रेन

बुजुर्गों और पुराने वन कर्मियों के अनुसार, 1990 के दशक तक सर्दियों के मौसम में साइबेरियन क्रेन के झुंड जिले के कई इलाकों में देखे जाते थे। उनके कलरव से पूरा इलाका जीवंत हो उठता था। शोधकर्ता रामनरेश शाक्य बताते हैं कि अनेक शोधार्थी इनका अध्ययन करने दूर-दूर से आते थे।

ठहराव स्थल हो रहे खत्म

साइबेरियन क्रेन हजारों किमी का सफर तय कर रूस से भारत आती थीं। जल संरक्षण की कमी और बढ़ता शहरीकरण भी इनके लुप्त होने का बड़ा कारण माना जा रहा है। जिले में सेमरई से रजौरा, राजेपुर, तुसौरा तक 74.7 हे. भूमि पर फैले इस वेटलैंड में प्रवासी पक्षियों के झुंड आते थे।

> किसी भी क्षेत्र से किसी प्रजाति का पूरी तरह गायब हो जाना पारिस्थितिकी तंत्र के बिगड़ने का सबसे बड़ा संकेत होता है। साइबेरियन क्रेन का लुप्त होना एक चेतावनी है, इसलिए उन्होंने दुधवा क्षेत्र के सरोवरों और झीलों में जलस्तर को बनाए रखने की दिशा में निरंतर काम कर रहे हैं। ताकि पक्षियों को संरक्षण मिल सके। इसी तरह अन्य क्षेत्रों के सरोवरों और झीलों में भी जलस्तर बनाए रखना आवश्यक है।
>
> -डॉ. एच. राजामोहन, एफडी दुधवा टाइगर रिजर्व

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

छज्जे के विवाद में मारपीट, तीन घायल

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली की हाजीपुर चौकी क्षेत्र के अगेहरा गांव निवासी भगवान देई पत्नी राज बहादुर ने बताया कि उनके घर के सामने रहने वाले राम कुमार अपने मकान का छज्जा बाहर की ओर निकाल रहे थे। इसे लेकर मंगलवार को कहासुनी हुई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना के बाद पुलिस ने उनकी ओर से नीरज को कोतवाली में बैठा लिया था। पीड़िता के अनुसार इसके बाद आरोपियों के हौसले और बढ़ गए। भगवान देई का आरोप है कि बुधवार को राम कुमार अपने परिवार के साथ उनके घर पर अचानक आ धमका और घर में मौजूद महिलाओं पर हमला कर दिया। इसमें भगवान देई के सिर में गंभीर चोट आई और हाथ पर भी चोटें आईं। सरोज पत्नी नीरज सहित एक अन्य महिला भी घायल हो गई। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने कोतवाली जाकर आरोपी परिवार के खिलाफ लिखित शिकायत दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मादक पदार्थ विक्रेता को 2 साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने 6 मार्च-2023 को क्षेत्र के गोताखोर मोहल्ला निवासी सुहेल खान के पास 1.100 किलो मादक पदार्थ बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर जेल भेजा था। दरोगा गया प्रसाद रमन ने जांच कर साक्ष्य एकत्र किए व 31 मार्च-2023 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश जयवीर सिंह नागर ने शासकीय अधिवक्ता विनय प्रकाश शुक्ला की दलील व साक्ष्य के आधार पर सुहैल को दोषी ठहराते हुए 2 साल की सजा सुनाने के साथ उस पर 15 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

उन्नाव ने जालौन को 5 विकेट से हराया

उन्नाव, अमृत विचार। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन जालौन द्वारा उरई में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को उन्नाव ने जालौन को 5 विकट से हराया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी जालौन की टीम ने 20 ओवरों में सभी विकेट खोकर 108 रन बनाए। जिसमे सचिन मिश्रा ने 33 व आशुतोष ने 16 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी उन्नाव की टीम ने 15 ओवरों में 5 विकेट खोकर 112 रन बनाकर मैच जीत लिया। इसमें रितेश ने नाबाद 38, अरमान ने नाबाद 33 व आयुष ने 19 रनों का योगदान दिया। मैच के बाद रोहित राजपूत को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

40 मिनट के ब्लॉक से ट्रेनें प्रभावित

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। अपलाइन पर रेल पटरी बदलने के कार्य के लिये बुधवार को सरैयां क्रॉसिंग के पास 40 मिनट का ब्लॉक लिया गया। जिससे अपलाइन पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। वहीं डाउन लाइन पर मगरवारा स्टेशन पर शांटिंग कार्य होने के कारण शताब्दी समेत कई प्रमुख ट्रेनों को रुकना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक सरैयां रेलवे क्रॉसिंग के पास सीएमएस रेल चेजिंग का कार्य प्रस्तावित था। इस पर रेल कर्मियों ने कंट्रोल से ब्लॉक की अनुमति मांगी। इस पर 11:40 से 12:20 बजे तक ब्लॉक दिया गया। ब्लॉक अवधि में रेल पटरी बदलने व चेजिंग का काम किया गया। इस दौरान अपलाइन पूरी तरह बाधित रही। ब्लॉक खत्म होने के बाद ट्रेनों का संचालन सामान्य हो सका। उधर, मगरवारा में शांटिंग कार्य के कारण गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर लखनऊ जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस सुबह 11:41 बजे पहुंची। जहां सिग्नल न मिलने पर उसे करीब 10 मिनट रुकना पड़ा। बाद में 11:51 बजे उसे रवाना किया गया। इसके अलावा 12:30 बजे आने वाली एलकेएम ट्रेन निर्धारित समय से काफी देर बाद 1:15 बजे पहुंची। स्टेशन मास्टर विवेक कुमार ने बताया कि मगरवारा में शंटिंग का काम होने से 11:45 से 12:50 बजे तक का ब्लॉक था।

घर पर मिला महिला का रक्तरंजित शव

धारदार हथियार से हत्या की आशंका, पति की तहरीर पर अज्ञात पर दर्ज हुई हत्या की रिपोर्ट

संवाददाता, उन्नाव

जांच करती फोरेंसिक टीम। अमृत विचार

अमृत विचार। अचलगंज थानाक्षेत्र के मन्नाखेड़ा गांव में खेत के पास मकान बनाकर रह रहे ट्यूबवेल ऑपरेटर की 55 वर्षीय पत्नी का शव रक्तरंजित हालत में मिलने से सनसनी फैल गई। लोगों को घटना की जानकारी बुधवार सुबह उस समय हुई जब गांव का एक व्यक्ति खेत में पानी लगाने के लिए पाइप (जीन) मांगने गया। सीओ व फोरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य एकत्र किए। पूरे कमरे में कई जगह रक्त के निशान, टूटी चूड़ियां व साड़ी पड़ी थी। उसमें भी रक्त के निशान थे। इससे माना जा रहा है कि मौत से पहले महिला व हत्यारे में संघर्ष भी हुआ। पुलिस ने पति की तहरीर पर अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कर सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

अचलगंज थानाक्षेत्र के मन्नाखेड़ा गांव निवासी एक व्यक्ति जलनिगम में रायबरेली में ट्यूबवेल आपरेटर है। वह गांव के बाहर खेत में घर बनाकर अपनी 55 वर्षीय पत्नी के साथ रहता था। वह मंगलवार को अपने रिश्तेदार के यहां तेरहवीं में शामिल होने मल्लावां गया था। लेकिन रात होने पर वहीं रुक गया। घर में पत्नी अकेली थी। बुधवार सुबह गांव का एक व्यक्ति सिंचाई के लिए जीन मांगने पहुंचा और कई आवाज लगाने पर भी कोई उत्तर नहीं मिला तो वह गेट खोलकर अंदर पहुंचा तो देखा कि टीनशेड के नीचे ट्यूबवेल आपरेटर की पत्नी का शव रक्तरंजित हालत में पड़ा था। यह देख उसकी चीख निकल गई। शोर सुन आसपास खेतों में काम कर रहे लोग भी पहुंचे। जानकारी पर गांव में अंदर पुराने मकान में रहने वाले परिजनों ने महिला के पति को घटना की सूचना दी। लोगों के मुताबिक शव के पास में चारपाई पड़ी थी। थोड़ी ही दूर पर मवेशियों के पास रक्तरंजित साड़ी पड़ी थी। जो महिला की बताई जा रही है। उसके चेहरे व शरीर पर धारदार वस्तु से हमले के कई निशान थे। घर में भी कई स्थानों पर रक्त पड़ा था। इससे माना जा रहा है कि महिला ने मौत से पहले हमलावर से बचने के लिये काफी संघर्ष किया। पति ने फोन से घटना की सूचना पुलिस को दी। सीओ बीघापुर ने घटनास्थल का निरीक्षण कर एसओ से मामले की जानकारी ली। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर वहां मिले साक्ष्य एकत्र कर वीडियोग्राफी की। पति ने किसी से रंजिश की बात से इनकार किया है। घर का सामान भी सुरक्षित है। इससे लूटपाट की नियत से भी हत्या किए जाने की आशंका कम है। पति के रायबरेली में नौकरी करने से वह हमेशा अकेली ही रहती थी। पति रविवार को ही घर आता था। उसका एक बेटा था जिसकी 5 साल पहले मौत हो गई थी। वहीं कई लोग दुष्कर्म के प्रयास में सफल न होने पर भी हत्या किए जाने की चर्चा दबी जुबान से कर रहे थे। सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि पति की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। बताया कि गुरुवार को पोस्टमार्टम से स्थित अधिक साफ होगी।

अचलगंज में 35 दिन में हुई पांचवीं हत्या

अचलगंज थानांतर्गत 35 दिन में गुरुवार को पांचवीं हत्या हुई। बता दें कि बड़ौरा गांव में बीती 6 नवंबर को गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर नारेंद्र उर्फ लाला पुत्र राम लाल को गांव निवासी उसके ससुरालियों ने खंभे में बांधकर पीट-पीटकर मार डाला था। इसी तरह 13 नवंबर को नेवरना गांव के मजरा अजीत खेड़ा निवासी अधिवक्ता के मुंशी गोविंद यादव (48) पुत्र स्व. राम गोपाल की चौकी से 100 मीटर पहले शराब ठेके के पास गोली मारकर हत्या हुई थी। हालांकि पुलिस ने दोनों घटनाओं के आरोपियों को जेल भेज दिया था। इसके बाद 20 नवंबर को थानाक्षेत्र के गौरी त्रिभनानपुर में किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने के शक में होरीलाल ने अपनी पत्नी को फावड़े से काट डाला था। वहीं, बीती 3 दिसंबर को थानाक्षेत्र के मनोनगर में मनोज (45) की हत्या उसके घर में हुई थी।

भाषा अन्वेषण क्लब की गतिविधि का हुआ आयोजन

छात्र-छात्राओं के साथ मौजूद शिक्षिका। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। ब्लॉक सिकंदरपुर कर्ण के उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरी पीपर खेड़ा कंपोजिट में भाषा उत्सव की आज की गतिविधि भाषा अन्वेषण क्लब का आयोजन हुआ। इसमें विद्यालय की शिक्षिका व राज्य संदर्भदाता समूह की सदस्या डॉ. रचना सिंह ने बताया कि इन साप्ताहिक गतिविधियों से बच्चों को एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक अतिरिक्त भारतीय भाषा को सीखने हेतु प्रेरित करना है।

इस साप्ताहिक गतिविधि के सातवें दिन विद्यालय में भाषा अन्वेषण क्लब के अंतर्गत बच्चों ने विभिन्न भाषाओं में पानी को क्या कहते हैं की जानकारी हासिल की। बच्चों ने हिंदी, उर्दू, संस्कृत, मराठी, तमिल, तेलुगू, मलयालम, गुजराती, बांग्ला व मराठी भाषा में पानी को क्या कहते हैं जाना और लिखा। विद्यालय में बच्चों द्वारा भाषा वॉल का निर्माण किया जा रहा है। जिस पर बच्चों ने हिंदी, संस्कृत, उर्दू, अंग्रेजी व अन्य भाषाओं में लिखी खुद की कविताओं, कहानियों को अब तक की प्राप्त अपनी जानकारी को संगृहित भी किया।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रिंस व यश का हुआ चयन

उन्नाव, अमृत विचार। उप्र कबड्डी एसोसिएशन व उप्र खेल निदेशालय के समन्वय से 9 से 11 दिसंबर तक अमेठी के डॉ. भीमराव आंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता में लखनऊ मंडल की टीम में उन्नाव के प्रिंस सिंह और यश पांडे का चयन किया गया है। जानकारी देते हुए जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश सब्बरवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी मंडलों की टीमें प्रतिभाग कर रहीं हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन राहुल तिवारी ने बताया कि अमेठी में ही उप्र कबड्डी एसोसिएशन द्वारा कबड्डी के रेफरी/ऑफिशियल की परीक्षा भी हो रही है। इसमें उन्नाव से 5 खिलाड़ी कामराज, हर्षित बाजपेई, कृष्णा मिश्रा, प्रिंस सिंह व यश पाण्डेय शामिल हो रहे हैं। इस चयन पर डॉ. अश्वनी शुक्ल, कृष्ण प्रताप सिंह, डॉ. राजेश सिंह, सुशील सांवरिया, आनंद मोहन, कुष्मेश, कपिल पांडेय, पुरुषोत्तम व प्रीती गुप्ता आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

भातू फार्म में बक्सा तोड़कर चोरी

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की बिंदानगर चौकी अंतर्गत भातूफार्म में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर और नगदी पार कर दी। घटना की जानकारी होने पर इलाके में हड़कंप मच गया। पीड़िता की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर लौट आई।

भातूफार्म निवासी मुन्नी देवी पत्नी गिरीश कुमार ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब डेढ़ बजे वह किसी काम से बाहर गई थीं और दोपहर डेढ़ बजे वापस लौटीं। बुधवार को जब उन्होंने कमरे में रखा बक्सा देखा तो उसका कुंडा टूटा मिला। बक्सा खोलने पर पता चला कि उसमें रखे बहू के जेवर मंगलसूत्र, बेसर, हाफ पेटी, सोने की चेन, कान के दो जोड़ी झाले, मांग टीका, सोने की अंगूठी, इसके अलावा उनकी दो हाफ पेटी, बच्चे के हाथ के कंगन और दस हजार रुपये नकद गायब थे। चोरी की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मुन्नी देवी ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी, जिसके बाद पुलिस टीम पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़िता ने बताया कि उनके तीन बेटे दिनेश, मोहित और करन हैं। दिनेश पत्नी के साथ मुंबई में, मोहित नासिक में रहते हैं, जबकि करन उनके साथ रहकर टाइल्स का काम करता है। चोरी की वारदात से मुन्नी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के अनुसार मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और घटना में किसी करीबी के शामिल होने की आशंका जताई गई है। बता दें कि लगभग दस दिन पहले उनके घर से दो मोबाइल फोन भी चोरी हुए थे, जिसकी तहरीर दी गई थी। कुछ माह पूर्व घर के बाहर खड़ी साइकिल भी चोरी हो चुकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वर्ष-2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखा जाए

उन्नाव, अमृत विचार। अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक योगेश त्यागी के निर्देशानुसार उन्नाव के जिला पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को संबोधित ज्ञापन उनके कार्यालय सहायक को सौंपकर मांग की कि उनकी समस्या को सदन में उठाया जाए। ज्ञापन में कहा कि शिक्षा अधिकार अधिनियम 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को आरटीई अधिनियम 2009 में संशोधन कर टीईटी से मुक्त किया जाये। जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षक उस समय की शिक्षक योग्यता को पूर्ण करते हुए वैधानिक रूप से रिक्तियों के सापेक्ष नियुक्त किये गए हैं। ऐसे शिक्षकों द्वारा 15 से 35 वर्ष तक की सेवा विभाग में की जा चुकी है। शिक्षक 45 से 55 वर्ष की आयु के हैं। लाखों शिक्षक सेवा के अंतिम दौर में है। जिले के शिक्षक चाहते हैं कि संसद में शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23(1,2) में संशोधन कर जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखने का प्रस्ताव रखा जाए।

राजनीतिक दल कल तक कर लें मतदाता सूची का सत्यापन : डीएम

उन्नाव, अमृत विचार। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि 12 दिसंबर को सभी विधानसभा क्षेत्रों के 2501 बूथ लेवल अधिकारियों व बूथ लेवल एजेंटों की बैठक सभी बूथ लेवल पर आयोजित है। इसमें बीएलओ द्वारा अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बूथ पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान मृत, शिफ्टेड, डुप्लीकेट व एप्सेन्ट मतदाताओं की सूची उपलब्ध करायी जायेगी।

सभी राजनैतिक दलों, बूथ लेवल एजेन्ट व मतदाताओं से आग्रह है कि सूची में दर्ज मतदाताओं का सत्यापन कर लें। यदि किसी मतदाता का नाम सूची में होने हैं या उसके संबंध में कोई विपरीत तथ्य हों तो संबंधित बीएलओं/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के संज्ञान में लाकर उसे सही करा लें।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पंचायत व नगर निकाय की मतदाता सूची और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची पृथक-पृथक होती है। इस अभियान का पंचायत की मतदाता सूची से कोई संबंध नहीं है।

लंपी वायरस रोकथाम के लिए टीकाकरण शुरू

शुक्लागंज। गंगाघाट क्षेत्र में गौवंशों में लंपी वायरस तेजी से फैल रहा है। नगर व ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में गोवंशों के इसकी चपेट में आने के बाद पशुपालन विभाग सक्रिय हो गया है। संक्रमित व संवेदनशील पशुओं की पहचान कर टीकाकरण तेजी से कराया जा रहा है। इसके लिए 9 से 25 दिसंबर तक विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दूसरे दिन भी टीकाकरण कार्य लगातार जारी रहा। गगनीखेड़ा स्थित कान्हा गौशाला में संरक्षित सभी गौवंशों को टीका लगाए जाने का काम पूरा कर लिया गया है।

शिक्षकों की बेटियों की शादी के लिए दीं चेक

उन्नाव, अमृत विचार। शिक्षकों द्वारा संचालित संस्था टीचर्स सेल्फ केयर टीम ने बुधवार को कन्यादान योजना के अंतर्गत 6 शिक्षकों की बेटियों के विवाह में सहायतार्थ 55-55 हजार की चेकें वितरित कीं।

निराला पार्क में जिला संयोजक कमल दीक्षित, जिला प्रवक्ता अनुज वर्मा, मंडल सह संयोजक राम बहादुर, जिला आईटी सेल प्रभारी आशुतोष गौड़ व ब्लॉक संयोजक हिलौली श्रीकांत तिवारी की उपस्थिति में जिले के 6 शिक्षकों रेखा, शकील अहमद, शिवाकांत वर्मा, विनीता गुप्ता, सरिता रानी वर्मा व दीपा मिश्रा को 55-55 रुपये की चेक प्रदान किए। जिला मीडिया प्रभारी विश्वनाथ तिवारी ने बताया कि इस योजना में पूरे प्रदेश के शिक्षक जुड़े हैं।

शिक्षकों को चेक देते टीम के प्रभारी। अमृत विचार

आंबेडकर तिराहा से कचहरी पुल तक हटवाए गए कब्जे

अतिक्रमण हटवाते सिटी मजिस्ट्रेट, ईओ व कोतवाल। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। नगर पालिका की ओर से अतिक्रमण के खिलाफ बुधवार को अभियान चलाया गया। आंबेडकर तिराहा से कचेहरी पुल तक सड़क किनारे की 15 से अधिक दुकानें हटवाईं गईं। कई लोगों ने अपनी दुकानें खुद हटा लीं। ईओ ने दोबारा कब्जा न करने की चेतावनी दी है।

शहर में आएदिन जाम समस्या बनी रहती है। इस समस्या से निपटने के लिए बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज व ईओ संजय गौतम के नेतृत्व में नगर पालिका टीम दोपहर 1 बजे आंबेडकर तिराहा पहुंची। यहां से अभियान की शुरुआत की। इसके कचहरी पुल तक 15 से अधिक दुकानें हटवाईं। ईओ संजय गौतम ने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। दोबारा किसी का कब्जा मिला तो उस पर कार्रवाई होगी।

मंदिर के पास जरूरतमंदों को कंबल का वितरण

जरूरतमंदों को कंबल देते परिषद के सदस्य। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद के तत्वावधान में परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में शहर स्थित हनुमान मंदिर के पास बैठे गरीबों को कंबल का वितरण किया गया। इस दौरान परिषद के सदस्य पीसी वर्मा, जिलाध्यक्ष मनीष शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष परमेश शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष पवन अवस्थी, आलोक सिंह, अश्वनी गुप्ता मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत जगटापुर विकास खण्ड बांगरमऊ उन्नाव

पत्रांक: मेमो/च.रा.वि./निविदा/2025-26 दिनांक: 09/12/25

निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना

चतुर्थ वित्त/चौदहवां वित्त आयोग 2025-26 अर्न्तगत गा.पं. जगटापुर की स्वीकृत कार्य योजना 2025-26 निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु सामग्री सन्दर्भित कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाता है निविदा दिनांक 12/12/25 समय 4 बजे अधोहस्ताक्षरी के पंचायत भवन में निविदा पेटी में डाली जाएगी तथा उसी दिन शाम 5 बजे समिति के समक्ष खोली जायेगी।

क्रमांक	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	अनुमानित लागत लाख में	निविदा मूल्य लाख में	कार्य पूर्ण की अवधि
1	भवानीखेड़ा में सामुदायिक शौचालय से सर्वेश के घर तक इंटरलाकिंग कार्य। नाली निर्माण कार्य।	इंटरलाकिंग ईट, सीमेंट, बालू, मौरंग ईटा आदि	3.50 लाख		15 दिन
2	अवधेश के घर से कन्हैयालाल के घर तक खडंजा मरम्मत एवं नाली निर्माण कार्य	ईटा, सीमेंट, मौरंग, बालू आदि	3.30 लाख		15 दिन
3	नोखेलाल के घर से सरोज कुमारी के घर तक खडंजा मरम्मत एवं नाली निर्माण कार्य	ईटा, सीमेंट, मौरंग, बालू आदि	60 हजार		15 दिन
4	मोनू के घर से रामकृष्ण के घर तक खडंजा निमाण एवं नाली निर्माण कार्य	ईटा, सीमेंट, मौरंग, बालू आदि	1.15 लाख		15 दिन
5	महेंद्र के घर से बृजकिशोर के घर तक खडंजा मरम्मत एवं नाली निर्माण कार्य	ईटा, सीमेंट, मौरंग, बालू आदि	40 हजार		15 दिन
6	सुभाष के घर से मनोहर के घर तक खडंजा मरम्मत एवं नाली निर्माण कार्य	ईटा, सीमेंट, मौरंग, बालू आदि	1.10 लाख		15 दिन
7	रामनेरश के घर से मंदिर तक खडंजा मरम्मत एवं नाली निर्माण कार्य	ईटा, सीमेंट, मौरंग, बालू आदि	55 हजार		15 दिन
8	रामकृष्ण के घर से अवधेश के प्लाट तक L टाइप नाली निर्माण कार्य	सीमेंट, मौरंग, ईटा, बालू आदि	70 हजार		15 दिन
9	बंशीलाल के दरवाजे से सूरजपाल के दरवाजे तक इंटरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	इंटरलाकिंग ईट, सीमेंट, मौरंग बालू, ईटा आदि	1.25 लाख		15 दिन
10	सत्यम के दरवाजे से सीमा के दरवाजे तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य	सीमेंट, मौरंग, बालू, गिट्टी ईट आदि	5 लाख		15 दिन
11	सर्वेश के दरवाजे से मुख्य मार्ग तक खडंजा मरम्मत एवं नाली निर्माण कार्य	सीमेंट, मौरंग बालू, ईटा आदि	45 हजार		15 दिन
12	गुड्डन के घर से मुख्य सीसी मार्ग तक खडंजा मरम्मत एवं नाली मरम्मत कार्य	ईटा, सीमेंट, मौरंग बालू आदि	80 हजार		15 दिन
13	रामशंकर के घर से पुतीलाल के घर तक इंटरलाकिंग /नाली निर्माण कार्य	इंटरलाकिंग ईट, सीमेंट, मौरंग बालू, ईटा आदि	1.10 लाख		15 दिन
14	भवनीखेड़ा में आरआरसी सेंटर के चारों तरफ फर्श कार्य	सीमेंट, मौरंग बालू आदि	28 हजार		15 दिन
15	प्रा.वि. भवनीखेड़ा में दिव्यांग शौचालय निर्माण कार्य	सीमेंट, मौरंग बालू, ईटा आदि	70 हजार		15 दिन
16	नाला सफाई कार्य जगटापुर में		40 हजार		15 दिन

अमरेश पटेल
ग्राम प्रधान

सुभाष गौतम
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी

धर्म-कर्म

मां गंगा सेवा समिति व श्रीराम नाम लेखन महायज्ञ समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन

राजकुमारों के विवाह का प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

कथावाचिका कनक पांडेय। अमृत विचार

श्रीराम कथा का श्रवण करते श्रोता। अमृत विचार

अमृत विचार। मां गंगा सेवा समिति व श्रीराम नाम लेखन महायज्ञ समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अमृतमयी श्रीराम कथा के छठे दिन बुधवार को पंडाल में भक्ति व उत्साह का अद्भुत संगम दिखा। कथावाचिका कनक पाण्डेय ने भगवान श्रीराम व माता सीता के जयमाल के बाद आगे की कथा का मार्मिक वर्णन किया।

कनक पाण्डेय जी ने भगवान परशुराम के आगमन, भगवान शिव के धनुष पिनाक टूटने पर उनके क्रोध, तथा लक्ष्मण जी और परशुराम जी के बीच हुए संवाद का विस्तृत वर्णन किया। परमात्मा श्रीराम के दिव्य स्वरूप को जानने के बाद परशुराम जी ने उन्हें प्रणाम किया और तपस्या हेतु वापस प्रस्थान किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को चारों दिव्य विवाह प्रसंग का रसपान कराया गया। भगवान श्रीराम-सीता, लक्ष्मण-उर्मिला, भरत-माण्डवी एवं शत्रुघ्न-श्रुतकीर्ति के विवाह की कथा सुनते ही पंडाल में श्रद्धा और उल्लास की लहर दौड़ गई। ब्रह्मसभा शुक्लागंज की ओर से कथावाचिका का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संकट मोचन धाम नेहरू नगर से पधारे कौशल किशोर पाण्डेय, बीडीसी शुक्ल, श्रीकांत मिश्र, शशिप्रभा बाजपेयी, रूपम अवस्थी, सोनी तिवारी, शिल्पी शुक्ला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

सीएम डैश बोर्ड की रैंकिंग में हरदोई दूसरे स्थान पर

हरदोई, अमृत विचार। मुख्यमंत्री कार्यालय पर नवंबर माह की सीएम डैश बोर्ड की रैंकिंग में जिले को द्वितीय स्थान मिला। अर्थ एवं संख्या अधिकारी ने बताया कि रैंकिंग के अनुसार विकास में ए श्रेणी 61, बी श्रेणी में 12, सी श्रेणी में तीन, डी श्रेणी में एक। इसी प्रकार राजस्व में ए श्रेणी में 35, बी श्रेणी में आठ, सी श्रेणी में तीन तथा डी श्रेणी में एक स्थान पर रहा।

जबरन बाउंड्री वाल गिराने में 4 पर रिपोर्ट

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। ग्राम राजेपुर निवासी जितेंद्र कुमार ने कोतवाली में दिए प्रार्थना पत्र में कहा कि उसकी कुछ जमीन अजय ईंट भट्ठा के पास है। उसी जमीन पर बाउंड्री वॉल का निर्माण करवाया था, जिसे गांव के कुलदीप सिंह, सुनील, मोहित, कमलेश ने 7 दिसंबर की रात में किसी समय गिरा दिया है। कहने पर गाली गलौज करके जानमाल की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

हरदोई। संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत हो गई। पति का कहना है कि पत्नी की मौत ठंड लगने से हुई जबकि ग्रामीणों में चर्चा है कि पति की शराब की लत और अकसर लड़ाई झगड़े से परेशान होकर महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। कोतवाली शहर के कनेहटा मजरा लालपाल पुर निवासी सोनू की 25 वर्षीय पत्नी गीता की मंगलवार की देर शाम तबियत बिगड़ गई। उसे 100 बेड हास्पिटल ले जाया गया, वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

छोटे भाइयों से परेशान अधेड़ ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

पुलिस ने आरोपी दो भाइयों सहित 5 के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट

संवाददाता, औरास उन्नाव

अमृत विचार। भाइयों से हुए जमीनी विवाद के निपटारे के लिए थाने गए अधेड़ ने वहां से लौट कर जहरीला पदार्थ निगल लिया। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। बेटे की तहरीर पर दो चाचा समेत 5 पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पोस्टमार्टम में जहर मिलने पर जांच के लिए बिसरा सुरक्षित किया गया है।

औरास थानाक्षेत्र के सरैया गांव निवासी राकेश (50) पुत्र हजारी लाल का छोटे भाइयों से जमीन का विवाद था। बेटे अजय के मुताबिक उसके चाचा कृपाली व सुनील ने बाबा से डेढ़ बीघा जमीन धोखे से अपने नाम लिखवा ली थी। इसके बाद उन्हें घर से निकाल दिया। बाद में उसके पिता बाबा को अपने पास ले आए। बाबा ने 5 बिसुआ जमीन व पुराना मकान मां रामकुमारी के नाम कर दिया। जहां पिता कब्जा करने गए तो दोनों चाचा इसका विरोध करने लगे। पिता ने थाने में शिकायत की थी। इस पर दोनों पक्षों को पुलिस ने थाने बुलाया था। लेकिन भाइयों के दुर्व्यवहार व दंबई से आजिज राकेश मंगलवार को थाने से लौट कर रास्ते में रुक गया। जहां उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। घर पहुंचने तक उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। बेटे की सूचना पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें जहर मिलने पर बिसरा सुरक्षित किया गया। पत्नी राम कुमारी, बेटे अजय, गोलू, मंजीत व बेटी सोनी राकेश की मौत से बेहाल हैं। एसओ संजीव कुशवाहा ने बताया कि मामला राजस्व से जुड़ा होने से दोनों पक्षों को थाना समाधान दिवस पर आने की बात कहकर भेज दिया गया था। बेटे की तहरीर पर कृपाली, उसके बेटे अंशु, सुनील उसके बेटे दीपक व मलखे रावत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मृतक राकेश का फाइल फोटो।

डीजे मालिक हत्याकांड में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के ग्राम शाहपुर में वैवाहिक कार्यक्रम के समय हुए डीजे मालिक हत्याकांड में मुख्य आरोपी दूल्हे का जीजा आकाश गौतम को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताते चलें कि 27 नवम्बर को पीपरगांव के मजरे ग्राम शाहपुर में एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान आधी रात के बाद दोबारा डीजे चालू करने को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने डीजे मालिक बरगदी निवासी पुत्तीलाल की गोली मारी कर हत्या कर दिया था। मृतक के पुत्र ने दूल्हे के जीजा आकाश गौतम और जीजा का भाई अखिलेश गौतम पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने जीजा के भाई अखिलेश गौतम को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मुख्य आरोपी जीजा आकाश गौतम फरार चल रहा था। मंगलवार की रात 10 बजे मिली मुखबिर सटीक सूचना पर पुलिस ने अतरौली थाना क्षेत्र में भटपुर स्थित गोमती नदी पुल के पास से हत्या के मुख्य आरोपी आकाश गौतम को दबोच लिया। इंस्पेक्टर सतीश चन्द्र ने बताया कि चिकित्सकीय परीक्षण कराकर आकाश गौतम को जेल भेज दिया गया है।

गिरफ्तार मुख्य आरोपी आकाश गौतम।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

संवाददाता, हरदोई,

- जिला कारागार में आयोजित शिविर में मौजूद रहे कैदी

अमृत विचार। जिला कारागार में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर बुधवार को शिविर का आयोजन किया गया। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भूपेन्द्र प्रताप ने बताया कि 10 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है मानवाधिकार दिवस 10 दिसम्बर को इसकी घोषणा वर्ष 1948 में यूनाइटेड नेशन्स जर्नल असेंबली ने इसको अपनाया और इस दिन को मनाने की शुरूआत हुई, लेकिन 1950 में इस दिन को मनाने की आधिकारिक सूचना जारी की गई थी।

10 दिसम्बर का दिन भी इतिहास के पन्नों में बेहद खास है। क्योंकि यह दिन मनाया जाता ही है ताकि लोगों को उनके अधिकारो के बारे में सही जानकारी मिल सके। अपर जिला जज ने बंदियों को उनके अधिकारों के विषय में जानकारी दी गई तथा विधिक सेवाओं एवं नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जानकारी प्रदान की। शिविर में जेल अधीक्षक अमन कुमार सिंह, जेलर योगेश कुमार, डिप्टी जेलर अनीश यादव व अधिक संख्या में कारागार बंदी मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं विजेन्द्र सोनी पुत्र राम नारायण सोनी निवासी ग्रा. पो. सतांव, जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में विजेन्द्र कुमार सोनी अंकित है, जो कि गलत है। मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में विजेन्द्र सोनी दर्ज किया जाए, जो कि सही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली निविदा नोटिस का प्रथम संशोधन

खुली निविदा सूचना सं. EPC/PSI/BSB-PRYJ_NER दिनांक: 19.11.2025, कार्य का नाम ईपीसी मोड पर विद्युत कर्षण बिजली आपूर्ति प्रतिष्ठानों की क्षमता उन्नयन कार्य के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल के वाराणसी–प्रयागराज खण्ड में 2x25 kV एटी कर्षण फीडिंग सिस्टम के लिए संबंधित स्विचिंग पोस्ट के साथ कर्षण उप स्टेशनों का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परिक्षण और कमीशनिंग का कार्य में निम्नलिखित संशोधन किये गये हैं:– क्र.सं.– 1, मापदंड: नये दस्तावेज, पहले प्रकाशित:, संशोधित: बिंदु 6.2.1. के ईपीसी दस्तावेज में परिवर्तन के संबंध में दस्तावेज, अतिरिक्त सूचना रेलवे की बेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

मुख्य विद्युत अभियंता (परियोजना)
मुजाधि/विद्युत–208 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

COURT NOTICE

In the Court of the Principal District Judge at Jamshedpur
Revocation Case No. 39 of 2024
Richa Talwar Sanghvi ..... Applicant
Versus
Rajnish Talwar & Ors .....
Opposite Party

To,
1. Pooja Talwar, Wife of Late Naresh Talwar & daughter in law of Late Ramlal Talwar.
2. Rashi Vats, Wife of Abhishek Vats & Daughter of Late Naresh Talwar & granddaughter of Late Ramlal Talwar.
3. Ridhima Kapoor, Wife of Pritish Kapoor & Daughter of late Naresh Talwar & granddaughter of Late Ramlal Talwar
all resident C-37, 'J' Park, Extension-2, Mahanagar Lucknow-226006, Uttar Pradesh.
Where as Richa Talwar Sanghvi, Wife of Sri Rishabh Sanghvi & Daughter of Late Ashok Kumar Talwar & Grand daughter of Late Ramlal Talwar resident of 402, Silver Arch, Andheri Kurla Road, Andheri East, Mumbai 400069, Maharashtra
Have made application to this court Application Under Order 22 Rule 9, Order 9 Rule 4 read with Section 151 of the Civil Procedure Code.
You are hereby cautioned to appear in this court in person or by pleader duly instructed on the day 6th Jan 2026 at 11:00 A.M. O'clock.
To File show cause against in application failing where in the said application will be heard and determined ex-parte.
Given under my hand and the seal of the court on the 9th day of Dec. 2025.
Principal District Jduge
East Singhbhum, JSR

कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, गन्ने के फर्जी सट्टे निरस्त करने की मांग

हरदोई, अमृत विचार। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में दर्जनों कांग्रेसी पहुंचे। कांग्रेसियों ने गन्ना विभाग व हरियावां चीनी मिल की मिलीभगत से बनाए गए फर्जी सट्टे को निरस्त करने की मांग की। प्रदर्शन के पश्चात मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा।

पूर्व जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि गन्ना विभाग के अधिकारियों व शुगर मिल हरियावां ने मिलीभगत कर तमाम फर्जी सट्टाधारकों के सट्टे बना दिए हैं, जिससे वास्तविक किसानों के सट्टे नहीं मिल पा रहे हैं। सोंची समझी रणनीति के तहत फर्जी गाटा संख्या दर्ज कर सट्टा बनाकर वास्तविक किसानों को उनके हक से वंचित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में कई फर्जी सट्टों का कोड भी भेजा गया। पूर्व नगर अध्यक्ष जमील अहमद ने कहा कि गन्ना अधिकारियों व चीनी मिल के इस फर्जी तरीके से वास्तविक किसानों को उनका उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

सांसद पर टिप्पणी व फोटो जलाने पर रोष

बेनीगंज, हरदोई, अमृत विचार। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जाति विशेष को लेकर अमर्यादित टिप्पणी करने व मौजूदा सांसद की फोटो जलाने से नाराज जाति विशेष समुदाय के व्यक्तियों को काफी रोष व्याप्त है, जिसके चलते लोगों ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को लिखित ज्ञापन सौंपते हुए अमर्यादित टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी की मांग की है, साथ ही जल्द से जल्द गिरफ्तार न होने पर पुलिस आयुक्त कार्यालय का घेराव करने की बात कही। बताते चलें कि बुधवार को लाखन आर्मी संगठन के बैनर तले एकत्रित हुए सैकड़ो पासी समाज के व्यक्तियों ने बेनीगंज कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि बीते दिनों सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से विशाल अर्कवंशी नामक व्यक्ति के द्वारा मिश्रिख लोकसभा सांसद अशोक कुमार रावत पर अमर्यादित शब्दो में टिप्पणी की गई और उनकी फोटो जलाई गई थी।

कोतवाली प्रभारी को ज्ञापन सौंपते लाखन आर्मी के कार्यकर्ता।

उन्नाव पुलिस की डीजीपी से शिकायत

संवाददाता, बांगरमऊ उन्नाव

- पुलिस की पिटाई मामले में पीड़ित ढाबा संचालक की पत्नी ने पत्र भेजकर लगाई न्याय की गुहार

अमृत विचार। पुलिसिया उत्पीड़न के शिकार भाजपा नेता व ढाबा संचालक की पत्नी ने पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर कोतवाल समेत आरोपी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

बता दें कि बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव मुर्तजापुर निवासी भाजपा कार्यकर्ता अवधेश कटियार पुत्र हरिकृष्ण हरदोई-उन्नाव मार्ग पर आगरा एक्सप्रेस-वे के पास ढाबा चलाते हैं। ढाबे पर अवैध रूप से शराब बिक्री का आरोप लगा बीती 6 दिसंबर की देररात तत्कालीन कोतवाल अनुराग सिंह गंजमुरादाबाद चौकी इंचार्ज सतीश द्विवेदी, बांगरमऊ चौकी इंचार्ज अजय यादव, दरोगा वीरेंद्र विक्रम सिंह, आरक्षी दीपक व गोविंद आदि पुलिस कर्मियों के साथ ढाबे पर पहुंचे और ढाबा खुला देख गालीगलौज की और कोतवाल के इशारे पर पुलिस कर्मियों ने ढाबा संचालक, उसकी पत्नी, पुत्रों, भतीजियों व कर्मचारियों पर कहर ढाना शुरू कर दिया। सुबूत मिटाने के उद्देश्य से पुलिस कर्मियों ने ढाबे में लगा सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया था और गोलक में रखी नकदी निकाल ली थी। इसके बाद पुलिस ढाबा संचालक व उसके पुत्रों सहित चार लोगों को कोतवाली ले गई थी। ढाबा संचालक के पुत्र ने बताया कि कोतवाली ले जाने के बाद उन्हें सीसीटीवी कैमरे की जद से बाहर ले जाया गया। जहां पुलिस ने सभी की लाठी व पट्टे से बर्बरता पूर्वक पिटाई की थी। जिससे सभी को गंभीर चोटें आई थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी जेपी सिंह ने बांगरमऊ कोतवाल अनुराग सिंह, गंजमुरादाबाद चौकी इंचार्ज सतीश द्विवेदी, बांगरमऊ चौकी इंचार्ज अजय यादव, आरक्षी दीपक व गोविंद को निलंबित कर दिया था। लेकिन एसपी की इस कार्यवाही से पीड़ित भाजपा नेता व उनका परिवार संतुष्ट नहीं है। भाजपा नेता की पत्नी ममता कटियार ने डीजीपी को पत्र भेजकर आरोपी सभी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

खड़े लोडर से टकराई बाइक महिला की मौत व पति घायल

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ई-लोडर से टकराकर फिसल गई। इसमें पीछे बैठी महिला की उछलकर सड़क पर गिरने से मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहा पति गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर कार्रवाई शुरू की है। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के रूरी सादिकपुर गांव के मजरा बंजरिया हरिनाम खेड़ा निवासी लालता प्रसाद (50) पुत्र स्व. चिरजीव अपनी पत्नी कुसमा (45) के साथ दवा लेने बुधवार सुबह बांगरमऊ जा रहा था। तभी लखनऊ मार्ग पर बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के सुरसेनी गांव के पास सड़क किनारे मोड़ पर खड़े लोडर से उसकी बाइक टकराकर अनियंत्रित होकर फिसल गई। इसमें दंपती गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें सीएचसी भेजा। जहां डाक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं लालता प्रसाद को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। इसकी खबर पर पहुंचे परिजन शव देख बेहाल हो गए। कुसमा के तीन बेटों में रामकिशोर व रामबाबू दिल्ली में मजदूरी करते हैं।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

बकाया वसूलने को गए विद्युत कर्मियों पर बोला हमला, पुलिस को दी तहरीर

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार। सफीपुर विद्युत सब स्टेशन में तैनात लाइनमैन रामदीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विभाग द्वारा चलाए जा रहे विद्युत बकाया वसूली अभियान के तहत बुधवार को कोतवाली क्षेत्र के देवगांव में सहकर्मी हिमांशु, रंजीत व वरुण के साथ बकाया वसूलने गए थे। जब वह लोग दिगपाल, सुरेश व गोविंद के दरवाजे पहुंचे और बकाया बिल जमा करने को कहा तो उन लोगों ने जातिसूचक गालियां देते हुए हमला बोल दिया। किसी तरह खुद को उनके चंगुल से बचाते हुए भागकर जान बचाई। इसके बाद भी उन लोगों ने उनका पीछा किया। पिटाई से सभी चोटहिल हो गए। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर मिली है। रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

मैरिज हाल का हुआ शिलान्यास

बांगरमऊ उन्नाव। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हरदोई-उन्नाव मार्ग किनारे काजी शहर सैयद जियाउल आरफीन ने एक मैरिज हॉल का शिलान्यास किया। इस मौके पर काजी शहर ने कहा कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे व हरदोई-उन्नाव रोड जंक्शन के पास स्थित यह आधुनिक वेन्यू क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ा उपहार साबित होगा। जहां शादी-विवाह व सामाजिक कार्यक्रमों को बेहतर ढं से आयोजित किया जा सकेगा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
नलकूप खण्ड बाराबंकी
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश, बाराबंकी
निविदा सूचना संख्या– 02/अ0अ0/2025–26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित कार्य हेतु उन फर्मों से जो जी0एस0टी0/ बिक्रीकर तथा सिंचाई विभाग में यांत्रिक श्रेणी के अन्तर्गत "ए" अथवा उच्च श्रेणी में पंजीकृत हों, से अधोलिखित विवरणानुसार मुहरबन्द अल्पकालीन निविदायें दिनांक 27.12.2025 अपराह्न 16.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आमंत्रित की जाती हैं, जो दिनांक 29.12.2025, दिन सोमवार अपराह्न 15:00 बजे उपस्थित निविदाताओं के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 12.12.2025 से दिनांक 26.12.2025 तक प्रातः 11:00 बजे से 14:00 बजे तक निविदा प्रपत्र हेतु निर्धारित मूल्य जो वापस नही होगा, जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा के साथ धरोहर धनराशि जो नीचे अंकित सूची के अनुसार है राष्ट्रीयकृत बैंक अथवा भारतीय डाकघर द्वारा जारी सावधि जमा/ बचत पत्र जो कि अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड बाराबंकी के नाम बंधक हो संलग्न करना अनिवार्य होगा, अन्यथा की स्थिति मे प्रस्तुत निविदा पर विचार नही किया जायेगा। प्राविधिक सम्परीक्षा कोष्ठ अथवा अन्य परीक्षण मे कराये गये कार्य की गुणवत्ता के विरूद्ध जो कटौतियां प्रस्तावित होंगी वह ठेकेदार अदा करने हेतु बाध्य होगा।

कार्य का विवरण

निविदा सूचना संख्या	कार्य का विवरण	कार्य की मात्रा	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं स्टेशनरी प्रभार	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
02 / EE / TWD BBK / 2025-26	Lot No. 1- Fabrication of proutuding piece 700 mm. diameter at Naipura Pumping Station, Village Naipura, Tahsil Rudauli, District Ayodhya.	03 Nos.	Rs. 6,300.00	Rs. 225.00+ 18 % GST+ Rs. 500/-	30 days
	Lot No. 2- Fabrication of proutuding piece 600 mm. diameter at Naipura Pumping Station, Village Naipura, Tahsil Rudauli, District Ayodhya.	05 Nos.	Rs. 9,800.00	Rs. 225.00+ 18 % GST+ Rs. 500/-	30 days

नियम एवं शर्तें
1. उक्त निविदा सूचना से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें वेबसाईट http://idup.gov.in पर उपलब्ध रहेगी। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उक्त वेबसाईट को नियमित रूप से देखते रहें, ताकि किसी प्रकार के संशोधन/ शुद्धि की स्थिति की जानकारी उनको समय से प्राप्त हो सके।
2. निविदा को बिना किसी कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति के पास निहित होगा, नियम व शर्तें निविदा फार्म के साथ संलग्न है।
3. निविदा खुलने की प्रस्तावित तिथि को राजपत्रित अवकाश घोषित होने की दशा में अगले कार्यदिवस को निविदा खुलने की तिथि माना जायेगा।
4. निविदा केवल कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड बाराबंकी, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग उत्तर प्रदेश, बाराबंकी के कार्यालय द्वारा विक्रय किये गये वैध निविदा प्रपत्र पर ही मान्य होगी।

(शशांक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

UP-242118 दिनांक 09.12.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम MANOJ TIWARI से MANOJ KUMAR TIWARI कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **MANOJ KUMAR TIWARI, PARWAR PURAB मोहनलालगंज, लखनऊ।**

सूचना

मैने अपना नाम MANOJ KUMAR CHAUHAN से बदलकर MANOJ CHAUHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-RAM AWADH CHAUHANADD-MUHAMMADPUR PALI DIST-GHAZIPUR (U.P.)**

सूचना

मैने अपना नाम BACHACHHAN KHAN से बदलकर BACHCHAN KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **BACHCHAN KHAN S/O-RAMJAN KHAN ADD-VILL-KARMUPURWA VISHWANATH GANV PO-RAIBHOJHA PS-NANPARA DIST- BAHRAICH-271865 (U.P.).**

सूचना

मैं नरेन्द्र कुमार सुत स्व.गया प्रसाद व लक्ष्मी कुमारी पत्नी नरेन्द्र कुमार नि. ग्राम – इटौरा, पो. – बाबागंज, तहसील – कुंडा, जनपद – प्रतापगढ़, अपने पुत्र सुनील कुमार उर्फ सोनू व पुत्र वधू माया देवी पत्नी सुनील कुमार उर्फ सोनू से आजिज आ गया हूँ। मैं दोनों को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। इनके द्वारा किए गए कोई कार्य, धर्म अधर्म, कर्ज, सामाजिक, आर्थिक अथवा किसी भी प्रकार के विवाद से हमारा कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम SABA SIDDIQUI से SABA KHAN कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जानी व पहचानी जाऊं। **SABA KHAN, H.NO.-874, FARUKHABAD, CHILLAVAN, KANPUR ROAD, LUCKNOW.**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा घरेलू नाम पूनम और आधार कार्ड में पप्पू है। दोनों नाम मेरे ही हैं। मुझे पूनम उर्फ पप्पू दोनों नाम से जाना पहचाना जाय। **पूनम उर्फ पप्पू पत्नी स्व. हरिओम निवासी खेमपुर देवापसिया कटरा बाजार गोंडा।**

सूचना

मेरा समस्त अभिलेखों में नाम रिजवान अहमद है। जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम राजकुमार दर्ज है। राजकुमार और रिजवान अहमद दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं और मुझे दोनों नाम से जाना व पहचाना जाए। अब मेरा नाम आधार कार्ड में भी रिजवान अहमद दर्ज किया जाए। **राजकुमार उर्फ रिजवान अहमद पुत्र स्वर्गीय नागेश्वर प्रसाद ग्राम विशुनापुर, परगना, तहसील व जिला बलरामपुर।**

सूचना

मेरा बड़ा पुत्र गंगेश बहादुर पुत्र श्याम सुंदर, उसकी पत्नी सुषमा देवी पत्नी गंगेश बहादुर, आर्यन पुत्र गंगेश बहादुर,आये दिन मारपीट करते रहते हैं। गंगेश बहादुर मुझे एवं मेरी पत्नी से मारपीट करता है। उसका चाल चलन एवं आचरण ठीक नहीं है। इसलिए अपने पुत्र गंगेश बहादुर, उसकी पत्नी व बेटे को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके द्वारा किए गए कृत्य का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्य से उसका कोई लेना देना नहीं होगा। **माया देवी पत्नी श्याम सुंदर एवं श्याम सुंदर पुत्र छेदीलाल, ग्राम–राजापुर बिंधन, थाना– महेशगंज, तहसील– कुंडा, जिला– प्रतापगढ़, उ.प्र.**

VARUN ARJUN COLLEGE OF NURSING

Be a part of a dedicated and growing academic team !

NOW HIRING !

Join a Leading Institution Shaping Future Nurses

VACANCIES
- Associate Professor
- Assistant Professor
- Nursing Tutor

REQUIREMENTS
- ✓ Relevant qualifications as per INC Norms
- ✓ Strong teaching ability
- ✓ Commitment to academic excellence
- ✓ Passion for guiding nursing Students

CONTACT DETAILS
Mob : 7521001992, 9412151327
Email : vacn201@gmail.com, varunarjun2016@gmail.com
NH-30, Banthra, Shahjahanpur

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

हरदोई

न्यूज ब्रीफ

जुबेर बने जिला सचिव

पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। पत्रकारिता जगत में नई ऊर्जा का संचार करते हुए पत्रकार एकता एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यपाल सिंह ने पिहानी निवासी जुबेर खान को जिला सचिव नियुक्त किया है।

15 दिसंबर को होगा जिले की टीम का चयन

हरदोई, अमृत विचार। जिला सचिव पूनम तिवारी ने बताया कि सीनियर (बालक/बालिका), जूनियर (बालक/बालिका), सब जूनियर (बालक/बालिका) राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025-2026 का आयोजन मोदीनगर में 8 से 10 जनवरी को हो रहा है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए जिले की टीम का चयन 15 दिसंबर को सीतापुर रोड स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम के निकट शंकर व्यायाम शाला में प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। इच्छुक खिलाड़ी 14 दिसम्बर तक रजिस्ट्रेशन अवश्य करा लें।

बाग में फंदे से लटका मिला बुजुर्ग का शव

हरदोई। खाना खाने के बाद घर के बाहर बरामदे में सोने के लिए गए बुजुर्ग का शव सुबह बाग में फंदे से लटका मिला। कासिमपुर थाने के संतोषा गांव निवासी रघुनाथ (60) खेती-बाड़ी करता था। परिवार में दो बेटे हैं, दोनों अपने पिता के साथ हाथ बंटाते थे। मंगलवार रात रघुनाथ ने खाना खाया और बाहर बरामदे में सोने चले गए। बुधवार सुबह शव लटका मिला।

मंडलायुक्त का निरीक्षण आज

हरदोई, अमृत विचार। गुरुवार को जिले में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत आएंगे। विवेकानंद सभागार में वह महत्वपूर्ण योजनाओं व धान खरीद की समीक्षा करेंगे, जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे तथा दो बड़ी परियोजनाओं का निरीक्षण भी करेंगे। मंडलायुक्त के आगमन की तैयारियां बुधवार को पूरे दिन की गईं।

नाला बनाने को खोदी गई सड़क बनाना भूले जिम्मेदार

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। सहूलियत के लिए राधा नगर के रास्ते में खोदी गई खाईं वहां के लोगों के लिए जानलेवा मुसीबत बनी हुई है। हरदोई देहात का राधा नगर का इलाका शहर के बिल्कुल बगल में है,तकरीबन एक साल हो रहा है वहां नाला बनने के नाम पर खाईं खोदी गई जो आज भी खुदी पड़ी है। घोड़ा-गाड़ी तो दूर वहां पांव रखना तो खतरे से खाली नहीं है। रास्तें में खोदी गई खाईं की वजह से एक तो बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे है और दूसरे नाते-रिश्तेदार भी दूर हो रहे है। बेहाल बाशिंदों ने इस उम्मीद से डीएम के आगे दोबारा अपना दुखड़ा रखा है, ताकि दूसरों की तरह उन्हे बुनियादी ज़रूरते हासिल हो।

शहर के बगल में बिलग्राम चुंगी के पास राधा नगर हरदोई देहात ग्राम पंचायत में आता है, वहां पानी निकास के लिए रास्ते में नाला खोदा गया, वहीं नाला अब खाईं बन चुकी है। राधा नगर की सरला मिश्रा, नीता गुप्ता, अवंतिका, सोनी, आरती, रेखा पाण्डेय और आशीष पाण्डेय, रमेश चन्द्र, मयंक, सुनील कनौजिया, प्रदीप गुप्ता व बालकराम ने बताया कि राधा नगर के बाशिदों के निकलने के लिए एक ही रास्ता था,वहां पर नाला निर्माण के लिए खाईं खोदी गई थी, करीब एक साल हो रहा है, लेकिन नाला नहीं बना। लोगों का घरों से निकल पाना मुश्किल है, बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं और नाते-रिश्तेदार भी नहीं आ पा रहे हैं। आशीष पाण्डेय ने बताया कि इस बारे में 14 मई को प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन उसका अभी तक कोई हल नहीं निकल सका, हर कोई बेहाल है।

राधा नगर में नाला बनाने के लिए खोदी गई सड़क। अमृत विचार

पीएम श्री विद्यालय की काजल ने पास की विद्या ज्ञान प्रवेश परीक्षा

हरदोई, अमृत विचार। 'होनहार बिरवान के चिकने होत पात' कहावत यूं ही नहीं कही जाती है। बावन ब्लाक के पीएम श्री विद्यालय मुजाहिदपुर में पांचवी की छात्रा काजल ने विद्या ज्ञान प्रवेश परीक्षा में बाज़ी मारी है, उसकी इस उपलब्धि से पूरा बावन ब्लाक अपने को गौरवांवित महसूस कर रहा है। पीएम श्री विद्यालय मुजाहिदपुर के प्रधानाध्यापक हेमंत पाण्डेय ने बताया कि विद्या ज्ञान प्रवेश परीक्षा के लिए उनके विद्यालय से कक्षा-5 की काजल व अंशिका ने परीक्षा दी थी, जिसमें काजल पुत्री कन्हैया लाल ने परीक्षा पास कर ली। परिणाम आते ही प्रधानाध्यापक श्री पाण्डेय ने पहले काजल का मुंह मीठा कराया,साथ ही अंशिका को आगे के लिए और मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हुए विद्यालय के सारे बच्चों को मिठाई बांटी। श्री पाण्डेय ने कहा कि हर बच्चा होनहार होता है, ज़रूरत है कि उसे अच्छी और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दे कर आगे बढ़ने केलिए प्रोत्साहित किया जाए।

काजल को मिष्ठान खिलाते पीएम श्री विद्यालय मुजाहिदपुर के प्रधानाध्यापक हेमंत पांडेय।

अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क रहें ग्राम सुरक्षा समितियां

एसपी ने लमकन गांव में रात्रि चौपाल लगाकर ग्राम प्रहरियों को वितरित किए कम्बल व टार्च, किया जागरूक

संवाददाता, हरपालपुर, हरदोई

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने मंगलवार देर रात हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के लमकन गांव में रात्रि चौपाल लगाकर ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों को उनके कर्तव्यों की जानकारी दी। ग्रामीणों से जागरुक रहने को कहा। इस दौरान ग्राम प्रहरियों को कंबल व टॉर्च भी वितरित किए गए।

हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के लमकन गांव में मंगलवार को आयोजित रात्रि चौपाल में पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने सर्दियां में बढ़ते अपराधों की रोकथाम और सड़क सुरक्षा,मिशन शक्ति,साइबर अपराध और ग्राम सुरक्षा के तहत सीसीटीवी कैमरों तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के महत्व के बारे में ग्राम सुरक्षा समितियों को विस्तार से जानकारी दी हैं। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे एहतियाती कदम बड़े अपराधों को रोकने में सहायक होते हैं। आगामी प्रधानी चुनाव के मद्देनजर, पुलिस अधीक्षक ने गांव में सक्रिय आपराधिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। एसपी ने जोर दिया कि चुनाव के दौरान शांति,सौहार्द और निष्पक्षता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। चौपाल के दौरान ग्राम प्रहरियों को कंबल और टॉर्च वितरित किए गए। पुलिस अधीक्षक ने ग्राम प्रहरियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सक्रियता से गांव में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

रात्रि चौपाल में ग्राह प्रहरियों को जागरूक करते एसपी अशोक मीणा। अमृत विचार

चौकी प्रभारी लाइन हाज़िर, कई पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण

हरदोई, अमृत विचार। एसपी अशोक कुमार मीणा ने सण्डीला बड अड्डा पुलिस चौकी प्रभारी एसआई कौशल किशोर यादव को लाइन हाज़िर करते हुए पुलिस लाइन में तैनात एसआई सौरभ मलिक को सण्डीला बस अड्डा पुलिस चौकी की ज़िम्मेदारी सौंपी है। एसपी ने इंस्पेक्टर प्रेमपाल सिंह को पुलिस लाइन से कासिमपुर और दूसरे इंस्पेक्टर विजय नारायण शुक्ला को पुलिस लाइन से हरपालपुर का इंस्पेक्टर (रिज़र्व) बनाया है।

एसपी ने एसआई कौशल किशोर यादव को सण्डीला बस अड्डा पुलिस चौकी के प्रभारी से लाइन हाज़िर करते हुए पुलिस लाइन में तैनात एसआई सौरभ मलिक को वहां का प्रभारी बनाया है। इसी तरह पाली कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी एसआई उमेश चन्द्र तिवारी को हटा कर कोतवाली शहर भेजा है,जबकि पाली थाने में तैनात एसआई (महिला) आकांष्मा सिंह को पाली कस्बा चौकी प्रभारी बनाया है। वहीं साण्डी में तैनात एसआई ट्रैफिक हृदय राम यादव को सण्डीला और सण्डीला में तैनात एसआई विजेंद्र सिंह को साण्डी में एसआई ट्रैफिक की ज़िम्मेदारी दी है। इसी तरह सण्डीला में तैनात एसआई पप्पू राम को पचदेवरा,पचदेवरा में तैनात एसआई मुकेश कुमार कोटार्य को सण्डीला कोतवाली में तैनात किया है। इसी तरह से पुलिस लाइन में तैनात एसआई रामखिलावन को कोतवाली देहात, एसआई विवेक कुमार को मझिला,एसआई आकाश कुमार को कोतवाली शहर, एसआई सभा नारायण सिंह को कोतवाली देहात, एसआई चन्द्र प्रकाश लोनार, एसआई राकेश कुमार को सवायजपुर, एसआई अशोक कुमार को पाली, एसआई गजेंद्र प्रताप सिंह को माधौगंज और पुलिस लाइन में तैनात एसआई (महिला) सुरेखा शर्मा को सुरसा थाने में तैनात किया है। इसके अलावा एसपी ने अलग-अलग तैनात 12 हेड कांस्टेबलों को दूसरी जगह तैनात किया है। साथ ही 13 कांस्टेबल, जिनमें 5 महिला कांस्टेबल शामिल है, का तबादला करते हुए उन्हे दूसरी जगह तैनात किया है।

हत्यारोपित को मिला आजीवन कारावास

हरदोई, अमृत विचार। न्यायाधीश कुसुम लता ने एक फैसले में हत्या के मामले में आरोपित को जुर्म साबित होने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है जज ने आरोपी पर विभिन्न धाराओं में 12500 का जुर्माना भी लगाया है। शासकीय अधिवक्ता अमलेंद्र सिंह ने बताया कि थाना अरवल क्षेत्र के टिकार निवासी दीनानाथ ने 14 अगस्त 2018 को गांव के ही जलालुद्दीन के पुत्र फिरोज की बांका से वार करके हत्या कर दी। इस मामले की रिपोर्ट मृतक के पिता ने दर्ज कराई कहा कि 14 अगस्त 2018 की रात उसका बेटा घर से गायब हो गया। तलाश किया नहीं मिला। बाद में उसका शव आरोपी के घर से कुछ दूरी पर खड़ंजे के पास नाली में पड़ा मिला। घटना के कारण में पुरानी रंजिश होना कहा गया। न्यायाधीश ने सबूत के आधार पर और दोनों पक्षों को सुनकर आरोपी पर जुर्म साबित पाया और उसे सजा सुनाई।

सीएचसी में प्रसूता की मौत, डॉक्टरों पर लापरवाही बरतने का लगा आरोप

संवाददाता, हरदोई

प्रसूता रिंकी की फाइल फोटो।

- तीन बेटियों के बाद बेटे को दिया था जन्म
- प्रसव के बाद तेज ब्लीडिंग होने से मौत

अमृत विचार। तीन बेटियों के बाद महिला ने बेटे को जन्म दिया, लेकिन पुत्र के दुनिया में आते ही मां की सांसें थम गईं। पति ने डाक्टरों व अस्पताल के स्टाफ पर पत्नी की देखभाल और इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

टड़ियावां थाने के करनपुर गांव निवासी अनुज की तीन बेटियां है। उसकी 30 वर्षीय पत्नी रिंकी चौथी बार गर्भवती थी और इस बार बेटे की उम्मीद लगाए हुए थी। अनुज का कहना है कि मंगलवार की शाम रिंकी को प्रसव पीड़ा हुई तो सीएचसी टड़ियावां पहुंचा। जहां बुधवार की सुबह पत्नी ने बेटे को जन्म दिया। बेटा होने की खबर सुन कर पूरा घर खिलखिला उठा, लेकिन उसी बीच ब्लीडिंग होने से रिंकी की तबियत बिगड़ने लगी। जब वहां कुछ राहत नहीं हुई तो अनुज रिंकी को मेडिकल कालेज के महिला अस्पताल उठा लाया, जहां इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई। अनुज का आरोप है कि सीएचसी के डाक्टरों ने पूरी तरह से लापरवाही बरती। उन्होने ब्लीडिंग रोकने का प्रयास तक नहीं किया। जिसके चलते पत्नी की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि फिलहाल कोई तहरीर नहीं आई है। तहरीर मिलने पर जांच की जाएगी।

लेखपाल पर रिश्वत लेने का लगाया आरोप

माधौगंज, हरदोई, अमृत विचार। बाबटमऊ के लेखपाल ने बाबटमऊ पंचशाला में पट्टा भूमि की पैमाइश करने के लिए रामू शर्मा निवासी ग्राम जरेरा से रिश्वत में पांच हजार रुपये लिए। रामू शर्मा ने रिश्वत देने से पहले सभी अधिकारियों को सूचित किया, परंतु कोई अधिकारी सुनने के लिए तैयार नहीं हुआ। मजबूरन में रामू शर्मा ने अपने घर में रखा अनाज गेहूं बेचकर लेखपाल को रिश्वत पूरी की है। वह रिश्वत लेखपाल के द्वारा दिखाए गए स्कैनर पर भेजी गई यह रिश्वत रूपी पैसा मिलने के बावजूद भी रामू शर्मा की पट्टा वाली भूमि कब्जा नहीं दिलाई गई है।

खाद पाने के लिए दर-दर भटक रहा किसान : बब्बू

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार। खेड़ा बलाय कोट स्थित पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू के आवास पर मंगलवार को एसआईआर के तहत होने वाले सर्वेक्षण के लिए समाजवादी पार्टी द्वारा बनाए गए बीएलए की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक बब्बू ने कहा मतदान का अधिकार ही देशवासियों के लिए संवैधानिक लोकतंत्र चुनने का एक मात्र साधन है। प्रदेश सरकार रोजगार और मंहगाई के मामले में पूरी तरह विफल रही है। देश भर का अन्नदाता खाद और बीज के लिए भटक रहा है, लेकिन उसकी कोई सुनने वाला नहीं है। उन्होंने मतदाताओं के अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए सभी बनाए गए सभी बीएलए को मेहनत से जुटने का आवाहन किया। उन्होंने प्रदेश वासियों से भी सजग रहते हुए अपने फार्म भरवाने और ऑनलाइन के बाद उसे इंटरनेट पर जांच लेने का संदेश दिया। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह यादव ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को एस आईआर से जुड़ी पूरी प्रक्रिया से अवगत करवाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा नियुक्त किए गए बीएलए पार्टी की रीढ़ हैं। सभी बीएलए जिस सजगता से अपने बूथ पर एस आईआर फॉर्म भरवा कर निगाह रखे है, सभी वर्ग के मतदाताओं ने इस बार अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाने की ठान लिए है।

बैठक को संबोधित करते पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू।

मेला देखने गई किशोरी दस दिनों से लापता, गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, बिलग्राम, हरदोई

अमृत विचार। नगर के एक मोहल्ला में अपनी बहन के घर आई की नाबालिग पुत्री रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हो गई। शहर कोतवाली हरदोई निवासी महिला ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बिलग्राम को प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। महिला के अनुसार उसकी पुत्री 1 दिसंबर की शाम करीब 6:30 बजे अपने भाई के साथ कालेज मैदान में लगा मेला देखने गई थी। कुछ समय बाद वह मेला से लापताह हो गई। भाई ने काफी देर इंतजार किया, लेकिन बहन का कोई पता न चलने पर परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास खोजबीन की। घर पर मौजूद मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल चेक करने पर पता चला कि उसने घटना के समय तीन अज्ञात नंबरों पर लंबी बातचीत की थी। सभी नंबर घटना के बाद से बंद आ रहे हैं। छात्रा कक्षा 10 में पढ़ती थी। कोतवाल अरविंद राय ने बताया मामले में पुलिस ने संबंधित धारा के तहत अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। जल्द बरामद किया जाएगा।

दंगल में पहलवानों ने लगाए अपने-अपने दांव

संवाददाता, बिलग्राम, हरदोई

अमृत विचार। क्षेत्र में आयोजित पारंपरिक दंगल का नौवां दिन रोमांच और उत्साह से भरपूर रहा। देर शाम तक चली कुश्तियों में देश-विदेश के नामी पहलवानों ने दमखम दिखाया और दर्शकों को जोरदार मुकाबले देखने को मिले। दंगल शाम 4 बजे तक चला आख़िर तक मैदान में भारी भीड़ उमड़ी रही। पहली कुश्ती में बिल्ला पहलवान बनारस और तूफान पहलवान झांसी के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें बिल्ला पहलवान ने जीत दर्ज की। दूसरी कुश्ती बाबा शक्तिमान हिमाचल और चिमचिम डोगरा भूटान के बीच लड़ी गई, जिसमें चिमचिम डोगरा विजयी रहे। तीसरे मुकाबले में हरियाणा के राजेश पहलवान और नेपाल के राजू थापा आमने-सामने हुए। शानदार दांव-पेंच दिखाते हुए राजू थापा ने जीत हासिल की। चौथी कुश्ती में चंबल घाटी के प्रदीप पहलवान और जम्मू-कश्मीर के फैसल गनी पहलवान में टक्कर हुई, जिसमें फैसल गनी विजयी रहे। पांचवीं कुश्ती देवा पहलवान बनारस और बाबा अजमेरी अजमेर शरीफ के बीच हुई, जिसमें बाबा अजमेरी ने मुकाबला अपने नाम किया। दंगल के आयोजन में चन्दगी राम मिश्रा, चंद्र राम तिवारी, महफूज आलम सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान मैदान में जोरदार तालियों और जयघोष की गूंज ने माहौल को और अधिक रोमांचक बना दिया।

दंगल में दांव-पेच दिखाते पहलवान। अमृत विचार

ब्लाक सभागार में दिव्यांगों के साथ ब्लाक प्रमुख व अन्य।

दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल का वितरण

सांडी, हरदोई, अमृत विचार। ब्लॉक मुख्यालय पर बुधवार को ट्राई साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्लॉक प्रमुख अनिल राजपूत में 62 विकलांग जनों को अपने हाथों से ट्राई साइकिल बाटी ट्राई साइकिल मिलने से दिव्यांगों में काफी खुशी देखी गई। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि दिव्यांग लोगों को हीन भावना से ग्रसित नहीं होना चाहिए आज के समय में दिव्यांग लोग कई क्षेत्रों में अच्छा काम कर रहे हैं उपकरण मिलने से कई काम सुगम हो जाएंगे उनकी प्रगति में मदद मिलेगी साथ ही उन्होंने सरकार की तमाम योजनाओं की जानकारी भी दी। जिला दिव्यांग अधिकारी संजय कुमार निगम ने कहा ऐसे शिविर हर विकासखंड में लगाए जाएंगे।

क्रिकेट टूर्नामेंट | विधायक ने बैटिंग में हाथ आजमा कर आदर्श प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

खेलों से सामाजिक एकता को मिलता है बढ़ावा : आशू

संवाददाता, बिलग्राम, हरदोई,

अमृत विचार। ब्लॉक के ग्राम दुहतियामऊ में आयोजित आदर्श प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया गया। क्षेत्रीय विधायक आशीष सिंह आशु, नगर पालिका अध्यक्ष अनिल कुमार राठौर, वरिष्ठ समाजसेवी रामबहादुर सिंह तथा ब्लॉक प्रमुख मुन्ना सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। विधायक आशीष सिंह आशु ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे खेल आयोजन युवाओं को सही दिशा देने के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी बढ़ाते हैं। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा। नगर पालिका अध्यक्ष अनिल कुमार राठौर ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा देता है, इसलिए ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित किया जाना चाहिए। ब्लॉक प्रमुख मुन्ना सिंह व अन्य अतिथियों ने भी पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

बैटिंग की शुरुआत करते विधायक आशीष सिंह आशू।

मैदान के बाहर गेंद फेंकने के विवाद पर बनी टीम ने छोड़ा मैदान कमेटी ने भरावन वारियर्स टीम को विजयी घोषित किया

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। बीवीएम इंटर कॉलेज भरावन के मैदान खेले जा रहे आईजीसीएल तृतीय क्रिकेट टूर्नामेंट भरावन के दूसरे सेमीफाइनल में मैदान से बाहर गेंद फेकने व नई गेंद से खेलने का विवाद हो गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष विकास पाण्डेय ने बताया कि बनी टीम को नए बॉल से मैच खेलने का समय दिया गया। इसके बाद भी बनी टीम 55 मिनट तक मैदान पर विवाद करती रही। 55 मिनट बाद टीम के ऑनर गोलू ने सेमीफाइनल मैच खेलने से मना कर दिया। इस पर भरावन वारियर्स टीम को मैच जीता दिया गया और फाइनल मैच के लिये आमंत्रित किया गया। बुधवार को दूसरे सेमीफाइनल मैच में बनी की टीम के कप्तान अंकित यादव ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया उनकी टीम ने 14 ओवर में सात विकेट गवाकर 140 रन बनाये। जवाब में मैदान पर उतरी भरावन वारियर्स के कप्तान रिंकू की टीम ने 10 ओवरखेलकर पांच विकेट गंवाकर 99 रन बना लिये थे। इसी दौरान 11 वें ओवर की गेंदबाजी के दौरान बल्लेबाज ने पुरानी गेंद खराब होने की बात कही इस पर बनी टीम कप्तान अंकित यादव ने नाराज होते हुए गेंद को मैदान के बाहर 120 मीटर दूर सरसो की फसल में फेंक दिया।

बंदियों को गर्म वस्त्र देते जेल के अधिकारी। अमृत विचार

नेकी की दीवार ने बंदियों को बांटे गर्म वस्त्र

हरदोई, अमृत विचार। जिला कारागार अधीक्षक अमन सिंह के निर्देशन व जेलर योगेश कुमार के प्रबंधन में नेकी की दीवार द्वारा जरूरतमन्द कैदियों को शीत कालीन गर्म लोअर, अपर, और गर्म कैप का वितरण किया गया। जिला कारागार में बंद महिला कैदियों एवं उनके साथ बंद बच्चों के लिए गर्म कपड़े वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक श्रवण मिश्र राही द्वारा कैदियों को जीवन का सार बताया गया और संस्था के कार्यों पर प्रकाश डाला गया। नेकी की दीवार परिवार के संयोजक सचिन मिश्रा द्वारा कैदियों की अन्य जरूरतों पर चर्चा की गयी। इस अवसर पर संदीप त्रिवेदी, नितिन मिश्रा, पीयूष खन्ना, शैलू नवलानी मौजूद रहे।

शांतिपूर्ण सत्याग्रह आन्दोलन किया

माधौगंज, हरदोई, अमृत विचार। समस्त ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम पंचायत अधिकारियों ने निजी वाहनों से विकास खंड एवं क्षेत्र का बहिष्कार किया है। विकासखंड कार्यालय परिसर साइकिल से पहुंच कर ऑनलाइन उपस्थिति व गैर विभागीय कार्यों के विरोध में शांतिपूर्ण सत्याग्रह का अल्टीमेटम दिया। ग्राम पंचायत अधिकारी आशुतोष अवस्थी ने बताया ग्राम पंचायत अधिकारी संघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष निर्देश पर विकास खंड में तैनात सभी सचिवों को ऑनलाइन उपस्थिति व सचिवों से कराये जा रहे जा रहे गैर विभागीय कार्यों के विरोध में सांकेतिक शांतिपूर्ण सत्याग्रह आन्दोलन किया। फील्ड की नौकरी में अभी भी 200 रुपए साइकिल भत्ता दिया जा रहा है जो हास्यप्रद है।

न्यूज ब्रीफ

नवागत ईओ ने संभाला कार्यभार

महमूदाबाद, सीतापुर, अमृत विचार : यूपी नगर निकाय विभाग के आदेश पर महमूदाबाद नगर पालिका परिषद में अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहीं नीलम चौधरी का मंगलवार को स्थानांतरण कर दिया गया था। इसके बाद झांसी जनपद की नगर पालिका में तैनात अधिशासी अधिकारी पवन किशोर ने बुधवार को विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष आमिर अरफात मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि नगर में सफाई व्यवस्था, पेयजल, रोशनी और सड़क सुधार जैसे कार्यों में अब तेजी आने की उम्मीद है। इस मौके पर वरिष्ठ लिपिक राम गोपाल, लिपिक श्याम सुंदर व अखिलेश सहित कर्मचारियों ने नए ईओ का स्वागत किया।

जहां रोपे धान, वहां मार्ग निर्माण कार्य शुरू

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : महाराज नगर के बदहाल पड़े जिस मार्ग पर कुछ माह पूर्व सपा नेता शुभम रस्तोगी ने ग्रामीणों के साथ मिलकर धान रोपकर विरोध जताया था, अब उस सड़क पर शासन द्वारा खड़ंजा लगवाने का कार्य शुरू करा दिया गया है। लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ी यह सड़क बरसात के दिनों में दलदल बन जाती थी, जिससे ग्रामीणों, किसानों और स्कूली बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। सपा नेता शुभम रस्तोगी की शिकायत के बाद प्रशासन ने मामले का संज्ञान लिया और संबंधित विभाग को सड़क निर्माण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए।

मूर्ति स्थापना को लेकर तनाव, तैनात रही फोर्स

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : दरियापुर में मंगलवार को नवीन परती की भूमि पर भगवान गौतम बुद्ध और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाए जाने को लेकर तनाव रहा। बुधवार को उपजिलाधिकारी लहरपुर आकांक्षा गौतम, क्षेत्राधिकारी ब्रजेश कुमार समेत भारी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। अधिकारियों के समझाने के बाद ग्रामीण मूर्तियां हटाने को तैयार हुए।

तीन अभियुक्तों को कारावास

सीतापुर, अमृत विचार : तीन अभियुक्तों को कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई गई। पहला मामला कोतवाली नगर क्षेत्र से जुड़ा है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी कोर्ट ने अभियुक्त शत्रोहन को 7 वर्ष के कारावास और 18 हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई है।, अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या 15 पॉक्सो एक्ट द्वारा दोषसिद्ध अभियुक्त पिसावां के माथन निवासी विश्वराज को दस वर्ष कैद और 45 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई है। तीसरा फैसला न्यायाधीश फास्ट ट्रैक ने दिया। इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के शहादतनगर निवासी दोषसिद्ध राजेश को पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनायी गयी।

खेलते समय लापता बालक का कुएं में मिला शव

सीतापुर, अमृत विचार: थानगांव थाना क्षेत्र के चंदौली गांव में बुधवार को उस समय आठ वर्ष के बालक का शव गांव के ही एक कुएं में उतराता मिला। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य संकलित किए। परिजनों ने बालक की मौत पर संदेह जताते हुए हत्या की आशंका जताई।

थानगांव थाना क्षेत्र के चंदौली निवासी सुरेश निषाद के मुताबिक, उनका आठ वर्षीय पुत्र आदित्य बीते रविवार को लापता हो गया था। काफी खोजने के बाद पता न चलने पर सोमवार को परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बुधवार सुबह आदित्य की छोटी बहन चांदनी खेलते-खेलते गाँव के ही बुद्धा के घर के नजदीक कुएं के पास पहुंची तो उसने भाई के शव को कुएं में उतराते देखा। चीख-पुकार के बीच परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाला गया। पूर्व में ही पिता सुरेश कुमार ने तहरीर में आशंका जताई थी कि कहीं बालक चौका नदी में न गिर गया हो, लेकिन दो दिन बाद ही घर के पास के कुएं से शव बरामद होने पर पिता ने बालक की मौत पर संदेह जताते हुए हत्या की आशंका जताई है। थानाध्यक्ष विमल गौतम ने बताया कि गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया गया था। अब शव बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

फ्लड प्लेन जोन के रडार पर सरायन नदी के अतिक्रमणकारी

- नदी के इर्द-गिर्द शुरू होगा चिह्नांकन, हटेगा अतिक्रमण

जीशान कदीर, सीतापुर

अमृत विचार : सीतापुर के लिए संजीवनी रही मां सरायन नदी एक बार फिर लोगों को रोजगार और खुली सांसें देने के लिए तैयार की जा रही है। इसको लेकर नहर विभाग की ओर से खाका तैयार कर लिया गया है। शारदा नहर के अधिशासी अभियंता का दावा है कि नदी के दोनों तरफ 50-50 मीटर फ्लड प्लेन जोन को चिह्नित कर उसे अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा।

जनपद में सरायन नदी 195.49 किलोमीटर को घेरे हुए है। ये हरगांव के हैदरपुर प्रवेश कर ऐलिया, खैराबाद, मछरेहटा, कसमंडा, गोंदलामऊ होकर सिधौली स्थित मनवा-कंटाइन के बीच गोमती नदी में जाकर मिलती है। नदी के छोरों पर 152 गांव बसे हैं। अधिशासी अभियंता शारदा नहर विशाल पोरवाल बताते हैं कि सरायन के दोनों छोर पर 50-50 मीटर की दूरी में फ्लड प्लेन जोन को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा।

सरायन नदी में मिलता आवासीय अपशिष्ट। ● अमृत विचार

फ्लड प्लेन जोन देगा रोजगार और प्राकृतिक संरक्षण : शहर और उसके आसपास सरायन नदी पूरी तरह से अतिक्रमित हो गई है। हालत ये है कि कंक्रीट की इमारतों के अलावा फैक्ट्री और आवासीय अपशिष्ट ने फ्लड प्लेन जोन पर कब्जा कर लिया है। फ्लड प्लेन जोन का अतिक्रमण हटने से प्राकृतिक वातावरण और जैव विविधता को संरक्षित करने में मदद मिलेगी, रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

> नदी में कचरा न जाए, इसके लिए किनारे पर कई सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाने हैं। नदी के उद्गम स्थल लखीमपुर के गोला देहात के पास भी एसटीपी बनाने की सिफारिश की गई है। उद्गम स्थल से महज पांच सौ मीटर दूरी पर नहर शाखा से नदी में पानी छोड़ने का निर्णय लिया जाना है।
> -**विशाल पोरवाल**, अधिशासी अभियंता, शारदा नहर

सांसद ने निजी खर्च से हटवाया था सिल्ट-कूड़ा : घातक अपशिष्ट से जहरीली बन रही सरायन नदी के संरक्षण में तत्कालीन विधायक राकेश राठौर (वर्तमान में सीतापुर सांसद) ने अपने निजी खर्चे से लगभग 250 दिन लगातार कार्य कराया।

सांसद बताते हैं कि इसमें करीब 20 लाख से कुछ अधिक धनराशि का निजी व्यय हुआ। जिसमें साथियों का भी सहयोग था। सिल्ट की सफाई के साथ लगभग 7 किमी तक फैला कूड़ा हटवाया गया।

सर्वे में 500 तालाब भी हुए चिन्हित: पर्यावरणविद और गंगा संरक्षण समिति के सदस्य प्रो.वेंकटेश दत्ता ने पिछले दिनों सीतापुर आकर नदी संरक्षण के लिए बैठक की। इसके बाद नदी के नजदीक 500 तालाब चिन्हित किये गये थे। ऐसा इसलिए ताकि तालाबों का प्राकृतिक स्वरूप बहाल करने पर नदी की रिचार्ज क्षमता बढ़ेगी।

दो एएनएम की समाप्त की गयी सेवा

डीएम के सिधौली में निरीक्षण के दौरान आशा और कार्यकत्री की मिली लापरवाही

सख्त तेवर

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी रात दिन जनपद वासियों की सेहत सुधारने में लगे हैं। वहीं विभागीय जिम्मेदार लापरवाही बरत रहे हैं। वीएचएसएनडी दिवस पर अचानक डीएम विकासखंड सिधौली के ग्राम सचिवालय पहुंचे तो एएनएम रंजू देवी नदारद मिलीं, कई जिम्मेदार भी लापरवाह दिखे। ऐसे में उन्होंने एएनएम की सेवा समाप्त करने का आदेश दिया। आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री को नोटिस थमाया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी को भी कड़ी फटकार का सामना करना पड़ा।

सिधौली स्थित सचिवालय का निरीक्षण करते डीएम डॉ. राजा गणपति आर.

औचक निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. पंचायत भवन जटहा विकासखंड सिधौली पहुंचे। वीएचएसएनडी दिवस पर विलंब से आने पर एएनएम सोनी शुक्ला नोटिस जारी करते हुये सेवा समाप्त करने के निर्देश दिये। पंचायत भवन को भी देखते हुये पंचायत सहायक से वार्ता की। पंचायत भवन में अव्यवस्थाओं को दृष्टिगत रखते हुये सचिव आरती यादव को निलंबित करने के निर्देश खण्ड विकास अधिकारी को दिये। आंगनबाड़ी की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुये कार्यों में सुधार के निर्देश दिये। ड्यू रजिस्टर एवं अन्य रजिस्टर अद्यतन न होने पर बीपीएम राजू मौर्य को नोटिस जारी करते हुये 15 दिन का वेतन काटनें के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क के किनारे मिला वृद्धा का शव

मिश्रिख, सीतापुर, अमृत विचार : नहर चौराहा के समीप हरदोई रोड के किनारे बुधवार सुबह एक वृद्ध महिला का शव मिला। सुबह दुकान खोलने पहुंचे व्यापारियों ने सड़क किनारे पड़े शव को देख इसकी सूचना पुलिस को दी। दुकानदारों के मुताबिक मृतक महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त थी और कई दिनों से नगर में घूमती दिखाई देती थी। नगर के लोग उसे भोजन देते थे और ठंड में कंबल व कपड़े भी मुहैया कराते रहे। पीआरवी 112 टीम और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल प्रदीप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया महिला वृद्ध और मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत होती है।

हादसे में बाइक सवार पिता, पुत्र व पुत्री गंभीर

सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां थाना क्षेत्र की सीमा पर मैगलगंज के नजदीक तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता, पुत्री और बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। तीनों को गंभीर हालत में लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र निवासी कुलदीप अपनी पुत्री काव्या और बेटे सत्यम के साथ बाइक पर सवार होकर निकले थे। तभी पिसावां–मैगलगंज सीमा के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो तीनों सड़क पर जा गिरे और मौके पर ही बेहोश हो गए। सूचना मिलते ही आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस व एंबुलेंस सेवा को दी। पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल भिजवाया। तीनों को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। हालांकि हादसे के फौरन बाद डीसीएम चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पिसावां इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

मारपीट के छह आरोपी गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार : शहर सीमा से सटे रामकोट थाना क्षेत्र के नेरीकला गांव में वर्चस्व को लेकर दो पक्षों में मंगलवार को हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने बुधवार को दोनों पक्षों के छह युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, वारदात में शुभम कुमार सिंह, शिवम कुमार सिंह, अभय सिंह, शुभम सिंह, राम प्रवेश उर्फ सनी कश्यप और लकी का नाम सामने आया था। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत सभी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई।

155 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

सामूहिक विवाह

- कृषक इंटर कॉलेज मैदान में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता, महोली, सीतापुर

अमृत विचार : कृषक इंटर कॉलेज की पिछली फील्ड पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। महोली, अहिल्या, पिसावा और हरगांव ब्लॉक के लाभार्थी 155 जोड़े कार्यक्रम में शामिल हुए और वैवाहिक बंधन में बंधने के इस अवसर को यादगार बनाया।

मुख्य अतिथि विधायक शशांक त्रिवेदी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समाज के सभी वर्गों को बिना किसी भेदभाव के लाभान्वित कर रही है।

सामूहिक विवाह समारोह के दौरान उपस्थित विधायक शशांक त्रिवेदी। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख पिसावां मिथिलेश सिंह यादव, सीएचसी प्रभारी डॉ. दीपांशु शुक्ला, बीडीओ प्रतीक शुक्ला, चारों ब्लॉकों के सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) एवं जिला समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कुत्ते ने छात्र समेत आठ लोगों को काटकर किया घायल

महमूदाबाद, सीतापुर, अमृत विचार : महमूदाबाद कस्बे में कुत्ते हमलावर हो चले हैं। ऐसे में छह लोगों पर एक कुत्ते ने हमला किया। कस्बावासियों ने ढूंढकर उसे पीटकर मार डाला। घायलों का अस्पताल में उपचार हुआ।

महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के कस्बा स्थित रन्नी निवासी उत्कर्ष वर्मा डी-फार्मा की परीक्षा देकर घर लौट रहा था। बताते हैं कि युवक जब बेलदारी टोला के नजदीक पहुंचा, तभी कुत्ते ने हमला कर दिया। इसी तरह रामपुर-मथुरा मार्ग स्थित टैम्पो स्टैंड के पास भट्ठा निवासी मकसूद (35) पुत्र याकूब को भी काटा। जब लोगों ने दौड़ाया तो कुत्ते ने चिकमंडी चौराहे पर बेहटा निवासी ऑटो चालक सरवर (50) पुत्र रज्जू खां पर हमला कर दिया। बघाइन निवासी सुमन (45) पत्नी प्रेमचंद और पटरी किनारे लकड़ी बीन रही मुन्नी (45) पत्नी बाबू को भी काटा। भिटौरा निवासी मोहम्मद हनीफ (25) पुत्र रहमान, नई बाजार निवासी शिवा (14) और उनके पिता राजेश (35) और गोपालपुर निवासी हैप्पी वर्मा पुत्र दिनेश पर भी हमला कर घायल कर दिया।

सिटी डायरी

फूंका गया आरंगजेब-बाबर का पुतला

सीतापुर, अमृत विचार : आजाद हिन्द भगत संगठन के कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में बाबर के नाम पर मस्जिद निर्माण को लेकर विरोध जताते हुए औरंगजेब व बाबर का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर व तख्तियां लेकर पहुंचे और पश्चिम बंगाल में प्रस्तावित मस्जिद का विरोध किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के हाल के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को महान भारतीय महापुरुषों के आदर्शों पर आगे बढ़ना चाहिए। प्रदर्शन समाप्त होने पर प्रतिनिधिमंडल ने मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

विरोध प्रदर्शन करते आजाद हिंद भगत संगठन के सदस्य। अमृत विचार

कलशयात्रा निकालते श्रद्धालु। अमृत विचार

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई श्रीमद्भागवत कथा

मिश्रिख, सीतापुर, अमृत विचार : कस्बे के मोहल्ला रन्नूपुर में बुधवार से श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा की शुरुआत कलश यात्रा के साथ हुई। कार्यक्रम में मुख्य यजमान राकेश श्रीवास्तव व नीलम श्रीवास्तव के नेतृत्व में सैकड़ों भक्तों ने दधीचि तीर्थ से कलश जल भरकर कथा स्थल तक पदयात्रा की। इस दौरान भक्ति और जोश से परिपूर्ण वातावरण देखने को मिला। कथा व्यास कपिल मिश्रा के श्रीमुख से सात दिनों तक भक्तगण भागवत कथा का रसपान करेंगे। मुख्य यजमान राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन पिछले छह वर्षों से लगातार हो रहा है।

बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधि व अन्य लोग।

क्षेत्र पंचायत की बैठक

महोली, सीतापुर, अमृत विचार : विकासखंड महोली के सभागार में बुधवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक विकासखंड अधिकारी प्रतीक शुक्ला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे क्षेत्रीय विधायक शशांक त्रिवेदी ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों का सम्मान किया और विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। संचालन सहायक विकास अधिकारी सहकारिता मंजेश कुमार द्वारा किया गया। बैठक के दौरान विधायक ने क्षेत्र पंचायत सदस्य विदुर सखी को फीडिंग मशीन भेंट कर सम्मानित किया। अन्य सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

52 बीघा भूमि से हटाया कब्जा

कार्रवाई

संवाददाता, बिसवां, लहरपुर, सीतापुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. के निर्देश पर जिले भर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चला। इसी कड़ी में बिसवां और लहरपुर में कार्रवाई की गई।

एसडीएम बिसवां शिखा शुक्ला ने को बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम लालपुर परगना एवं तहसील बिसवां स्थित शत्रु संपत्ति की 52 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। जानकारी के अनुसार रमेश चंद्र पुत्र बच्चू लाल निवासी ग्राम देवियापुर थाना सदरपुर द्वारा भूमि पर कब्जा किया गया था। उधर, लहरपुर तहसील क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण को लेकर ग्राम नेवादा व ग्राम सरावां में बुलडोजर चला। बुधवार को क्षेत्र के ग्राम नेवादा गनेशपुर में नवीन परती भूमि पर रईस प्रबंधक व सत्तार पुत्र मेंहदी हसन मदरसा हुसैनिया तक मिलुल उलूम निवासी ग्राम नेवादा द्वारा किए गए अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर हटाया गया।

लहरपुर में अतिक्रमण ढहाती जेसीबी। ● अमृत विचार

ठेकेदार को बंधक बनाकर की गयी मारपीट, पांच पर केस दर्ज

सीतापुर, अमृत विचार : ठेके की रार इतनी बढ़ी कि एक ठेकेदार के साथ बंधक बनाकर मारपीट की गई। वारदात का वीडियो वायरल होने पर एसपी ने प्रकरण को संज्ञान लिया और उनके आदेश के बाद अनुदेशक सहित पांच लोगों के विरुद्ध केस दर्ज हुआ है।

बैजनाथ कॉलोनी निवासी अनिल कुमार गुप्ता के मुताबिक, वो ठेकेदारी कार्य करते हैं। उनकी ओर से लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड चार में इसी माह पांच दिसंबर को विकास खण्ड पिसावां क्षेत्र के पकरिया से खालेपुरवा कार्य का टेंडर भरा गया। आरोप है कि उसी दिन उसे महोली कोतवाली क्षेत्र के सिंघौड़ा निवासी संजय सिंह ने फोन कर सोनार मंडी में बुलाया। दुकान पर संजय के साथ मछरेहटा थाना क्षेत्र का माडर निवासी व बीहट बीरम का अनुदेशक महेंद्र पाठक सहित तीन अन्य लोग आ गए। टेंडर को लेकर अनिल के साथ बंधक बनाकर मारपीट की गई। फोन भी छीन लिया गया। धमकी दी गई कि टेंडर वापस नहीं लिया तो गोली चलेंगी। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह का कहना है कि वीडियों का संज्ञान लेते हुए आरोपी संजय सिंह, महेंद्र पाठक सहित अन्य के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण की जांच की जा रही है।

दिव्यांग अधिकार महासम्मेलन — खैराबाद के विशुननगर में आत्मनिर्भर दिव्यांग एकता फाउंडेशन ने किया आयोजन

दिव्यांगजनों को मिला सम्मान तो खिल उठे चेहरे

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : उम्मीदों की उड़ान के साथ जिले भर के दिव्यांग आत्मनिर्भर दिव्यांग एकता फाउंडेशन के बैनर तले इकट्ठा हुए। उन्होंने अपने विचार साझा किये।

बाद में संगठन की ओर से इनके साथ-साथ समाज के अन्य वर्गो से जुड़े लोगों को भी सम्मानित किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने योजनाओं से जुड़ी जानकारियां भी साझा कीं।

आत्मनिर्भर दिव्यांग एकता फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम का आरंभ वंदना, स्वागत गीत से हुआ। दिव्यांग बालक बबलू ने भजन प्रस्तुत किया। प्रेरणादायक गीत किरन गौतम की ओर से गाया गया। कवि कमलेश मौर्य मृदु, सगीर भारती आदि ने व्याख्यान और देशप्रेम से जुड़े वक्तव्य प्रस्तुत किये।

उप्र उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश मंत्री सागर गुप्ता, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा, परियोजना अधिकारी अनिल कुमार चौधरी, जिला प्रोबेशन कार्यालय से साक्षी शुक्ला, बार एसोसिएशन अध्यक्ष विजय कुमार अवस्थी, गौरक्षक अनूप खेतान आदि ने संबोधन किया। इस दौरान बार एसोसिएशन अध्यक्ष विजय कुमार अवस्थी, सागर गुप्ता, केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जोन अध्यक्ष गोपाल टण्डन, युवा उद्यमी मनीष लाठ, डॉ. आरती श्रीवास्तव, सुधांशु सक्सेना, तसनीम फातिमा, विपिन राजवंशी, कवि कमलेश मौर्य मृदु, डॉ. रजनीश मिश्रा, अल्लामा फजल हक खैराबादी के प्रपौत्र पुत्र सैफुल हक फारूकी, हरिशंकर गुप्ता आदि को सम्मानित किया गया।

इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव सिंह, उपाध्यक्ष बृजेश शुक्ला, प्रधान सचिव बिंदु मौर्य, विजय पाल सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते सागर गुप्ता व मंचासीन अतिथि। ● अमृत विचार

टीकाकरण को लेकर किया गया जागरूक

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्षेत्र के कई टीकाकरण सत्र स्थलों का निरीक्षण किया। डॉक्टर गोविंद गुप्ता ने ग्राम कला बहादुरपुर में सत्र स्थल का निरीक्षण करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश दिए। बीएमसी यूनिसेफ अखिलेश पांडे, शैलेंद्र कुमार चौधरी व सुपरवाइजर ने मोहिउद्दीनपुर के सत्र स्थल का निरीक्षण किया।

टीकाकरण को लेकर जागरूक करती स्वास्थ्य विभाग की टीम।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दबंगों ने ट्यूबवेल में बंद कर युवक को पीटा

अमावां : मिल एरिया थाना क्षेत्र के पैते मऊ गांव निवासी रोहित कुमार पुत्र विश्वनाथ ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। उसका कहना है कि तीन दिसंबर की शाम रुस्तमपुर बाजार सब्जी लेने गया था। शहर कोतवाली क्षेत्र के इंदिरा नगर के प्रेमचंद शुक्ला व राजेंद्र यादव अपने तीन-चार साथियों के साथ पहुंचे और भाई से मिलवाने की बात कह कर उसे गाड़ी में बैठा लिया और डीह थाना क्षेत्र के गोडिया पूरवा गांव स्थित एक ट्यूबवेल के कमरे में बंद कर उसके साथ मारपीट की। जबरन जमीन लिखवाने की धमकी देना का भी आरोप लगाया है। दबंगों के चंगुल से बचकर रोहित घर पहुंचा और परिजनों को आपबीती बताई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं एसएसआई राकेश कुमार मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया है आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग

महराजगंज : तहसील क्षेत्र के समसपुर हलोर ग्राम में श्री बालाजी पवन तनय संकट मोचन सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री बालाजी आश्रम तक पहुंचने वाली सड़क की स्थिति जर्जर बनी हुई है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्य सड़क से मंदिर तक पक्की सड़क और पुलिया के निर्माण की मांग की है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों में संदीप दास, अविनाश चंद्र के अनुसार समसपुर हलोर वाया ओसाह मेन सड़क से मंदिर तक का मार्ग वर्तमान में कच्चा है, जिसकी लंबाई लगभग 150 मीटर है। बरसात के मौसम में इस मार्ग पर पानी भर जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को मंदिर पहुंचने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ट्रस्ट ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सुनवाई नहीं हुई तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

श्रीमद्भागवत कथा का हुआ आयोजन

शिवगढ़ : देहली रामजानकी मन्दिर में बड़े ही हर्षोल्लास भागवत कथा की शुरुआत हुई। कथा वाचक पूर्णिमा मिश्रा के नेतृत्व में कलश यात्रा निकाली गई। श्रीमद्भागवत कथा का शुभारम्भ कलश यात्रा के साथ हुआ। कथा वाचक पूर्णिमा मिश्रा के नेतृत्व में निकली कलश यात्रा देहली के विभिन्न मंदिरों से होकर गुजरी। अन्त में यात्रा राम जानकी मन्दिर में जाकर समाप्त हुई। शाम को देहली स्थित राम जानकी मन्दिर में श्रीमद् भागवत प्रारम्भ हुई कथा के पहले दिन इंसान के जीवन में श्रीमद्भागवत कथा के महत्व के बारे में बताया गया। इस दौरान कथा वाचक पूर्णिमा मिश्रा ने कथा का आगाज ठाकुर जी की वन्दना से किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा को सुनने मात्र से इंसान को मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। उन्होंने कहा कि सदैव संसार के हित के लिए कार्य करने वाले परीक्षित के बारे में जानना बहुत जरूरी है।

युवक को पीटा

ऊंचाहार : कोतवाली क्षेत्र के अकोढ़िया गांव के राम खेलावन ने खेत में लहसुन की फसल बोई है। बुधवार को खेत से बकरी हटाने की बात कहने पर पड़ोसी गांव के युवक ने डंडे से उसकी पिटाई कर दी। वहीं कोतवाल अजय कुमार राय ने बताया कि जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में दुकान में लगी आग

बछरावां (रायबरेली) : थाना क्षेत्र के अंतर्गत तिलेडा गांव में ट्रेलर व रेडीमेड की दुकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग लगने से दुकान में लाखों रुपए का सामान जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित अमन पुत्र गुड्डू दर्जी का काम करता है। दुकान में रेडीमेड एवं किराने का सामान रखा था।

एसपी से मिलकर ग्रामीणों ने की कब्जेदारों पर कार्रवाई की मांग

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। पीड़ितों ने दबंग और भू माफिया के खिलाफ उच्चाधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। आरोप है कि गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर सरकारी धन से सरोवर बनाया गया। दबंगई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पीड़ितों में किसी की हिम्मत नहीं है कि उनके खिलाफ जुबान खोल सके।

बुधवार को पहुंचे ग्रामीणों ने जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक व मुख्य विकास अधिकारी को शिकायती पत्र दिया है। पूर्व ब्लाक प्रमुख सुखबीर सिंह उर्फ मोनू सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक देवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नू, कुंवर उदय प्रताप सिंह, दयाराम व मोहन आदि करीब दो दर्जन भुक्तभोगियों ने लिखा कि दबंग और उनके परिवारीजनों के ऊपर कई मुकदमें दर्ज हैं। उनके द्वारा कई असहाय व गरीबों की लगभग 15 बीघे जमीन पर कब्जा कर रखा है। पुश्तैनी व पट्टे आदि की जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है और उस पर सरोवर का निर्माण करा डाला है। इतना ही नहीं कई लाख रुपये सरकारी धन का बंदरबांट भी किया है। पूर्व ब्लाक प्रमुख छतोह सुखबीर सिंह का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच उच्च अधिकारियों से कराई जाय तो हकीकत सामने आ जायेगी। उनका और आगे कहना है कि जब तक गरीबों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक गरीबों के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

पुलिस मुठभेड़ में 5 लाख की टप्पेबाजी करने के आरोपी को लगी गोली

संवाददाता, अमावां (रायबरेली)

कार्रवाई

- **पूरे लोनियन गांव के पास पुलिस पर की फायरिंग, नकदी और तमंचा बरामद**

अमृत विचार। मिल एरिया थाना क्षेत्र में दो दिन पहले सरेबाजार हुई पांच लाख की टप्पेबाजी का बुधवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीन लोगों को दबोच लिया। इसमें एक के पैर में गोली लग गई। उसे अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। पुलिस ने घटना में शामिल कार के अलावा नकदी और तमंचा बरामद किया है। घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों की पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

मंगलवार की रात पुलिस को घटना में प्रयुक्त कार रायबरेली-अयोध्या हाईवे पर रतापुर के पास दिखाई देने की खबर मिली। आनन फानन पुलिस ने कार को दबोचने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी। विपरीत दिशा से अमावा चौकी इंचार्ज शैलेंद्र सिंह और थाने की ओर से एसएसआई राजेश कुमार सिंह व एसएसआई राकेश कुमार मिश्र ने कार का पीछा कर लिया। कार सवार लोगों को पुलिस पीछे होने की आशंका हो गई तो शारदा नहर पुल से ही कार सवार लोगों ने हरदासपुर की ओर कार मोड़ लेकिन तभी सामने से भी एसआई धर्मेंद्र सिंह और एसआई हरजीत कुमार ने कार सवार लोगों ने भागने का रास्ता बंद कर दिया। कार सवार लोगों ने पुलिस से घिरता हुआ देखकर थाना क्षेत्र के पूरे लोनियन गांव के पास का रोक दी और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ में पुलिस की एक गोली कार सवार प्रतापगढ़ जनपद के लीलापुर थाना क्षेत्र के सिद्धौर निवासी नसीम पुत्र जावेद को लगी। पुलिस ने कार सवार लीलापुर थाना क्षेत्र के ही अरविंद दुबे पुत्र अशोक दुबे व नसीम पुत्र जफरुल हसन को दबोच लिया।

मुठभेड़ में घायल आरोपी के साथ पुलिस कर्मी। अमृत विचार

वहीं एसएसआई राजेश कुमार सिंह ने बताया पकड़े गए अपराधियों ने ही सोमवार की दोपहर टप्पेबाजी की घटना को अंजाम दिया था। तीनों के विरुद्ध प्रतापगढ़ जनपद के अलग-अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज है। पूछताछ में आरोपियों ने टप्पे बाजी की घटना में शामिल होने की बात स्वीकार किया है।

व्यापार बढ़ाने का दिया था झांसा

बछरावां थाना क्षेत्र के पश्चिम गांव निवासी सचींद्र सिंह दवा के व्यवसायी हैं। सचींद्र के मित्र राजेश सिंह की इंस्टाग्राम पर कुछ लोगों से कारोबार को बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों में इंस्टाग्राम पर ही लेनदेन की बातें भी हुई, जिसे लेकर बीते सोमवार को दोनों पक्षों ने मिल एरिया थाना क्षेत्र के कल्लू का पुरवा के पास मुलाकात का समय निर्धारित किया था। इंस्टाग्राम वाले व्यापारियों को सचींद्र देने के लिए पांच लाख रुपये भी लेकर गया था। व्यापारी बन पहुंचे मुकुंद झा व उसके साथियों ने सचिंद्र से रुपयों भरा बैग छीन लिया और कार से फरार हो गया। मुकुंद झा और उसके साथियों के जाने के बाद सचिंद्र को टप्पेबाजी हो जाने का अहसास हुआ।

खून जांच के नाम पर कराया ऑनलाइन भुगतान

निःशुल्क का दावा तार-तार : जिला महिला अस्पताल में जांच के नाम रोगियों से चल रहा अवैध वसूली का खेल

अमरेंद्र कुमार, रायबरेली

अमृत विचार। जिला महिला अस्पताल में निःशुल्क जांच की सरकारी व्यवस्था दिनोंदिन मजाक बनती जा रही है। मरीजों से अवैध वसूली के कई मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। मंगलवार को महिला रोगी से की गई ठगी ने अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रेडियोलॉजी विभाग परिसर में स्थित परामर्श कक्ष (20) में एक महिला मरीज से अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी ने लखनऊ से जांच कराने के नाम पर उससे ऑनलाइन जनरल डायग्नोस्टिक को भुगतान करा लिया। उसे बताया कि यह जांच यहां नहीं बल्कि लखनऊ में की जाएगी।

मंगलवार को महराजगंज क्षेत्र के इंदौरा गांव से अपने पति के साथ दवा कराने रोगी जिला महिला अस्पताल आई थी। ओपीडी में डॉक्टर ने पर्चे पर अल्ट्रासाउंड, खून जांच, यूरिन आदि कई जांच लिखकर लैब भेज दिया। महिला रोगी पति के साथ रेडियोलॉजी विभाग परिसर में स्थित परामर्श कक्ष-20 (एचआईवी) में जांच कराने पहुंची। यहां पर सभी

ऑनलाइन भुगतान का स्क्रीन शॉट।

जांचें निःशुल्क हैं। महिला रोगी पति के अनुसार परामर्श कक्ष में मौजूद स्वास्थ्य कर्मचारी ने उससे कहा कि "यह जांच नहीं होती, बाहर से कराने पर 600 और लखनऊ से कराने पर 400 रुपए लगेंगे। इस बीच रोगी के पति ने जब उससे सवाल किया तो स्वास्थ्य कर्मी ने कहा कोई हमारी जेब में नहीं जाएगा। जांच कराना है तो देना ही पड़ेगा। इस दौरान पति को एक तरफ जहां महिला रोगी के बेहतर स्वास्थ्य का ख्याल सता रहा था तो वहीं दूसरी ओर ऐसे भ्रष्ट और मनमाने स्वास्थ्य कर्मियों के व्यवहार और रोज-रोज अस्पताल के चक्कर लगाने की चिंता भी उसे परेशान करने लगी। अब मरता क्या न करता पति को स्वास्थ्य कर्मी द्वारा मोबाइल पर दिखाए गए क्यूआर कोड पर 09 दिसंबर को 10:04 बजे मजबूरन

जिला महिला अस्पताल में स्थित एचआईवी कक्ष, जहां महिला रोगी ने कराई थी जांच।

ऑनलाइन जनरल डायग्नोस्टिक को 400 रुपये का भुगतान करना पड़ा। जबकि ओपीडी के पर्चे पर ऐसी कोई जांच नहीं लिखी है, जिसे किसी निजी प्रयोगशाला में कराए जाने की जरूरत है। महिला रोगियों को इसकी जानकारी न होने का पूरा फायदा ऐसे भ्रष्ट स्वास्थ्य कर्मी उठा रहे हैं।

परामर्श कक्ष से बाहर निकलने के बाद दंपति को प्रतीक्षालय में बैठे अन्य मरीजों से बात की, तो पता चला कि यह कोई एक दिन की घटना नहीं है। वेटिंग एरिया में बैठे कुछ मरीजों में चर्चा हो रही थी कि प्रतिरोध करने पर कर्मचारियों का व्यवहार और कड़ा हो जाता है। जिला महिला अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों की मनमानी का गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि के मरीज सबसे अधिक शिकार बन रहे हैं। शायद यही कारण है कि यहां पर चोरी छिपे आने वाली महिला रोगियों से न सिर्फ अवैध वसूली की जा रही है, बल्कि प्रदेश की भाजपा सरकार को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास भी किया जा रहा है।

कौन आदमी कहा, कल बुलाइए, हम पहचान करते हैं : सीएमएस

स्वास्थ्य कर्मी द्वारा खून की जांच को निजी प्रयोगशाला भेजने और महिला रोगी से ऑनलाइन भुगतान के सवाल पर जिला महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. निर्मला कुमारी साहू तमतमा उठीं। काफी जोर देते हुए कहा कि कौन आदमी कहा, कल बुलाइए, हम पहचान करते हैं और ऐसा करने वाले को चिट्ठी देते हैं। कल मैनें भी एक आदमी को देखा, मुझे लगा दलाल है। कल आप लेकर आइए मैं उसकी पहचान करना चाहती हूं। देखना चाहती हूं कि वह मेरा कर्मचारी है या फिर कोई दलाल। ऐसा करने वाले कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में सभी प्रकार की जांचें नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सीएमएस डॉ. निर्मला कुमारी साहू।

दीवारों पर लिखा है नि:शुल्क जांच, क्यों नहीं डरते वसूली करने वाले के हाथ

जिला महिला अस्पताल के अधिकांश दीवारों और कमरों के बाहर साफ-साफ और बड़ा-बड़ा नि:शुल्क जांच लिखवाया गया है। यहां तक कि जांच होने वाले कमरों के बाहर एचआईवी जांच की सुविधा और अन्य की जांचें नि:शुल्क उपलब्ध होना बताया गया है। इसके बावजूद यहां पर आने वाली महिला रोगियों से हिम्मती स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा यहां पर जांच न होने आदि तरह-तरह की बातें बताकर उनसे अवैध वसूली कर ली जाती है। फिलहाल यह कोई पहला मामला नहीं है। इसके पूर्व में भी जिला महिला अस्पताल चर्चा में रहा है। इस तरह के मामले मीडिया में आने के बाद सक्रिय सीएमएस स्वयं पर बड़ी कार्रवाई होने की डर से कागजी कोरम पूरा कर मामले को अब तब छिपाने में सफल रहीं हैं।

तेज रफ्तार से बुझ गया घर का चिराग, परिवार में छाया मातम

संवाददाता, छतोह (रायबरेली)

अमृत विचार। परशदेपुर चौकी क्षेत्र में बुधवार दोपहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां सदा के लिए छीन लीं। महानन्दपुर गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में स्कूटी सवार साहिल सिंह की मौत हो गई। हादसे की खबर लगते ही गांव तक कोहराम मच गया।

साहिल की फाइल फोटो।

हाजीपुर गांव निवासी साहिल सिंह पुत्र संजय सिंह, कक्षा 11वीं का छात्र परिवार का इकलौता चिराग था। वह बुधवार को स्कूटी से परशदेपुर जा रहा था। जैसे ही वह महानन्दपुर गांव के पास पहुंचा सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकें चकनाचूर हो गईं। साहिल गंभीर रूप से घायल होकर गिर गया। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे लेकर अस्पताल गए लेकिन रास्ते में दम तोड़ दिया। दूसरी बाइक पर सवार गोलू निवासी पूरे गजाधर, थाना उदयपुर, प्रतापगढ़ को मामूली चोटें आई हैं। घर में जैसे ही मौत की खबर पहुंची, मातम छा गया। बेटे की मौत से मां बेसुध सी हो गईं। चौकी इंचार्ज मोहित भारद्वाज ने बताया कि सूचना मिलते ही दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया था। एक युवक की मौत हुई है।

ट्रक से टकरा कर बाइक सवार घायल, जगतपुर: बुधवार को मनोहरगंज गांव के रहने वाले देशदीप मिश्रा पुत्र संतोष मिश्रा बाइक से ऊंचाहार की तरफ से वापस आ रहे थे। तभी एक ढाबा के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। जिसमें बाइक चालक घायल हो गया। स्थानीय लोगों द्वारा एंबुलेंस की मदद से उसे जगतपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जिला चिकित्सालय भेजा गया।

दो बाइकों में आमने-सामने की टक्कर, चार घायल, बछरावां: मंगलवार देर रात रामप्रकाश पुत्र अज्ञात अपने साथी राजेश पुत्र अज्ञात निवासी नारायणपुर थाना मौरावा जनपद उन्नाव के साथ बछरावां-महाराजगंज मार्ग होते हुए घर वापस जा रहे थे। सरैया गांव के पास सामने से आ रहे बाइक सवार रामस्वरूप पुत्र अज्ञात निवासी चंदापुर एवं उनके एक अज्ञात साथी की बाइकों में टक्कर हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस के द्वारा चारों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया गया, जहां से चारों घायलों को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। वहीं एक अन्य अज्ञात बाइक सवार को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है।

स्वीकृत कराए बगैर सड़क का निर्माण, जांच के आदेश

संवाददाता, डलमऊ (रायबरेली)

अमृत विचार। ग्राम पंचायत में मनमानी और भ्रष्टाचार की आए दिन शिकायतें हो रही है। इसमें अधिकारियों की जमकर किरकिरी के बाद भी कोई सुधार नहीं हो रहा है। ऐसा ही एक ग्राम पंचायत में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पर बिना वित्तीय स्वीकृति और एस्टीमेट के इंटरलॉकिंग लगा दिया गया। ग्रामीणों ने जब इसकी शिकायत की तो मामला उजागर हुआ। खंड विकास अधिकारी ने जांच कमेटी बनाकर मामले की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

विकासखंड दीन शाह गौरा के ग्राम पंचायत बिन्नवा में ग्राम प्रधान की मनमानी से बिना एस्टीमेट और विधि स्वीकृत के इंटरलॉकिंग खड़जा लगा दिया गया। मामले की जानकारी होने पर ग्राम प्रधान द्वारा संबंधित से बैक डेट में एस्टीमेट बनाने का दबाव भी बनाया गया। ग्रामीण सूरत सिंह के

स्वीकृत कराए बिना चल रहा सड़क का निर्माण कार्य। अमृत विचार

द्वारा जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत लग रहे इंटरलॉकिंग से संबंधित एस्टीमेट की प्रमाणित प्रति मांगी गई है। मामला उजागर होने के बाद खंड विकास अधिकारी ने इस पर एक्शन लेना शुरू कर दिया है। शिकायत पर खंड विकास अधिकारी अशोक सचान ने जांच कमेटी गठित कर जांच कराए जाने के निर्देश दिए हैं। खंड विकास अधिकारी अशोक सचान ने बताया कि मामले की शिकायत मिली है। कमेटी गठित कर जांच कराई जा रही है।

दायित्वों को निभाने का करूंगा प्रयास : सुशील

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने सरेनी विधानसभा क्षेत्र के विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला को प्रांतीय परिषद का सदस्य मनोनीत किया है। प्रांतीय परिषद का सदस्य बनने पर लालगंज मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी व भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला व कार्यकर्ताओं ने सुशील शुक्ला को माल्यार्पण व अंग वस्त्र से सम्मान किया। वरिष्ठ नेता दीप प्रकाश शुक्ला ने उन्हें राम मंदिर की प्रतिमा भेंट कर बधाई दी है। प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला ने कहा कि भाजपा ने जो दायित्व उन्हें सौपा है वह हर संभव निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है।

इस अवसर पर कैलाश बाजपेई, विवेक शर्मा, रोहित

प्रांतीय परिषद सदस्य बनने पर सुशील शुक्ला का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

- **भाजपा के प्रांतीय परिषद का सदस्य बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत**

सोनी, मृत्युंजय बाजपेई, कौशलेंद्र कंचन सहित राजेश निर्मल, सुरेंद्र गुप्ता, सुनील मिश्रा, अखिलेश वाजपेई, सानू बाजपेई, श्याम दीक्षित, रणविजय सिंह, अवधेश सविता, राजेश बहादुर सिंह, शीतला सविता, राम शंकर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संघ ने चलाया गृह संपर्क अभियान, लालगंज: शताब्दी वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने गृह संपर्क अभियान शुरू कर दिया है। जिसका उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचना और संघ के विचारों को फैलाना है। यह अभियान 20 नवंबर से 21 दिसंबर तक चलेगा और इसमें सभी परिवारों से संपर्क किया जाएगा। इस दौरान कार्यकर्ता घर-घर जाकर भारत माता का चित्र और संघ का साहित्य वितरित कर रहे हैं। इस मौके पर जिला प्रचारक अजीत, सरस्वती विद्या मंदिर के प्रबंधक सचिन रस्तोगी, पुष्पम, अभय आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पढ़ने गई अधिवक्ता की बेटी का अपहरण व फोन पर मैसेज भेज दी धमकी, 8 घंटे बाद बरामद

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। भदोखर थाना क्षेत्र के एक गांव से ट्यूशन पढ़ने गई अधिवक्ता की बेटी का अपहरण करने का मामला प्रकाश ने आया। परिजनों को उस समय पता चला कि जब उसकी मां के मोबाइल पर धमकी भरा मैसेज आया। अनजान नंबर से आए मैसेज के साथ अपनी बेटी की फोटो देख परिजनों के पांव तले जमीन खिसक गई। अपहरण घटना की जानकारी होते ही परिजन व आसपास के क्षेत्र के लोगों में हड़कंप मच गया। मामले में पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए टीम गठित कर तलाश शुरू की। वहीं पुलिस ने आठ घंटे के भीतर छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया। बता दें कि भदोखर थाना क्षेत्र के बेला गुसीसी गांव निवासी अधिवक्ता की पुत्री हमेशा की तरह बुधवार को ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकली थी। परिजनों के अनुसार, वह नियमित रूप से स्थानीय कोचिंग सेंटर गई थी। देर शाम तक न लौटने पर परिजनो की चिंता बढ़ गई। अचानक छात्रा की मां के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोटो प्राप्त हुई। फोटो में छात्रा की हालत देखकर परिवार सदमे में आ गया। वह कुर्सी से रस्सियों से बंधी हुई थी, मुंह पर पट्टी बंधी थी और आंखों में डर साफ झलक रहा था। अपहरणकर्ता ने फोटो के साथ मैसेज भेजा, बेटी को बचा सकती हो तो बचा लो। नहीं तो कल नदी में मिलेगी लाश। यह मैसेज न केवल परिवार को बल्कि पूरे सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मैसेज वायरल होते ही लोगो हड़कंप मच गया। परिजनों ने भदोखर थाने में शिकायत पत्र देते हुए अपहरण कर्ताओ से बेटी को मुक्त कराने की गुहार लगाई है। सीओ सिटी अरूण कुमार नौहवार ने बताया कि पीड़ित निरंजन पाल के फोन पर धमकी भरे मैसेज आए हैं। सर्विलांस टीम व स्थानीय पुलिस मामले की जांच-पड़ताल के बाद रायबरेली पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने छात्रा के अपहरण के आठ घंटे के भीतर छात्रा को किया सकुशल बरामद कर लिया। परिजनों ने अपहरण तहरीर थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अपहरण का मुकदमा दर्ज किया था। छात्रा के पिता पेशे से हैं अधिवक्ता, पुलिस ने छात्रा के साथ एक युवक को भी भी गिरफ्तार किया है। वहीं लड़की के पिता ने आवास पहुंचकर पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह व पुलिस को धन्यवाद दिया है।

प्रधानाध्यापक के पीटने पर छात्र के सिर में लगी चोट, जमकर हंगामा

संवाददाता, महराजगंज (रायबरेली)

- **प्राथमिक विद्यालय राघवपुर का मामला, किया गया जवाब-तलब**

अमृत विचार। प्राथमिक विद्यालय राघवपुर में कक्षा एक के छात्र को प्रधानाध्यापक ने किसी बात को लेकर गुस्से में बैट मार दिया। इससे उसके सिर में गंभीर चोट आ गई। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों और परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मामला बढ़ने पर विभाग की ओर से प्रधानाध्यापक को नोटिस जारी करते हुए जवाब-तलब कर लिया है।

पिता रामबरन ने बताया कि उसका बेटा ऋतिक कक्षा एक का छात्र है। मंगलवार को देर शाम घर पहुंचे तो प्रधानाध्यापक वेद प्रकाश सिंह द्वारा बेटे की पिटाई की जानकारी मिली। बुधवार सुबह घटना से आक्रोशित दर्जनों ग्रामीणों ने आरोपित प्रधानाध्यापक के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हुए स्कूल का घेराव कर दिया। स्कूल घेराव की जानकारी होते ही मौके पर पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी राम मिलन यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रधानाध्यापक वेद प्रकाश सिंह से छात्र के इलाज

घायल छात्र।

हंगाम करते परिजन और ग्रामीण।

कराने व कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि नोटिस जारी की गई है। रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेजी जाएगी। प्रधानाध्यापक द्वारा दोबारा ऐसी हरकत न करने व छात्र के इलाज कराए जाने की जिम्मेदारी के बाद मामला शांत हो सका।

आयोजन | सरेनी में एसआईआर फार्म भरवाने का विशेष अभियान चलाया गया

सपा नेता ने एसआईआर में झोंकी ताकत, ग्रामीणों को किया प्रेरित

संवाददाता, सरेनी (रायबरेली)

अमृत विचार। एसआईआर को लेकर प्रशासन ही नहीं बल्कि सपा कार्यकर्ता भी जी जान से लगे हुए हैं। बुधवार को सपा की ओर से 182 विधान सभा सरेनी में एसआईआर फार्म भरवाने का विशेष अभियान चलाया गया। युवा सपा नेता मनीष देव पाल की अगुवाई में चल रहे इस अभियान का तीसरा चरण पूरे क्षेत्र में पहुंचा, जहां लोगों को फार्म भरने के लिए प्रेरित किया गया। ई रिक्शा पर समाजवादी पार्टी और एसआईआर अभिमान से जुड़े बैनर लगाए गए, जिनके माध्यम से जनता को जागरूक किया गया। इस दौरान युवा सपा नेता ने जिलाध्यक्ष इं. वीरेंद्र यादव और जिला प्रभारी राम मूरत सिंह यादव का स्वागत किया। साथ ही क्षेत्र में एसआईआर को लेकर चलाए जा रहे अभियान के बारे में बताया।

सपा जिला प्रभारी राम मूरत सिंह यादव और जिलाध्यक्ष इं. वीरेन्द्र यादव का स्वागत करते युवा नेता मनीष देव पाल।

चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर फार्म सभी मतदाताओं के भरवाने को लेकर निरंतर जागरूक किया जा रहा है। प्रशासन की ओर से जिम्मेदार पूरी ताकत झोंके हुए हैं।वहीं सपा भी इसमें कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाह रही है। सपा मुखिया द्वारा लक्ष्य निर्धारित समय में अधिक से अधिक लोगों का एसआईआर फार्म जमा कराने के लिए कहा गया है। युवा सपा नेता मनीषदेव पाल ने लोगों से अपील की कि सभी लोग अपना एमआईआर फार्म भरकर अनिवार्य रूप से बीएलओ के पास जमा करें। सपा नेता ने कहा कि जो लोग रख एसआईआर फार्म भरकर जमा नहीं करेंगे वे मतदान से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें किसी तरह की लापरवाही ना बरती जाए। इस मौके पर राजबहादुर पाल, अमित पाल, लावेन्द्र यादव, हरिश्चन्द्र पाल धर्मेन्द्र धाकड़ पूती पासवान सन्दीप गौतम आदि रहे।

बीएलओ पर एसआईआर फार्म फाड़ने का आरोप

सलोन, (रायबरेली)। डीह थाना क्षेत्र के गांव पूरे पंडित मजरे रोखा की महिला विमलेश कुमारी इस समय एसआईआर कार्य में बीएलओ है। उनकी झूटी पास के दूसरे गांव में लगी हुई है। दो दिन पूर्व घर में उनकी बहू प्रीति तिवारी से उनका विवाद हो गया। जिस पर उनकी बहू ने फोन करके डायल 112की पुलिस को बुला लिया। जब उन्हें लगा कि मारपीट के मामले में उनके विरुद्ध कार्रवाई हो जाएगी तो उन्होंने एसआईआर कार्य को हथियार बना लिया और यह आरोप लगाया कि उनकी बहू प्रीति ने अपने भाई का एसआईआर में नाम बढ़वाने को लेकर विवाद करते हुए फॉर्म फाड़ डाला। जबकि विमलेश कुमारी उस बूथ संख्या की बीएलओ ही नहीं है ,जहां प्रीति का मतदाता सूची में नाम है। यही नहीं घटना के दो दिन पूर्व ही दूसरा बीएलओ प्रीति का एसआईआर फॉर्म जमा कर चुका था , जिसकी रसीद प्रीति के पास मौजूद है। अब सवाल ये उठता है कि जब प्रीति के एसआईआर फॉर्म पूर्व में ही भरा जा चुका था तो उसके फार्म भरने को लेकर विवाद का सवाल ही नहीं उठता है। फौजी की पत्नी का कहना है कि मिथलेश उनकी चाची सास हैं। अक्सर मारपीट करती रहती है। उन्होंने सीएम से न्याय की गुहार लगाई है। वहीं एसडीएम चंद्र प्रकाश गौतम ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में है।

न्यूज ब्रीफ

मेले में आये युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

संग्रामपुर (अमेठी): प्रतापगढ़ जिले के थाना अन्तू क्षेत्र के गौराडांड निवासी राहुल पुत्र राजकुमार उम्र 35 वर्ष की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बुधवार को अपने घर गौराडाड़ से थाना संग्रामपुर क्षेत्र में लगा विशाल कालीमाई मेला देखने आते थे।और मेला देखने के बाद पुनः अमेठी-किठावर मार्ग से होते हुए घर गौराडाड़ जा रहे थे कि इसी मार्ग पर स्थित ग्रामीण बैंक शाखा मुहीबसाह के सामने इनकी मोटरसाइकिल के सामने आवारा पशु आ गया, जिससे इनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा एम्बुलेंस को सूचना दी गई एम्बुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

एसपी ने कालीमाई मेले का किया भ्रमण

संग्रामपुर (अमेठी): बुधवार को थाना संग्रामपुर क्षेत्र के लगे विशाल कालीमाई मेले का अमेठी पुलिस अधीक्षक अर्पणा रजत कौशिक ने निरीक्षण किया। सबसे पहले वे मां काली की पूजा अर्चना की उसके बाद मेले की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मेले में आये मेला दर्शकों से भी बातचीत की मेला में महिला सुरक्षा पर जोर देते हुए मनचलों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। सुरक्षा व्यवस्था ठीक-ठाक मिली विशेषरगंज चौराहे व अन्य सीसीटीवी कैमरा ठीक-ठाक चलते मिले।

फांसी लगाकर युवती ने की आत्महत्या

मुसाफिरखाना: मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के चक दोहरी गांव गुलशन ने घर के अंदर कमरे का दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। चार वर्ष पूर्व उसकी शादी हुई थी। उसका मायका फतवा रसूलपुर, ज्ञानगंज (प्रयागराज) में है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार सिंह तथा क्षेत्राधिकारी अतुल कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

18 ग्राम स्मैक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

सिंहपुर (अमेठी): थाना शिवरतनगंज पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान के दौरान बुधवार को एक अभियुक्त को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहन चेकिंग कर रही थी, तभी सिंहपुर निवासी रामकिशोर पुत्र रामफल, उम्र लगभग 35 वर्ष, को रोका गया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से 18 ग्राम स्मैक बरामद हुई। मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर थाने लाया गया। पुलिस ने बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में नशीले पदार्थों के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा।

बदमाशों ने की बुजुर्ग की पिटाई

संग्रामपुर: थाना संग्रामपुर क्षेत्र के दिग्विजय सिंह पुत्र कुमार बहादुर सिंह निवासी पूरे सूबेदार सरैया बड़गांव ने थाना संग्रामपुर में लिखित तहरीर दी कि बीती रात करीब साढ़े सात से आठ बजे दिन मंगलवार को मेरे चाचा लाल बहादुर सिंह को क्षेत्र के कंसापुर मोड़ पर पहले से झाड़ियों में बैठे विकास सिंह पुत्र लोकनाथ सिंह और रवि हरिजन पुत्र बलिकरन ने लोहे की राड व लाठी - डंडे से पिटाई कर दी जिससे इनके दोनों हाथ - पैर टूट गये घटना की जानकारी 112 फोन करके जानकारी दी मेरे चाचा को मरणासन्न स्थिति में छोड़कर बदमाश भाग गए। पीड़ित की तहरीर पर थाना संग्रामपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

चालकों की कमी से मुख्य रूटों पर बस सेवा ठप

यात्रियों की बढ़ीं मुश्किलें: बस स्टॉप पर अव्यवस्था हावी, 32 बसें हैं खड़ी जिन्हें चालू करने की मांग

केशव बाजपेयी, अमेठी

अमृत विचार। जिले के सबसे व्यस्त बस स्टॉप पर बसों की कमी और अव्यवस्था ने यात्रियों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। डिपो में चालकों की भारी कमी के कारण कई महत्वपूर्ण रूटों पर बस सेवा लगभग ठप हो गई है, जिससे दैनिक यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। गौरीगंज-तिलोई, गौरीगंज-सिंहपुर, गौरीगंज-शुकुल बाजार और गौरीगंज-रामगंज जैसे आदि मुख्य मार्गों की तरह गौरीगंज-अठेहा रूट पर भी बस सेवा बुरी तरह प्रभावित है। इस महत्वपूर्ण रूट पर वर्तमान में सिर्फ एक बस ही प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे चल रही है। डिपो में 40 बसें वर्तमान में रूटों पर चल रही हैं। 32 बसें अतिरिक्त रूप से डिपो में खड़ी हैं। जबकि बस स्टॉप पर 97 चालक और 84 परिचालक तैनात हैं।

कर्मचारियों के अभाव में अमेठी बस डिपो में खड़ीं बसें। अमृत विचार

जानकारी के मुताबिक 53 चालकों व 72 परिचालक की भी कमी के चलते कई बसें खड़ी रहती हैं। जिला मुख्यालय पर सुबह और शाम के समय बस न मिलने से कॉलेज छात्र, मजदूर, नौकरीपेशा लोग और महिलाएं घंटों बस स्टॉप पर इंतजार में खड़े रहने को मजबूर हैं। बुजुर्ग यात्रियों के लिए यह स्थिति और भी कठिन हो गई है। चालकों की कमी बनी मुख्य बाधा अमेठी डिपो में पर्याप्त संख्या में बसें होने के बावजूद, चालक न होने के कारण उन्हें रूट पर नहीं भेजा जा पा रहा है। डिपो में 32 बसें अतिरिक्त रूप से खड़ी हैं, लेकिन 53 चालकों की भारी कमी के कारण ये बसें रूटों पर नहीं चलाई जा पा रही हैं, जिससे यात्रियों को सीधे तौर पर नुकसान हो रहा है। यात्रियों की मांग है कि अठेहा समेत सभी मुख्य रूटों पर बसों की संख्या तुरंत बढ़ाई जाए और सुबह-सुबह भी बसें चलाई जाएं, ताकि 10:30 बजे के बाद भी यात्री आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

वहीं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक काशी प्रसाद ने स्वीकार किया कि जिला मुख्यालय पर बस स्टेशन न होने से यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके लिए सरकार द्वारा आसायदापुर में जमीन चिह्नित कर ली गई है, लेकिन उस जमीन के आसपास कुछ किसानों की जमीन भी आ रही है। जिसके चलते दिक्कत हो रही है। हालांकि चिह्नित जमीन को लेकर कार्यवाही जारी है, शीघ्र ही गौरीगंज मुख्यालय पर एक भव्य बस स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। इसके बाद लोगों की समस्या दूर हो जाएगी।

क्या बोले जिम्मेदार

इस संबंध में एआरएम काशी प्रसाद अमेठी डिपो ने बताया कि अठेहा रूट पर अभी एक बस ही चल रही है। जबकि चालक की कमी ही सबसे बड़ी समस्या है। उन्होंने बताया कि चालक व बसों की कमी की सारी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। उच्चाधिकारियों के दिशा-निर्देश मिलते ही रूट संचालन सामान्य कर दिया जाएगा।

नीति आयोग के निदेशक ने तत्काल सुधार के निर्देश दिए

शुकुल बाजार (अमेठी)

अमृत विचार। नीति आयोग, भारत सरकार के निदेशक मोहम्मद जुबैर अली हाशिम ने बुधवार को आकांक्षात्मक विकासखंड शुकुल बाज़ार का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों की प्रगति की गहन समीक्षा की। उनके साथ मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण से पहले विकासखंड सभागार शुकुल बाज़ार में विभागवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विकास, कृषि, स्वास्थ्य, बाल विकास एवं पुष्टाहार, जल निगम, आईटी, बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। निदेशक ने सभी आकांक्षात्मक संकेतकों की समीक्षा कर कमज़ोर बिंदुओं में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के बाद निदेशक और सीडीओ ने ग्राम पंचायत हुसैनपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं शिशुओं के अन्नप्राशन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और केंद्र पर उपलब्ध पोषण सामग्री, माप-तौल व्यवस्था तथा अभिलेखों की जांच की। इसके पश्चात कंपोजिट विद्यालय

निरीक्षण करते नीति आयोग के निदेशक।

निरीक्षण

हुसैनपुर का निरीक्षण कर उन्होंने छात्र-छात्राओं से संवाद किया और विद्यालय की स्वच्छता व हरित क्षेत्र संरक्षण की सराहना की।

निदेशक ने ग्राम पंचायत दारानगर में ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजना का निरीक्षण कर जलापूर्ति, तकनीकी व्यवस्था, जल गुणवत्ता परीक्षण और घर-घर कनेक्शन की स्थिति की समीक्षा की। इसके साथ ही आरोग्य मंदिर दारानगर का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, पंजीकरण, औषधि वितरण और मातृ-शिशु सेवाओं की जानकारी ली। वहीं संबंधित विभागों ने पात्र लाभार्थियों की सूची और योजनाओं के कवरेज की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत की। निरीक्षण कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी आदि उपस्थित रहे।

भत्ता बढ़ाने को लेकर साइकिल से ब्लॉक पहुंचे सचिव

संग्रामपुर (अमेठी)

अमृत विचार। विकासखंड संग्रामपुर में बुधवार को ग्राम सचिवों और पंचायत अधिकारियों ने वाहन (साइकिल) भत्ता बढ़ाने की मांग को लेकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। सभी अधिकारी साइकिल से ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे और वर्तमान भत्ते को अपर्याप्त बताते हुए इसे बढ़ाने की मांग उठाई।

आक्रोशित ग्राम सचिवों का कहना है कि क्षेत्र भ्रमण के लिए उन्हें आज भी मात्र 200 साइकिल भत्ता मिलता है, जबकि आधुनिक समय में उन्हें ब्लॉक से दूर-दूर स्थित गांवों तक पहुंचना पड़ता है। इसके साथ ही उन्हें स्मार्टफोन और डिजिटल उपकरणों का उपयोग भी करना होता है। जिससे कार्यभार और यात्रा दूरी दोनों बढ़ गई हैं, लेकिन भत्ता वर्षों से बढ़ाया नहीं गया है। ग्राम विकास अधिकारी संगठन संग्रामपुर के अध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि प्रादेशिक संगठन के निर्देश पर पूरे प्रदेश में यह सांकेतिक आंदोलन

भत्ता बढ़ाने को लेकर विरोध में साइकिल से पहुंचे सचिव। अमृत विचार

आक्रोश

चलाया जा रहा है। उनकी मांग है कि आज की जरूरतों और बढ़ी हुई दूरी को देखते हुए वाहन भत्ता बढ़ाया जाए, ताकि ग्राम सचिव बिना आर्थिक दबाव के बेहतर तरीके से अपना काम कर सकें। आज के इस आंदोलन में साइकिल से ब्लॉक पहुँचने वालों में सहायक विकास अधिकारी पंचायत संग्रामपुर लाल शशिकांत सिंह, मिथिलेश यादव, मिथिलेश यादव द्वितीय, सुनील कुमार प्रथम, सुनील कुमार द्वितीय, राधेश्याम सिंह, दीपक कुमार सहित कई ग्राम सचिव एवं पंचायत अधिकारी शामिल रहे।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में सचिव ने साइकिल से यात्रा की, अमेठी: जिले में सरकार की नई व्यवस्था ब्लॉक मुख्यालय पर ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में बुधवार को ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों ने अपना काम साइकिल से शुरू किया। सुबह-सुबह ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे और वहां से गांव के लिए रवाना हुए। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी विपिन तिवारी ने बताया कि जब तक वाहन सुविधा नहीं मिलती, ऑनलाइन हाजिरी के बाद गांव तक पहुंचने में खूब समय लग रहा है। बोले साइकिल से जाते-जाते आधा दिन निकल जाता है, फिर गांव में काम कौन करेगा इस बीच ग्रामीण भी पूरे दिन परेशान दिखे। किसी का जन्म प्रमाणपत्र अटका, तो किसी की शिकायत सुनने वाला नहीं मिला। अधिकारियों का कहना है कि ऑनलाइन हाजिरी ब्लॉक पर लगाना और फिर गांव जाना, दोनों एक साथ करना मुश्किल है। निजी वाहन से रोज आना-जाना उनकी जेब पर भारी पड़ रहा है। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी तथा ग्राम विकास अधिकारी संयुक्त मोर्चा ने साफ किया कि जब तक व्यवस्था नहीं सुधरेगी, साइकिल से ही जाना पड़ेगा और इसका असर सीधे गांव के कामकाज पर पड़ेगा।

ब्लॉक मुख्यालय से साइकिल चलाकर गांव को लौटते ग्राम पंचायत विकास अधिकारी विपिन तिवारी ने बताया कि ब्लॉक पर ऑनलाइन हाजिरी लगाकर गांव जाना बहुत मुश्किल हो रहा है। वाहन सुविधा न होने से समय भी लग रहा है और काम भी अटक रहा है। केंद्र व प्रदेश सरकार इस पर जल्द फैसला ले ताकि ग्रामीणों को दिक्कत न हो।

स्कूल से घर लौटते समय छात्र पर हमला

अमेठी। स्कूल से बुधवार शाम को घर लौट रहे श्री रणवीर इंटर कॉलेज रामनगर के 15 वर्षीय छात्र शिवांग ओझा पर रामनाथपुर के पास नकाबपोश युवकों ने अचानक हमला बोल दिया। पिता प्रहलाद राज ओझा के मुताबिक, शिवांग जब स्कूल से घर लौट रहा था , तभी दो बाईकों पर सवार 6 से 7 लोगों ने उसे घेरकर लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। हमले में उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। शिवांग ने बताया कि हमलावरों में एक युवक उसके स्कूल का छात्र है, लेकिन वह नाम नहीं पहचानता। उसकी चीख सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सूचना पर थाना प्रभारी रवि कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ पहुंचे और घायल को अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रवि कुमार सिंह ने कहा तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है।

एक-दूसरे के हो गए शहरुन खान और मोनू

मंदिर में मौजूद नवदंपति।

अमेठी, अमृत विचार। मुसाफिरखाना की रहने वाली शहरुन खान ने सुल्तानपुर निवासी मोनू पासी संग नया जीवन शुरू किया है। शहरुन ने अपने फैसले को स्वीकार करते हुए साथ निभाने की बात कही और आगे मोनू पासी के साथ जीवन निभाने की इच्छा जताई। पूरे घटनाक्रम पर क्षेत्र में चर्चा जरूर है पर माहौल सामान्य बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, दोनों ने पहले न्यायालय में वैवाहिक प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद वे गंगा स्नान के लिए गए इसी क्रम में गौरीगंज स्थित सागर आश्रम में हुए अनुष्ठान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में आश्रम परिसर में वैवाहिक विधि और पीठाधीश्वर मोनी स्वामी की मौजूदगी दिखाई देती है। हालांकि अमृत विचार वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। आश्रम में मौजूद लोगों के अनुसार, वैवाहिक प्रक्रिया शांतिपूर्वक पूरी हुई। नवदंपति ने अनुष्ठान व शादी के बाद पीठाधीश्वर से आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वामी ने उन्हें संयम, सम्मान और समझ के साथ वैवाहिक जीवन आगे बढ़ाने की सीख दी। स्थानीय लोगों ने इस विवाह को दोनों का व्यक्तिगत निर्णय मानते हुए सामान्य प्रतिक्रिया दी। क्षेत्र में किसी प्रकार की असामान्य स्थिति नहीं दिखी। वहीं लोगों का कहना था कि जीवन से जुड़े निर्णय व्यक्ति स्वयं तय करता है और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखना आवश्यक है।

पंचायत सचिवों ने निकाला साइकिल मार्च

साइकिल मार्च निकालकर विरोध जताते सचिव। अमृत विचार

प्रतापगढ़, अमृत विचार। ग्राम पंचायत सचिवों ने बुधवार को साइकिल मार्च निकाल कर शासन की कार्य प्रणाली के प्रति नाराजगी जताई। लालगंज ब्लॉक मुख्यालय पर एकजुट हुए ग्राम पंचायत सचिवों ने नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया। लालगंज से जनपद मुख्यालय के लिए सामूहिक रूप से साइकिल मार्च किया। ग्राम पंचायत सचिवों ने एक स्वर से कहा कि शासन द्वारा इन्हें साइकिल भत्ता ही प्रदान किया जाता है। ऐसे में ग्राम पंचायत सचिवों ने बाइक से भ्रमण न कर साइकिल से सरकारी कामकाज निपटाने का निर्णय लिया है। सचिवो का कहना है कि मंहगाई के दौर में साइकिल भत्ता दिया जाना पूरी तरह अव्यवहारिक है। साइकिल मार्च में ग्राम पंचायत सचिव अक्षय प्रताप सिंह, आलाराम मौर्य, शोभनाथ, प्रभात मिश्र, विपिन सिंह, रेनू यादव, धर्मेन्द्र पटेल आदि शामिल रहे।

प्रो. पीयूष बने इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय महासचिव

प्रो. पीयूष कांत।

प्रतापगढ़, अमृत विचार। शहर के एमडीपीजी कॉलेज में प्राचीन इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष कांत शर्मा को समालखा,पानीपत, हरियाणा में आयोजित अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के त्रयोदश राष्ट्रीय महाधिवेशन में इतिहास संकलन समिति काशी के प्रांतीय महासचिव का दायित्व दिया गया है। इतिहास संकलन समिति राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ विचार परिवार का संगठन है। यह देश भर के विभिन्न प्रान्तों में विद्वानों के माध्यम से सत्यान्वेषी, भारतीय चैतन्य के प्रकाश में इतिहास लेखन करने और जनमानस को उससे जोड़ने का कार्य करता है। प्रोफेसर शर्मा के इस दायित्व ग्रहण पर उदयभानु सिंह,गोविन्द खण्डेलवाल, अश्विनी केसरवानी,गिरिजा शंकर मिश्र,संजीव आहूजा,शिशिर खरे, श्री नारायण शुक्ल,शरद केसरवानी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

सड़क दुर्घटना में घायल शिक्षक की इलाज के दौरान मौत

तिलोई (अमेठी)

अमृत विचार। बीते शनिवार के दिन शाम को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिनका लखनऊ में निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। बीती रात इलाज के दौरान मौत हो गई। बृजेश कुमार की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

बृजेश कुमार की फाइल फोटो।

जानकारी के अनुसार मोहनगंज थानाक्षेत्र के अंतर्गत तिलोई कस्बा निवासी बृजेश कुमार विश्वकर्मा (40) गांव विराज के शिव विद्यापीठ विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। बीते दिन शनिवार की शाम को बाइक से घरेलू कार्य से बाजार आए थे तभी नारायणगंज तिराहे पर सामने से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात वाहन से उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सूचना पर पहुंचे परिजन ने घायल अवस्था में इलाज हेतु जिला अस्पताल तिलोई लेकर गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। जबकि परिजनों ने उन्हें लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज चल रहा था। जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सड़क हादसे की आशंका में युवक से मारपीट, कार में तोड़फोड़, जामो (अमेठी): जामों के रामशाह पुर गांव में मंगलवार रात सड़क दुर्घटना की आशंका को लेकर एक युवक के साथ मारपीट और उसकी कार में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। स्कॉर्पियो और बाइकों पर सवार कुछ लोग युवक के घर तक पहुंचे और अंदर घुसकर उसकी पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सीसीटीवी में कैद हुआ है और सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, रात में एक किशोर किसी वाहन की चपेट में आकर घायल हो गया। उसी समय एक कार को वहां से गुजरते देखा गया, जिसके बाद कुछ लोग कार का पीछा करते हुए पीड़ित युवक के घर पहुंचे। घर में घुसकर मारपीट के बाद उन्होंने चार पहिया वाहन में भी तोड़फोड़ की।

सिटी डायरी

रामलीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

राम वन गमन देख भावुक हुए लोग

शिवगढ़ (रायबरेली)। क्षेत्र के भैरमपुर मजरे बैंती स्थित प्रसिद्ध संकट मोचन मंदिर में आयोजित बजरंगबली दो दिवसीय ऐतिहासिक मेला सम्पन्न हो गया। मेले में पहले दिन की अपेक्षा दूसरे दिन ज्यादा भीड़ रही। हर बार की तरह मेले में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। मेले में आयोजित रामलीला में रामलीला पार्टी पूरे लोदई, भिलवल-बाराबंकी के कलाकारों ने कैकेई कोप, राम वन गमन, राम- केवट संवाद प्रसंग का देख लोग भावुक हो गए। केवट विनम्रता से कहता है प्रभु! मुझ गरीब की नाव ही मेरा सब कुछ है। सुना है आपके चरणों के स्पर्श से एक पत्थर भी स्त्री बन गया था। अगर मेरी नाव को भी स्पर्श हो गया तो वह भी रूप बदल लेगी। कार्यक्रम मेला प्रबंधक रामखेलावन यादव के नेतृत्व में मेला कमेटी एवं ग्रामीणों के सहयोग से किया गया। उन्होंने बताया कि मेले एवं विशाल भण्डारे में हर साल बैंगलोर के सेठ सूरज भवन सोमाली,राजेन्द्र कुमार ,पवन कुमार मोडरा नोहर राजस्थान का विशेष योगदान रहता है।

आक्रोशित व्यापारियों को समझाती पुलिस।

व्यापारियों ने किया सड़क जाम

जगतपुर (रायबरेली)। थाना क्षेत्र के विश्वनाथगंज तिराहे पर मेडिकल स्टोर संचालक से पांच अराजक तत्वों ने मारपीट की। इससे नाराज व्यापारियों ने जगतपुर-डलमऊ मार्ग जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। बुधवार को विश्वनाथगंज तिराहे पर दुर्गेश सिंह निवासी कुतुपुर की मेडिकल की दुकान पर पांच अराजक तत्वों ने मिलकर दुकानदार को जमकर पीटा व दुकान में तोड़फोड़ की दुकान का काउंटर व सामान तोड़ डाला। इसके बाद अराजक तत्व भाग गए। घटना के बाद गुस्साए व्यापारियों ने जगतपुर-डलमऊ मार्ग को जाम कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने व्यापारियों को समझा बूझाकर किसी तरह जाम खुलवाया। इस दौरान करीब एक घंटे तक सड़क पर जाम लगा रहा। पीड़ित दुकानदार ने पांच लोगों को नामजद करते हुए थाने में तहरीर दी है।

भागवत कथा सुनाते संतोष जी महाराज।

भागवत कथा का हुआ आयोजन

सिंहपुर (अमेठी)। ब्लॉक तिलोई क्षेत्र की ग्राम पंचायत गड़ेहरी रामपुर में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष संतोष तिवारी के आवास पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास आचार्य संतोष जी महाराज ने कहा कि भगवान की आराधना करने से व्यक्ति में अंदर अभिमान का समावेश नहीं होता है। कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि एक बार देवराज इन्द्र को अभिमान हो गया था। इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण ने एक लीला रची थी। यहां वीरेंद्र तिवारी, हेमेंद्र प्रताप सिंह, आनंद सिंह, सज्जन अवस्थी, अजय सिंह, कामता दीक्षित, हरिशंकर सिंह, संजय उपाध्याय, अश्वनी पाठक, आलोक सिंह, संतलाल तिवारी, हरपाल सिंह रहे।

फुटबॉल मैच | बैसवारा इंटर कॉलेज के खेल मैदान में 69 वें सूबेदार एवं लाल साहब स्मारक राज स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

टूर्नामेंट में टाउन क्लब और सुदर्शन क्लब को मिली जीत

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। फुटबॉल दुनिया का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है। देश में खेलों के विकास के प्रति भारत सरकार विशेष ध्यान दे रही है। शिक्षा के साथ खेल के उन्नयन में योगदान बैसवारा एजुकेशन ट्रस्ट का सराहनीय कार्य है। बैसवारा इंटर कॉलेज के खेल मैदान में 69 वें सूबेदार एवं लाल साहब स्मारक राज स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए स्नातक एमएलसी अवनीश प्रताप सिंह और पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने यह विचार व्यक्त किया। उद्घाटन मैच सुदर्शन क्लब लालगंज एवं मेजबान बैसवारा एजुकेशन ट्रस्ट के मध्य खेला गया। 15 वें मिनट में सुदर्शन क्लब के खिलाड़ी रामू ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। मध्यांतर के बाद के खेल में 65 मिनट में सुदर्शन क्लब के खिलाड़ी रामू ने दूसरा गोल कर बढ़त 2-0 करते टीम को जीत दिला दिया।

दूसरा मैच टाउन क्लब लालगंज एवं डीएफए रायबरेली के मध्य खेला गया। मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी मिथिलेश कुमार त्रिपाठी और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंधक सुरेश कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके खेल की शुरुआत की। खेल के 25 मिनट में टाउन क्लब के खिलाड़ी विशाल भारती ने पहला गोल किया। मध्यांतर के बाद 48वे मिनट में डी रेखा के अंदर टाउन क्लब के रक्षक के हाथों में गेंद टकराने से रायबरेली को पेनल्टी शूट मिली। इसे रायबरेली के खिलाड़ी रजत शर्मा ने गोल में तब्दील करके बराबरी कर ली। खेल के 58वे मिनट में टाउन क्लब लालगंज के खिलाड़ी सुधांशु यादव ने फील्ड गोल करके टीम की बढ़त 2-1 करते टीम को जीत दिला दिया। इस मौके पर टूर्नामेंट सचिव राजेंद्र कुमार सिंह रज्जू भैया, समन्वयक ब्रह्म प्रकाश सिंह, संयोजक डॉ नरेंद्र बहादुर सिंह, डॉ निरंजन राय प्रो. अरुण कुमार सिंह मुन्ना भैया, राजेंद्र राठौड़, उग्रसेन सिंह, सोमेश सिंह, दीपक सिंह, राम बहादुर सिंह आदि मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह का संचालन वीरेंद्र कुमार शुक्ला ने किया।

वार्षिक खेलकूद में ओवरआल चैंपियन बना विक्रमशिला हाउस

विजेता छात्र को पुरस्कृत करते अतिथि।

सरेनी (रायबरेली), अमृत विचार। बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें जूनियर और सीनियर वर्ग के बच्चों ने एथलेटिक्स, टीम गेम्स और विभिन्न प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रतिभा और जोश ने मैदान को रोमांच से भर दिया। प्रतियोगिता में विक्रमशिला हाउस ओवरऑल चैंपियन रहा। मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के प्रबंध निदेशक सुनील सिंह ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के प्रबंधक शांतनु सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन, शिक्षा और खेल के संतुलन का महत्व समझाया और बच्चों को निरंतर प्रगति हेतु प्रेरित किया। प्रधानाचार्या स्वाति सिंह, खेल शिक्षक ओम शिव, धीरज, शिवम सिंह आदि ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

प्रतिभागी बच्चों को ट्रैकशूट वितरण करते मुख्य अतिथि मुन्ना सिंह। अमृत विचार

शिक्षा व खेल महत्वपूर्ण

तिलोई (अमेठी)। ब्लाक तिलोई क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय छवहिया में बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तिलोई के ब्लॉक प्रमुख कृष्ण कुमार (मुन्ना सिंह) ने फीता काट कर खेल का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने सभी बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखकर सभी बच्चों को ट्रैकशूट वितरित किया। कार्यक्रम में रमाकान्त मौर्य, प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय जायसवाल, शिक्षिका स्वांती सिंह, साधना मिश्रा, धीरेन्द्र प्रताप सिंह प्रदेश, संतोष तिवारी, कामता प्रसाद दीक्षित, संतोष शुक्ला व सैकड़ों अभिभावक उपस्थित रहे।

अमृत विचार

गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

कलयुग में रहना है या सतयुग में, यह तो स्वयं चुनो,
तुम्हारा युग तुम्हारे पास है।
–विनोबा भावे, संत

जनापेक्षा की अभिव्यक्ति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कथन कि 'व्यवस्था को दुरुस्त करने की प्रक्रिया में जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए'- दरअसल आम नागरिक की अपेक्षाओं की सच्ची अभिव्यक्ति है। सुधारों की गति तेज तो हुई है, परंतु कई सुधारों ने नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ और असुविधा भी थोपी है। ऐसे में प्रधानमंत्री की यह स्वीकारोक्ति शासन की संवेदनशीलता और नागरिक-केंद्रित प्रशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का साफ संकेत है। सिस्टम में सुधार के नाम पर जनता को परेशान नहीं करना, एक व्यवहारिक दृष्टिकोण है, पर इसे लागू करना आसान नहीं है।

भारतीय प्रशासनिक ढांचा अभी भी जटिल प्रक्रियाओं, फाइल संस्कृति और 'अनावश्यक अनुपालन' से आबद्ध है। इस कथन को लागू करने के लिए सबसे पहले सरकारी मशीनरी की मानसिकता बदलनी होगी, जहां सुधार का अर्थ सिर्फ सख्ती नहीं, बल्कि दक्षता, पारदर्शिता और सहूलियत के रूप में समझा जाए। प्रधानमंत्री की चाहत है 'पेनलेस सर्जरी।' यानी विसंगतियों से राहत बिना दर्द के, पर वास्तविकता यह है कि प्रशासनिक सुधार अक्सर दो स्तरों पर दर्द पैदा करते हैं- एक, नागरिकों के लिए प्रक्रियागत बोझ, दूसरा सरकारी तंत्र के लिए पुरानी आदतें बदलने की चुनौती। यदि सरकार इन दोनों मोर्चों पर समन्वय बिठा सके, तभी यह 'दर्द रहित' शल्य चिकित्सा संभव होगी। कानून का उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, नागरिकों को सुरक्षा देना है। यदि इसी भावना के साथ बिना राजनीतिक पक्षपात और बिना जन-दुःख के नियम कानून लागू हों, तो निश्चित ही यह टिप्पणी व्यवस्था को अधिक मानवीय बनाने की दिशा में संकेत देती है। प्रधानमंत्री ने बार-बार डेटा जमा करने की बाध्यता को खत्म करने की बात कही है। डिजिटल भारत के इस दौर में यह पूर्णतः संभव है, क्योंकि आधार, पैन, बैंक केवाईसी और विभिन्न सरकारी डेटाबेस पहले से ही नागरिकों की अधिकांश जानकारी को केंद्रीकृत रूप से उपलब्ध कराते हैं। फिर भी एसआईआर जैसे सरकारी उपक्रमों में बार-बार वही कागज़ात मांगे जाना बताता है कि डिजिटल ढांचा भले विकसित हो गया हो, पर सरकारी तंत्र की प्रक्रियाएं अभी डिजिटल सोच को आत्मसात नहीं कर पाई हैं। इस संस्कृति में सुधार के बिना इन घोषणाओं का असर सीमित रहेगा। सरकार द्वारा सेल्फ-सर्टिफिकेशन को स्वीकार करने के बावजूद कई विभाग अब भी कागजी सत्यापन और अनावश्यक औपचारिकताएं जारी रखे हैं। इससे साफ है कि जमीनी स्तर पर अनुपालन तंत्र अभी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार नहीं।

ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस और ईज ऑफ लिविंग के क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण प्रगति जरूर हुई है। ऑनलाइन सेवाएं बढ़ीं, पासपोर्ट-ड्राइविंग लाइसेंस जैसी सेवाएं सरल हुईं, कई अनुमतियों को स्वचालित किया गया, लेकिन नागरिकों को आज भी टैक्स, नगर निकाय, राजस्व विभाग, पुलिस सत्यापन और कल्याण योजनाओं में अनावश्यक चक्कर लगाने पड़ते हैं। प्रधानमंत्री की यह घोषणा तभी सार्थक होगी जब सभी विभागों में 'वन-टाइम डेटा सबमिशन' प्रणाली लागू हो। कागजी फाइलों की जगह डिजिटल फार्म लें और कानून प्रवर्तन पारदर्शी तथा मानवीय हो।

प्रसंगवश

राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है वंदेमातरम

'वंदे मातरम' भारत की भारतीयता और राष्ट्रीय पहचान का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जो मातृभूमि के प्रति भक्ति, एकता, स्वतंत्रता संग्राम की भावना और सांस्कृतिक गौरव को दर्शाता है। यह एक ऐतिहासिक गीत है और यह हर भारतीय के दिल में राष्ट्र प्रेम का गहरा भाव जगाता है, जो भारत के स्वर्णिम भविष्य का आह्वान भी करता है। 'वंदे मातरम्' भारतीय संस्कृति और राष्ट्रवाद का सार है, जो मातृभूमि के प्रति असीम प्रेम, सांस्कृतिक गौरव और एकता की भावना को दर्शाता है, जिसे बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने रचा और यह स्वतंत्रता आंदोलन का एक शक्तिशाली मंत्र बन गया, जो हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति का 'रस' भरता है। यह गीत भारत की भूमि, उसकी सुंदरता (सुजलां सुफलां) और शक्ति का वर्णन करता है, जिसे राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' के समान सम्मान प्राप्त है और यह भारत की आत्मा का प्रतीक है।

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

यह सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पहली उद्घोषणा है, जिसने भारत को एक भू-सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में परिभाषित किया। इसने स्वतंत्रता सेनानियों को प्रेरित किया और आज भी 'विकसित भारत' के संकल्प में प्रेरणा देता है। यह मातृभूमि को शक्ति, दिव्यता और समृद्धि का प्रतीक मानता है, जिसमें चंदन सी शीतलता और सुस्वादु फल है। यह भारत की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है, जो हर भारतीय में गर्व और समर्पण का भाव जगाता है।

इस गीत ने प्रतिरोध की भावना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन दो शब्दों के उच्चारण मात्र से ही असंख्य भारतीयों के हृदय में हलचल मच गई, जिससे लाखों लोग राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने और हज़ारों लोगों को अपने प्राणों की आहुति देने के लिए प्रेरित हुए। यद्यपि 'जन गण मन' राष्ट्रगान है, फिर भी 'वंदे मातरम' ने लोगों के हृदय में अधिक गहराई से जगह बनाई। 'वंदे मातरम' केवल मातृभूमि के प्रति अभिवादन का प्रतीक नहीं है, बल्कि राष्ट्र के प्रति त्याग, साहस और सर्वोच्च प्रेम की भावना का भी प्रतीक है। इसके अमूल्य योगदान को स्वीकार करते हुए, 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान के समान दर्जा दिया। अलगाववादियों ने इसे बंगाल का गीत बताया, जबकि बंकिमचंद्र ने खुद स्पष्ट किया था कि माता बंगाल नहीं, भारत है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1882 में आनंदमठ का दूसरा संस्करण प्रकाशित करते समय प्रस्तावना में लिखा, 'यह समस्त भारतवर्ष की माता के लिए लिखा गया है।' (स्रोतः आनंदमठ, 1882 संस्करण, पृष्ठ 4-5)

बंकिम ने 'सप्तकोटि' काव्य अलंकार के लिए लिखा, जैसे वेदों में सहस्रशीर्ष लिखा जाता है, न कि सटीक गिनती के लिए)। श्री अरविंद ने 1907 में लिखा था, 'बंकिम ने बंगाल को भारत का प्रतीक बनाया है। जिस तरह गीता में कृष्ण अर्जुन के माध्यम से समस्त मानवता को उपदेश देते हैं, उसी तरह बंकिम ने बंगाल के माध्यम से समस्त भारत को जागृत किया।' (वंदे मातरम् अखबार, 11 अप्रैल 1907)। रवींद्रनाथ ने 1917 में Nationalism पुस्तक में लिखा, 'बंकिम की माता बंगाल की नहीं, संपूर्ण भारत की माता हैं। वह हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक फैली हुई है।' नेताजी ने 1943 में सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार बनाई और पूरे छह छंद वाले मूल 'वंदे मातरम' को ही राष्ट्रगान घोषित किया। वहां बंगाली, तमिल, पंजाबी, मराठी, मलयाली सब सैनिक एक साथ पूरे गीत को गाते थे।

पश्चिम बंगाल में नई सियासत की आहट!

शक्ति प्रकाश श्रीवास्तव
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल में बीते दो दिनों में हुए दो आयोजनों ने सियासी गलियारे में हलचल मचा दी है। पहला आयोजन छः दिसंबर को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के रूप में हुआ, जबकि दूसरा आयोजन अगले ही दिन ऐतिहासिक ब्रिगेड मैदान में रिकार्ड तोड़ जमावड़े के बीच सामूहिक गीता पाठ के रूप में हुआ। अब इन आयोजनों को लेकर सियासत होने की उठी चर्चा के भी अपने वाजिब कारण हैं।

मसलन पश्चिम बंगाल में अगले साल के मध्य में विधानसभा का चुनाव है। कुछ दशकों से वहां तृणमूल कांग्रेस की सरकार है। केंद्र में सत्तासीन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए की लगातार कोशिश है कि वहां की सत्ता उसे मिल जाए, लेकिन ऐसा पिछले चुनावों में संभव नहीं हो सका है। ऐसे में जब शांत चल रहे प्रदेश में अचानक इस तरह की दो बड़ी गतिविधियां हों, तो उसके पीछे सियासी समीकरण होने का शक लाजिमी है।

पहला आयोजन अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की तिथि यानी छः दिसंबर को हुआ। इसका आयोजन तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित किए गए विधायक हुमायूं कबीर ने किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी के नाम से मस्जिद की नींव रखी। तिथि का भी चयन ऐसा किया, जिस दिन अयोध्या में गिराए गए विवादित ढांचे को 33 साल पूरे हुए थे। अयोध्या के उस विवादित ढांचे को मुस्लिम समुदाय बाबरी मस्जिद बताता रहा है, हालांकि इस मस्जिद निर्माण के पीछे कबीर की मंशा जो भी हो, लेकिन देश के मुस्लिम समाज ने इसे उचित नहीं माना है।

ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी मौलाना यासूब अब्बास ने मस्जिद की नींव रखे जाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा है कि बाबर के नाम पर मस्जिद बनाकर भारत में नए विवाद को जन्म दिया जा रहा है। बाबरी मस्जिद विवाद पर मौलाना ने कहा कि यह दुख की बात है कि बाबरी मस्जिद के नाम पर देश में नया बवाल खड़ा किया जा रहा है। चाहे पश्चिम बंगाल हो, उत्तर प्रदेश हो, बिहार हो, पंजाब हो या कश्मीर, किसी भी राज्य में बाबर के नाम पर मस्जिद बर्दाश्त नहीं है।

उनके मुताबिक मस्जिदों का नाम अल्लाह, पैगंबर या इमामों के नाम पर होना चाहिए न कि बाबर, अकबर या औरंगजेब के नाम पर। इस तरह मस्जिद का नामकरण करना गलत है। उन्होंने मांग उठाई कि हुमायूं कबीर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि इस तरह देश को दोबारा फसाद की आग में झोंकना सही नहीं है।

इस आयोजन से इतर दूसरे ही दिन, बंगाल के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक भव्य सामूहिक गीता पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सनातन संस्कृति संसद नामक संस्था द्वारा इस ऐतिहासिक मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग पांच लाख लोगों ने सस्वर गीता पाठ किया। आम लोगों तक सनातन धर्म की मूल भावना और गीता के सार्वभौमिक संदेशों को पहुंचाने की नीयत से आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना हर तरफ हो रही है।

ऐसा नहीं है कि यह आयोजन पहली बार हुआ है। इसकी शुरुआत 2022 में ही हुई थी। तब पहली बार लगभग पांच हजार लोगों ने गीता पाठ किया था। अलबत्ता ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सामूहिक गीता पाठ कार्यक्रम का आयोजन 24 दिसंबर 2023 को पहली बार हुआ था। तब इस आयोजन में लगभग एक लाख लोग सहभागी रहे थे।

इस बार के कार्यक्रम में देश के कई चर्चित संतों ने भी हिस्सा लिया। इन संतों ने उपस्थित धर्मावलंबियों को संबोधित भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए देशवासियों से अपील की।

उन्होंने कहा कि हिंदू अगर एक हो जाएं तो भारत को हिंदू राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने यह भी कहा कि ये देश बाबर का नहीं, रघुवर का है। हिंदुओं को एक होकर गांव-गांव में भगवा लहराना होगा। हम बहुत जल्दी कथा करने बंगाल आएंगे। अपनी विशिष्ट शैली में उन्होंने कहा कि अगली बार बंगाल में कथा के दौरान धर्म विरोधियों की ठठरी बांध देंगे। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत बांग्ला भाषा में की।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पद्मभूषण साध्वी ऋतंभरा और बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री मौजूद रहे। अतिविशिष्ट अतिथियों में बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी सहित बीजेपी के कई सांसद, विधायक आदि उपस्थित रहे।

बेशक इन दोनों ही आयोजनों से सीधे तौर पर किसी सियासी समीकरण का जुड़ाव होना प्रमाणित नहीं हो रहा है, लेकिन अचानक से तीन दशक बाद एक चर्चित मुद्दे से संबंधित आयोजन का होना और अगले ही दिन दूसरे धर्म विशेष से जुड़े कार्यक्रम का आयोजन सियासी कड़ियां जोड़ने को मजबूर करता है। संभव है कि वास्तव में ऐसा कुछ भी न हो, लेकिन स्थान-काल-पात्र ऐसा सोचने-समझने को बाध्य करता है, क्योंकि पहले आयोजन के कर्ता-धर्ता का सियासी जुड़ाव होना और दूसरे आयोजन में सियासी हस्तियों की मौजूदगी, इसका एहसास करा रही हैं।

> पश्चिम बंगाल में बीते दो दिनों में हुए दो आयोजनों ने हलचल मचा दी है। इन आयोजनों को लेकर सियासत होने की उठी चर्चा के भी अपने वाजिब कारण हैं।

आमने

देखिए, प्याज बागबानी का मामला है। फिर भी कृषि मंत्री होने के नाते मैं कह रहा हूं कि प्याज की सप्लाई अच्छी रही है, इसलिए वे फेंक रहे हैं। कांग्रेस शासन के दौरान प्याज नहीं था। किसानों को पानी नहीं मिलता था, इसलिए प्याज ज्यादा नहीं होता था।

–एदल सिंह कंषाना
कृषि मंत्री, मध्य प्रदेश

सामने

कंषाना का यह बयान किसानों के साथ धोखा है। यह किसानों का अपमान है। सरकार की गलत नीतियों के कारण उन्हें प्याज फेंकने पर मजबूर होना पड़ रहा है। सत्ताधारी भाजपा के नेताओं की कथित जिद और घमंड पार्टी को खत्म कर देगा और किसान सही समय पर उन्हें सबक सिखाएंगे। **–जीतू पटवारी**
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, मप्र

धर्मांतरण बाद आरक्षण लाभ संवैधानिक धोखा

डॉ. चंद्र गोपाल पांडेय
स्वतंत्र पत्रकार

हिंदू से ईसाई बनने पर आरक्षण प्रदत्त सुविधा से वंचित रहना पड़ सकता है। हिंदू समाज जाति आधारित विभेद से प्रभावित था। इस विभेद को समाप्त करने व आर्थिक-सामाजिक उन्नयन के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 बना। इधर देश में सक्रिय ईसाई मिशनरियों ने विभिन्न प्रलोभनों के साथ ही यह बताकर धर्मांतरण का खेल शुरू किया कि उनके मत/धर्म में जाति आधारित व्यवस्था न होने के कारण कोई जातिगत विभेद नही है। संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 ने भी स्पष्ट कर दिया है कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म से इतर धर्म के अनुयायी अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं रहेंगे, फिर भी छुटपुट धर्मांतरण की आहट मिलती रहती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कई निर्णयों में पहले ही कहा है कि ईसाई धर्म स्वीकार करने वाले अनुसूचित जाति के सदस्य कोई सुविधा नही ले सकते हैं। जितेंद्र साहनी मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हालिया फैसले ने इस विषय पर एक विधिक विमर्श की शुरुआत कर दी है, हालांकि यह कोई नया निर्णय नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय पिछले वर्ष ही इसे 'संविधान के साथ धोखाधड़ी' बता चुका है। संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश-1950 के प्रस्तर 3 में स्पष्टतया कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म से अलग धर्म मानता है, उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता।

सर्वोच्च न्यायालय ने सी सेल्वारानी बनाम स्पेशल सेक्रेट्री-कम-जिला कलेक्टर व अन्य (2024 एससीसी ऑनलाइन एससी 3470) 930 में अभिनिर्धारित कर चुका है कि ईसाई धर्म अपनाने पर कोई भी व्यक्ति अपनी मूल जाति का नहीं रहता है। इसी निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि सिर्फ लाभ लेने के उद्देश्य से धर्म बदलना संविधान के साथ धोखा है और आरक्षण नीति के सिद्धांतों के खिलाफ है।

सी सेल्वारानी (पूर्वोक्त) निर्णय के पैरा-15 का मूलपाठ इस तरह है '15-... भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद के धर्म का पालन करने और उसे मानने का अधिकार है। कोई व्यक्ति किसी अन्य धर्म में तभी धर्मांतरित होता है, जब वह उसके सिद्धांतों और आध्यात्मिक विचारों से वास्तव में प्रेरित होता है, यदि धर्मांतरण का उद्देश्य मुख्यतः आरक्षण का लाभ प्राप्त करना है, लेकिन दूसरे धर्म में कोई वास्तविक विश्वास नहीं है, तो इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि ऐसे गुप्त उद्देश्य वाले लोगों को आरक्षण का लाभ देना आरक्षण नीति के सामाजिक मूल्यों को ही नष्ट करेगा। इस मामले में, प्रस्तुत साक्ष्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म को मानती है और नियमित रूप से चर्च जाकर इस धर्म का सक्रिय रूप से पालन करती है। इसके बावजूद, वह हिंदू होने का दावा करती है और रोजगार के उद्देश्य से अनुसूचित जाति समुदाय का प्रमाण पत्र चाहती है। उसका ऐसा दोहरा दावा अस्वीकार्य है और वह बपतिस्मा के बाद भी स्वयं को हिंदू के रूप में पहचान जारी नहीं रख सकती। इसलिए, अपीलकर्ता को अनुसूचित जाति का सांप्रदायिक दर्जा प्रदान करना, जो धर्म से ईसाई है, लेकिन रोजगार में आरक्षण का लाभ उठाने के उद्देश्य से अभी भी हिंदू धर्म अपनाने का दावा करती है, आरक्षण के मूल उद्देश्य के खिलाफ होगा और संविधान के साथ धोखाधड़ी होगी।'

ऐसा नहीं है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार 26 नवंबर 2025 को पूर्वोक्त मामले में इस विषय पर अपना मत व्यक्त किया है। सर्वोच्च न्यायालय सुसाइ व अन्य बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया व अन्य (एआईआर 1986 एससी 733) और केपी मनु बनाम चेयरमैन स्क्रूटिनी कमेटी (2015) 4 एससीसी-1 मामले में भी अभिनिर्धारित कर चुका है कि अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए संविधान में प्रदत्त सुविधाओं का लाभ इस जाति के वह सदस्य नहीं ले सकते, जिन्होंने धर्मांतरण कर हिंदू धर्म से ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया है।

प्रश्नगत निर्णय में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरी ने सर्वोच्च न्यायालय के सी सेल्वारानी व अन्य निर्णयों (पूर्वोक्त) का आधार लिया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के संपूर्ण प्रशासनिक मशीनरी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में ईसाई बने लोग अनुसूचित जातियों का लाभ लेना जारी न रखें। धर्मांतरण के बाद अनुसूचित जाति का स्टेटस बनाए रखना 'संविधान के साथ धोखाधड़ी' है। उच्च न्यायालय ने राज्य के सभी जिला मजिस्ट्रेट को विधिसम्मत तरीके से ऐसे मामलों की पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए चार माह की कड़ी समय सीमा (डेडलाइन) तय की है।

उच्च न्यायालय ने मंत्रिमंडल सचिव (कैबिनेट सेक्रेटरी) भारत सरकार, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/अपर प्रमुख सचिव अल्पसंख्यक कल्याण और अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण उत्तर प्रदेश को भी निर्देशित किया है कि इस निर्णय के आलोक में विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित करें, जिससे कानून का पालन हो सके। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति गिरी ने निर्णय में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के अक्काला रामी रेड्डी बनाम आंध्र प्रदेश राज्य (2025 एससीसी ऑनलाइन एपी 1685) मामले में दिए गए निर्णय का भी उल्लेख किया है।

> संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 ने भी स्पष्ट कर दिया है कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म से इतर धर्म के अनुयायी अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं रहेंगे।

सोशल फोरम

महिलाओं की जिंदगी को मेरी ने कराया आसान

लक्ष्य
संगीतकार

मेरी (May) मैगी, डबलिन की वह महिला जिसने 1973 में सुप्रीम कोर्ट में ऐतिहासिक केस जीतकर शादीशुदा दंपतियों को गर्भनिरोधक (contraceptives) इस्तेमाल करने का अधिकार दिलाया था, उनका 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। इस दंपत्ति का केस आयरलैंड में चर्च और सरकार के अलग-अलग होने की दिशा में एक बड़ा मोड़ माना जाता है।

मेरी मैगी की गर्भावस्था के दौरान उनकी सेहत बहुत खराब रहती थी। उनके डॉक्टर ने उन्हें डायफ्राम (एक तरह का गर्भनिरोधक) इस्तेमाल करने की सलाह दी। इसके लिए इंग्लैंड से एक खास किस्म की जेल मंगानी पड़ती थी, लेकिन 1935 के कानून के कारण, जो गर्भनिरोधक पर प्रतिबंध लगाता था, कस्टम अधिकारियों ने वह सामान जब्त कर लिया। अगर वे दोबारा विदेश से ऐसा सामान मंगाते, तो उन पर जुर्माना या जेल हो सकती थी।

1972 में, डॉक्टर लॉग्रन और अपने वकील की मदद से, मैगी दंपति ने इस कानून के खिलाफ हाईकोर्ट में केस दायर किया, लेकिन वहां केस हार गए, लेकिन 1973 में सुप्रीम कोर्ट में अपील के दौरान पांच में से चार जजों ने उनके पक्ष में फैसला दिया। कोर्ट ने कहा कि गर्भनिरोधक का इस्तेमाल करना शादीशुदा दंपतियों का निजी निर्णय है, जिसमें सरकार दखल नहीं दे सकती।

कैथोलिक चर्च के मजबूत प्रभाव के कारण, इस फैसले के बाद भी गर्भनिरोधक को पूरी तरह वैध बनने में समय लगा। छह साल बाद, married couples के लिए डॉक्टर की पर्ची पर गर्भनिरोधक उपलब्ध हुए और 1985 में 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को बिना पर्ची के इन्हें खरीदने की अनुमति मिल गई।

सामयिकी

पॉक्सो के बढ़ते लंबित मामले व पीड़ितों का दर्द

नाबालिगों के खिलाफ अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और उससे भी बड़ी चिंता का विषय यह है कि इन मामलों का निपटारा वर्षों तक अधर में लटका रहता है। पॉक्सो यानी लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत तस्वीर पेश करती है। आंकड़े बताते हैं कि देश में पॉक्सो के 35 हजार से अधिक मामले वर्षों से लंबित चल रहे हैं और न्याय की प्रक्रिया पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए एक असहनीय इंतजार बन गई है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

2023 तक लंबित मामलों का जो विवरण सामने आया है, वह किसी भी समाज और शासन के लिए चिंता का गंभीर संकेत है। उत्तर प्रदेश में 10,556 मामले लंबित हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं। महाराष्ट्र 7,962 लंबित मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। तमिलनाडु में 1,910, मध्य प्रदेश में 1,736, छत्तीसगढ़ में 375 और राजस्थान में 224 मामले अभी भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। बिहार मंल 1,079, झारखंड में 415, पंजाब में 152, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश दोनों में 101, चंडीगढ़ में 16 और उत्तराखंड में 374 मामलों की लंबितता भी यही सिद्ध करती है कि न्यायिक प्रक्रिया के बोझ ने पीड़ितों के लिए न्याय की राह लंबी और कठिन बना दी है। यह स्थिति बताती है कि देश में पॉक्सो कानून का उद्देश्य जितनी तेजी से पूरा होना चाहिए था, उससे बहुत दूर है।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन लाल मेघवाल ने बताया है कि देश में कुल 773 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट कार्यरत हैं, जिनमें से 400 कोर्ट विशेष रूप से पॉक्सो मामलों के लिए बनाए गए हैं। इन अदालतों ने अब तक 3.5 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है, जो निश्चित रूप से एक उपलब्धि है, लेकिन उसके बावजूद हजारों मामले अभी भी अधूरे पड़े हैं। यह दर्शाता है कि केवल अदालतों की संख्या बढ़ा देना समाधान नहीं है। न्याय प्रक्रिया में पुलिस, अभियोजन, मेडिकल रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच, गवाही और साक्ष्य संकलन जैसे कई चरण होते हैं, और इनमें होने वाली देरी पॉक्सो मामलों की लंबितता को बढ़ाती रहती है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार देश में हर तीन मिनट में एक बच्चा अपराध का शिकार बनता है और हर आठ मिनट में एक पॉक्सो का मामला दर्ज होता है। इन आंकड़ों में बीते दो वर्षों के भीतर ही तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है, जो सामाजिक व प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चेतावनी का इशारा है। 2021 से 2025 के बीच कुल 1,31,692 पॉक्सो मामले दर्ज किए गए। वहीं सबसे कम मामले मिजोरम, नागालैंड, लद्दाख और अंडमान निकोबार जैसे क्षेत्रों में सामने आए हैं।

एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि कई मामलों में अपराध की प्रकृति इतनी संवेदनशील होती है कि बच्चे मानसिक रूप से टूट जाते हैं। लंबित मामलों का सबसे बड़ा कारण पुलिस जांच की धीमी गति, मेडिकल व फोरेंसिक रिपोर्ट में देर, गवाहों का न मिल पाना, पीड़ित परिवारों का दबाव में आ जाना और अदालतों में पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या और अधिक गंभीर होती है, जहां पीड़ितों को न्याय पाने के लिए सामाजिक प्रताड़ना भी सहनी पड़ती है। यह चुनौती केवल कानून और अदालतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक समस्या भी बन चुकी है। भारत जैसा देश, जहां माता पिता अपने बच्चों को संस्कारों और नैतिकता की शिक्षा देने पर जोर देते हैं, वहां बच्चों के साथ यौन अपराधों की बढ़ती घटनाएं एक गहरी सामाजिक विडंबना को दर्शाती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हिन्दी हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और सांस्कृतिक पहचान का दर्पण है। यह भाषा हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है, अभिव्यक्ति को सशक्त बनाती है और सोच में गहराई लाती है। समय के साथ हिन्दी का दायरा लगातार बढ़ा है। आज यह सिर्फ साहित्य या बोलचाल की भाषा नहीं रही, बल्कि आधुनिक करियर की दुनिया में एक महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है। यदि आपने हिन्दी साहित्य का अध्ययन किया है या हिन्दी भाषा के प्रति गहरा लगाव रखते हैं, तो आपके लिए रोजगार के ऐसे अनेक अवसर मौजूद हैं, जो आपको एक बेहतरीन और स्थिर भविष्य दे सकते हैं। आइए जानें वे प्रमुख करियर विकल्प, जिनमें आपकी मजबूत हिन्दी आपकी पहचान बना सकती है।

-फीचर डेस्क

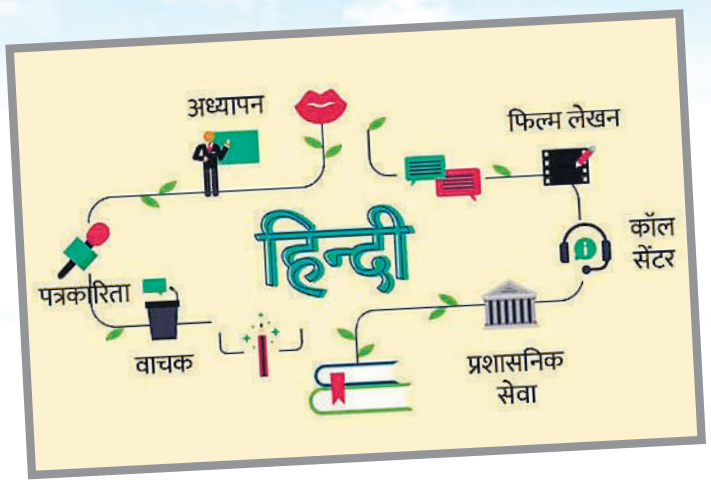

पत्रकारिता: बढ़ते अवसर

आज हिन्दी न केवल भारत की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इसका प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। टीवी न्यूज चैनल, प्रिंट मीडिया, रेडियो और डिजिटल पोर्टल्स में हिन्दी पत्रकारों की भारी मांग है। यदि आपको खबरों की समझ है, भाषा पर पकड़ मजबूत है और आप अभिव्यक्ति में निपुण हैं, तो आप रिपोर्टर, एंकर, न्यूज एडिटर या डिजिटल कंटेंट क्रिएटर के रूप में करियर शुरू कर सकते हैं। फ्रीलांस पत्रकारिता भी आज अच्छा विकल्प बन चुका है, जहां आप अपनी सुविधानुसार काम करते हुए अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

अनुवाद : भाषा का सेतु

ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में हर संस्था चाहे वह सरकारी हो या निजी, विभिन्न भाषाओं में सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। ऐसे में हिन्दी अनुवादकों की भूमिकाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। अनुवादक अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन या अन्य भाषाओं की सामग्री को हिन्दी में बदलते हैं और यह कार्य घर बैठे भी किया जा सकता है। कई कंपनियां पार्ट-टाइम या फ्रीलांस अनुवादकों को प्राथमिकता देती हैं, जिससे यह क्षेत्र नए प्रतिभाशाली युवाओं के लिए बेहद अनुकूल बन चुका है।

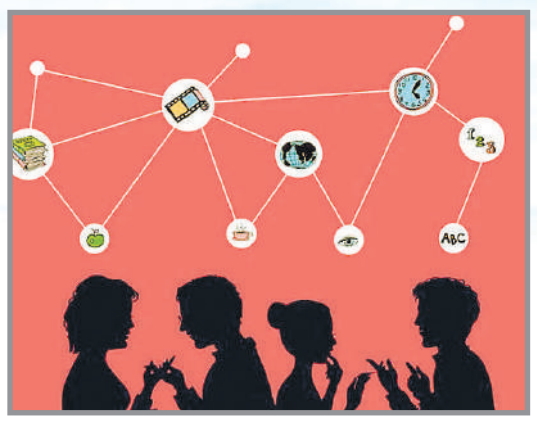

इंटरप्रिटेशन: मौखिक अनुवाद का करियर

इंटरप्रेटर का कार्य ट्रांसलेटर से अलग होता है। जहां ट्रांसलेटर लिखित सामग्री का अनुवाद करता है, वहीं इंटरप्रेटर बोले गए शब्दों का तत्काल अनुवाद करता है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, विदेशी मेहमानों की बैठकों, विश्वविद्यालयों और दूतावासों में इंटरप्रेटर्स की मांग हमेशा बनी रहती है। यदि आपकी हिन्दी और दूसरी भाषा पर अच्छी पकड़ है, तो यह क्षेत्र आपको वैश्विक स्तर पर काम करने के अवसर दे सकता है।

करियर के नए आयाम

सरकारी नौकरियां: सुरक्षित करियर की राह

हिन्दी साहित्य की डिग्री प्राप्त करने के बाद आप केंद्र और राज्य सरकार की अनेक नौकरियों के लिए पात्र बन जाते हैं। यूपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग और पीएसयू जैसी परीक्षाओं में हिन्दी विषय से जुड़े उम्मीदवारों के लिए अलग से पद और अवसर मौजूद रहते हैं। हिन्दी अधिकारी, राजभाषा अधिकारी, अनुवादक और कंटेंट विशेषज्ञ जैसे पद इस क्षेत्र में प्रमुख हैं।

भाषण लेखन: प्रभावशाली शब्दों की कला

राजनीतिक नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों और कई संस्थानों को ऐसे लेखकों की आवश्यकता होती है, जो प्रभावशाली और असरदार भाषण तैयार कर सकें। यदि आपकी लेखन शैली प्रभावशाली है और आप संवेदनशील मुद्दों को सरल भाषा में व्यक्त कर सकते हैं, तो भाषण लेखन आपके लिए एक उत्कृष्ट करियर विकल्प बन सकता है।

अध्यापन: ज्ञान का सबसे सम्मानित मार्ग

हिन्दी साहित्य के छात्रों के लिए शिक्षण हमेशा एक सम्मानित और स्थिर विकल्प रहा है। आप स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय में अध्यापक बनकर नई पीढ़ी को भाषा का ज्ञान दे सकते हैं। इसके साथ ही विदेशी विश्वविद्यालयों में भी हिन्दी पढ़ाने के अवसर उपलब्ध हैं, जो इस क्षेत्र को वैश्विक बनाते हैं।

वॉयस असिस्टेंट और बीपीओ: नई टेक्नोलॉजी के अवसर

वॉयस टेक्नोलॉजी के विस्तार के साथ हिन्दी वॉयस असिस्टेंट्स, कॉल सेंटर और कस्टमर सर्विस में हिन्दी बोलने वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। यहां केवल स्पष्ट उच्चारण और संवाद कौशल की आवश्यकता होती है, जिससे यह अवसर शुरुआती करियर वालों के लिए भी उपयुक्त बन जाता है।

स्क्रीन राइटिंग: रचनात्मकता का मंच

फिल्मों, टीवी धारावाहिकों और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की बढ़ती लोकप्रियता ने हिन्दी स्क्रीन राइटर्स की मांग को कई गुना बढ़ा दिया है। यदि आपके पास कहानी कहने का हुनर है, संवाद लिखने में निपुण हैं या गीत लेखन की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए सुनहरा अवसर है। हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि वाले युवाओं को इस क्षेत्र में विशेष लाभ मिलता है, क्योंकि उनकी भाषा स्वाभाविक और प्रभावी होती है।

कंटेंट राइटिंग और एडिटिंग: डिजिटल दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने हिन्दी कंटेंट की मांग को शीर्ष पर पहुंचाया है। वेबसाइट्स, ब्लॉग्स, न्यूज पोर्टल्स, विज्ञापन एजेंसियां और पब्लिकेशन हाउस लगातार ऐसे कंटेंट राइटर्स और एडिटर्स की तलाश में रहते हैं, जो प्रभावशाली और शुद्ध हिन्दी लिख सकें। यह क्षेत्र उन लोगों के लिए बेहद उपयुक्त है, जिन्हें लेखन में आनंद आता है और जो भाषा के प्रति संवेदनशील हैं।

जॉब अलर्ट

कर्मचारी चयन आयोग (SSC)

- पद का नाम : कांस्टेबल (GD) और राइफलमैन (GD)
- पदों की संख्या : 25487
- योग्यता : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिकुलेशन या 10 वीं कक्षा पास
- आयु सीमा : 18 से 23 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 31/12/2025
- वेबसाइट https://ssc.gov.in

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (IIBF)

- पद का नाम : जूनियर एग्जीक्यूटिव
- पदों की संख्या : 10 पद
- योग्यता : संबंधित विषय में न्यूनतम 60% अंकों के साथ ग्रेजुएट और पद के अनुसार अतिरिक्त योग्यताएं।
- आयु सीमा : 28 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 13/12/2025
- वेबसाइट : www.iibf.org.in

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

- पद का नाम : ट्रेड/टेक्नीशियन/ग्रेजुएट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या : 509
- योग्यता : ITI/डिप्लोमा/ग्रेजुएट/कक्षा 12वीं (विषय के अनुसार)
- आयु सीमा : 18 से 24 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 09/01/2026
- वेबसाइट : www.iocl.com/apprenticeships

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम : प्रोजेक्ट इंजीनियर और टेक्निकल ऑफिसर
पदों की संख्या :23
योग्यता : B.E./B.Tech CSE/IT/ECE/EEE/E&I/इंस्ट्रूमेंटेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स में, डिप्लोमा
आयु सीमा : 33 वर्ष तक
वॉक-इन इंटरव्यू की तारीख : 16/12/2025
वेबसाइट : www.ecil.co.in

कैंपस में पहला दिन

जब दादाजी पहले दिन कॉलेज छोड़ने गए

कॉलेज का पहला दिन यह सोचकर ही मन में कुछ सिरहन सी होने लगी कि अब बचपन के पायदान से निकलकर युवा अवस्था की श्रेणी में पहुंच रहे हैं, कुछ उत्साह, कुछ घबराहट और एक नई शुरुआत की उमंग भी। यह सोच-सोचकर मन में खुशी थी कि अब स्कूल के अनुशासित जीवन से मुक्ति मिलेगी, अब कोई स्कूल ड्रेस नहीं होगी और न ही समय की पाबंदी वाला वो स्कूल का घंटा। अब मैं स्वतंत्र होंगी। अपने नए माहौल में नए रंग-ढंग से रहूंगी, फैशनेबल कपड़े पहन सकूंगी, अब कोई रोक-टोक नहीं होगी। कॉलेज में कैंटीन होगी, वहां दोस्तों के साथ बैठकर स्नेक्स खाऊंगी, गप्पे लगाऊंगी। मन होगा तो पढ़ेंगे, नहीं होगा तो क्लास बंक। अब कोई बंधन न होगा और इस तरह से मेरा मन तरह-तरह के सपने बुनने लगा। मैं कॉलेज के स्वच्छंद वातावरण में तितली की भांति उड़ने के लिए बेहद ही उत्साहित थी।

कॉलेज जाने का पहला दिन आ गया था। मैं सुबह से ही तैयारी में लग गई और अति उत्साह में जल्दी ही तैयार हो गई थी। मैं कॉलेज के लिए चलने लगी। मेरे मम्मी, पापा, भाई सब मुझे शुभकामनाएं देने लगे। मैं जाने के लिए अपनी स्कूटी निकल रही थी कि तभी दादाजी की आवाज आई, ' रुको बेटा!, मैं तुम्हें छोड़ने चलता हूं।' यह सुनकर मैं स्तंभित रह गई और संकोच में आ गई कि यह दादाजी क्या कह रहे हैं? वह मुझे अभी भी बच्ची ही समझ रहे थे, लेकिन वह मुझे छोड़ने जाने के लिए बेताब थे। मैं उनकी आज्ञा का उल्लंघन न कर सकी और अपनी भावनाओं को मन में दबाए हुए, चुपचाप उनके स्कूटर के पीछे बैठ गई। मेरे सपनों की उड़ान पर ब्रेक सा लग गया। मैं अपने आपको बड़ा ही परतंत्र सा महसूस कर रही थी। मुझे बड़ी सकुचाहत हो रही थी कि मेरे सहपाठी मेरे बारे में क्या सोचेंगे? वे मेरे ऊपर हसेंगे और मेरी खिल्ली उड़ाएंगे की यह तो अभी भी स्कूल की बच्ची ही है, जो अपने दादाजी के साथ आई है। इसी उधेड़बुन को सोचते-सोचते कॉलेज आ गया। मैं दादा जी को कॉलेज के गेट से ही विदा करना चाहती थी, पर वह मुझे क्लास तक ही छोड़ने चल पड़े। अब तो मेरा आत्मविश्वास बहुत ही डूब रहा था और मुझे लज्जा आ रही थी कि मेरे दोस्त मेरे बारे में क्या टिप्पणी करेंगे? तभी मैं क्लासरूम पहुंची, वहां बाहर खड़े सहपाठियों ने मुझे हेलो बोला और तपाक से पूछा, ' यह कौन हैं?' मैंने कुछ दबे हुए शब्दों और संकोच के साथ कहा, ' यह मेरे दादाजी हैं।'वे बोले, 'वाओ! तेरे दादाजी तुझे छोड़ने आए हैं, तू तो बहुत लकी है कि तेरे दादाजी तुझे इतना प्यार करते हैं और तेरा इतना ख्याल रखते हैं।' यह सुनकर मैं आश्चर्यचकित रह गई और मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया। दादाजी के प्रति मेरे मन में श्रद्धा और स्नेह और भी बढ़ गया। मुझे अपने घरवालों के प्यार की कद्र महसूस हुई और मुझे अपनी स्थिति भी मजबूत नजर आई। फिर मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने सभी सहपाठियों, सभी प्रोफेसरों से मिली और पूरे कॉलेज में मस्ती से घूमी। इस प्रकार मेरा कॉलेज का पहला दिन खुशी, आनंद और आत्मविश्वास के साथ बीता।

-श्रुति सुकुमार, बरेली

हौसला हो तो छू लो आसमान

तामकीन फातिमा के हौसलों की उड़ान एक जीवंत प्रमाण है कि सपने, मेहनत और शिक्षा की ताकत से कोई भी ऊंचाई हासिल की जा सकती है। उनकी यात्रा, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एसमयू) की कक्षाओं से शुरू होकर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं तक पहुंचना, युवाओं को कई महत्वपूर्ण संदेश देती है।

तामकीन की सफलता साबित करती है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे पुरुष प्रधान क्षेत्रों में महिलाएं न केवल प्रवेश कर सकती हैं, बल्कि शीर्ष पर विराजमान हो सकती हैं। यूजीसी-नेट (जेआरएफ) में ऑल इंडिया रैंक 2, इसरो इंटर्नशिप और डीआरडीओ में वैज्ञानिक 'बी' के पद पर चयन, ये सब उनकी प्रतिभा का प्रमाण हैं। यह 'आत्मनिर्भर भारत' के दौर में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है, जहां वे राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी नवाचार में योगदान दे रही हैं।

तामकीन फातिमा एक उभरती हुई भारतीय वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने हाल ही में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में वैज्ञानिक 'बी' के पद पर चयनित होकर देशभर में प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। वे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की पूर्व छात्रा हैं और उनकी यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि एसमयू की शिक्षा प्रणाली और महिलाओं की विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ती भूमिका का प्रतीक भी है।

रूफिया खान
शिक्षिका

प्रेरणा और प्रभाव

तामकीन की यात्रा युवाओं, खासकर महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है। एएमयू के फैकल्टी सदस्यों ने उनकी सफलता पर गर्व व्यक्त किया, "यह न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि संस्थागत गौरव भी है, जो एएमयू की उस विरासत को दर्शाता है, जो तकनीकी विशेषज्ञ और विद्वानों को जन्म देती है, जो भारत के विकास और रक्षा में योगदान देते हैं।" उनकी कहानी यह संदेश देती है कि शिक्षा, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रसेवा की भावना से देश के सबसे प्रतिष्ठित अवसरों के द्वार खुल सकते हैं। वे 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन के तहत भारत की तकनीकी संप्रभुता और रणनीतिक शक्ति में योगदान देने वाली महिलाओं की बढ़ती संख्या का प्रतीक हैं।

भविष्य की योजनाएं

डीआरडीओ में शामिल होकर तामकीन ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया है। वे भारत की रक्षा अनुसंधान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए उत्सुक हैं, जो उन्हें देश की वैज्ञानिक शक्ति का केंद्र बनाता है। उनकी यात्रा एएमयू के कक्षाओं से डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं तक पहुंची है और यह केवल शुरुआत मानी जा रही है। तामकीन फातिमा की कहानी साबित करती है कि मेहनत और शिक्षा से कोई सपना असंभव नहीं। तामकीन की उड़ान उन लाखों युवाओं के लिए मिसाल है, जो सोचते हैं कि 'मेरा बैकग्राउंड' या 'मेरा जेंडर' बाधा बनेगा। वह कहती हैं, "हौसला हो तो आसमान छू लो।"

नोटिस बोर्ड

- कुमाऊं विश्वविद्यालय (नैनीताल) में पर्यावरण विज्ञान की परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी परिसर, महाविद्यालय और संस्थानों के वे विद्यार्थी, जिन्होंने स्नातक अंतिम वर्ष या अंतिम सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा तो उत्तीर्ण कर ली है, लेकिन पर्यावरण विज्ञान की परीक्षा अभी तक पास नहीं कर पाए हैं, वे इस विशेष परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.kunainital.ac.in के माध्यम से 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

- पीलीभीत में 12 दिसंबर को मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा। यह जॉब फेयर राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से जेपी होटल एवं वेडिंग स्क्वायर में लगेगा, जिसमें 15 कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। जॉब फेयर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। जॉब फेयर में जॉब के लिए इंटरमीडिएट, ओ लेवल, ए लेवल, डिप्लोमा, आईटीआई, स्नातक व स्नातकोत्तर शैक्षिक योग्यता निर्धारित की गई है।
- अमेठी में महिलाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर उपलब्ध होने वाला है। जिला सेवायोजन कार्यालय अमेठी और राजकीय महिला पॉलिटेक्निक अमेठी के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 दिसंबर को एक दिवसीय नि:शुल्क पिंक रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में लगभग देश की 10 प्रतिष्ठित प्राइवेट कंपनियां भाग लेंगी। ये कंपनियां 12 वीं, स्नातक, आईटीआई और विभिन्न तकनीकी योग्यताओं रखने वाली महिलाओं को अवसर प्रदान करेंगी। मेला सुबह 10:30 बजे से राजकीय महिला पॉलिटेक्निक परिसर में शुरू होगा। इच्छुक महिला अभ्यर्थी rojgaarsangam.up.gov.in पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर, योग्यता के अनुसार उपलब्ध कंपनियों में ऑनलाइन आवेदन भी कर सकेंगी।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,391.27	25,758
गिरावट	275.01	81.65
प्रतिशत में	0.32	0.32

सोना 1,32,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,92,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

100 नई उड़ानें शुरू करेगा स्पाइसजेट

मुंबई। घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने बुधवार को कहा कि वह सर्दियों की मांग को पूरा करने के लिए रोजाना 100 अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है। वह इस सर्दी में प्रमुख मार्गों पर बढ़ती मांग को देखते हुए अपनी उड़ान सेवाओं को बढ़ाने और बाजार में पर्याप्त क्षमता सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। एक दिन पहले सरकार ने इंडिगो की शीतकालीन समय-सारिणी में 10 प्रतिशत कटौती करने को कहा था, ताकि संकटग्रस्त एयरलाइन अपने संचालन को स्थिर कर सके और उड़ानों के रद्द होने की घटनाओं को कम किया जा सके।

विद्या वायर्स का शेयर बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। विद्या वायर्स का शेयर निर्गम मूल्य 52 के मुकाबले 12 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य 52 रुपये से 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52.13 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में शेयर में उछाल आया और यह 12.46 प्रतिशत चढ़कर 58.48 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 52 रुपये के बराबर पर शुरुआत की। बाद में 12.40% चढ़कर 58.45 रुपये पर पहुंच गया।

एक्वस का शेयर 13 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद एवं वैमानिकी कलपुर्जों में विशेषज्ञता रखने वाली अनुबंध विनिर्माण कंपनी एक्वस लिमिटेड का शेयर अपने 124 रुपये के मूल्य के मुकाबले 13 प्रतिशत की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर कंपनी के शेयर ने 12.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ 140 रुपये पर शुरुआत की। बाद में शेयर 22% की चढ़कर क्रमशः 151.15 रुपये और 151 रुपये प्रति शेयर पर आ गया।

मीशो का शेयर 46% चढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक के समर्थन वाली ई-कॉमर्स कंपनी मीशो का शेयर 111 रुपये के मुकाबले 46 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर शेयर की शुरुआत 162.50 रुपये पर हुई जो 46.40% अधिक है। बाद में 55.58% बढ़कर 172.70 रुपये पर पहुंच गया।

ओमान, न्यूजीलैंड से एफटीए वार्ता अंतिम दौर में

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने द. अमेरिकी देश चिली से भी समझौते पर बात जल्द पूरी होने की जताई उम्मीद

जयपुर, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि ओमान और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए बातचीत अपने अंतिम चरण में है और दोनों के जल्द ही संपन्न होने की उम्मीद है। उन्होंने संकेत दिया कि दक्षिण अमेरिकी देश चिली के साथ भी व्यापार समझौते के लिए बातचीत जल्द पूरी हो जाएगी।

मंत्री ने कहा कि ओमान से समझौते के लिए बात अंतिम चरण में है और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले शुक्रवार को नई दिल्ली आ रहे हैं। एफटीए पर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच रही है। इस बीच, वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि गहन वार्ता के तीन दौर (नवंबर 2023-मार्च 2024) के बाद दोनों पक्ष सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) के सभी घटकों पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं जिसमें पाठ्य एवं बाजार पहुंच प्रस्ताव शामिल हैं। इसमें कहा गया कि मार्च 2024 में मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप आगे की बातचीत की आवश्यकता पड़ी। चौथे दौर (सितंबर 2024) और पांचवें दौर (13-14 जनवरी 2025) में संशोधित प्रस्तावों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें कहा गया कि प्रासंगिक प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद, हस्ताक्षर व पुष्टि के लिए मंत्रिमंडल 'नोट' का मसौदा संबंधित मंत्रालयों को भेजा गया। दोनों पक्ष अब आंतरिक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं।

- वाणिज्य मंत्रालय ने कहा- दोनों पक्ष सीईपीए के सभी घटकों पर एक समझौते पर पहुंचे

भारत-इजराइल ने मुख्य वार्ताकारों को किया नियुक्त

इजराइल से व्यापार समझौते पर गोयल ने कहा कि उन्होंने इजराइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ हाल ही में बैठक की थी और दोनों पक्षों ने प्रस्तावित समझौते के लिए अपने मुख्य वार्ताकारों को नियुक्त कर दिया है। तेल अवीव में दोनों देशों ने समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने हेतु संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर पिछले महीने हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इजराइल के साथ पहले चरण की शुरुआत होगी। मंत्रालय ने कहा कि भारत और इजराइल 2010 से एफटीए पर बातचीत कर रहे हैं। इसमें 280 शुल्क श्रेणियों या उत्पाद श्रेणियों को शामिल करने वाले 10 दौर पूरे हो चुके हैं।

मालदीव ने किए हस्ताक्षर और कतर से वार्ता शुरू

इसके अलावा, इसमें कहा गया कि भारत-मालदीव मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर तीन जुलाई 2025 को माले में हस्ताक्षर किए गए थे। टीओआर आगामी एफटीए वार्ताओं के लिए ढांचा एवं दायरा निर्धारित करता है। समझौते पर वार्ता शुरू हो चुकी है। भारत और कतर भी मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने हेतु एक टीओआर को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसी तरह की प्रक्रिया भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच भी जारी है। गोयल प्रवासी राजस्थानी दिवस में हिस्सा लेने यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने व्यापार से संबंधित मुद्दों पर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ कई बैठकें की हैं।

भारत, ईयू वार्ता शीघ्र पूरा करने को प्रतिबद्ध

जयपुर। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ एफटीए पर बात आगे बढ़ा रहे हैं और समझौते की मोटी रूपरेखा तैयार हो गई है। दोनों पक्ष समझौते को जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल और यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मार्कोस सेफकोविक ने आठ-नौ दिसंबर को वार्ता की समीक्षा की थी।

उन्होंने कहा कि चर्चाएं सकारात्मक रहीं। मुझे विश्वास है कि जल्द यूरोपीय संघ के साथ समझौते पर कोई निर्णय लिया जाएगा। जनवरी में वार्ता के समापन पर मंत्री ने कहा कि इसकी काफी प्रबल संभावनाएं हैं। दोनों पक्ष समझौते को जल्द पूरा करना चाहते हैं। चाहे एक महीने में हो, अगले सप्ताह हो या अगले महीने, ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्षों ने के लिए दिसंबर के अंत की समय सीमा तय की है।

आपका पैसा, आपका अधिकार अभियान में लें हिस्सा : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- अभियान के तहत दो माह में 2,000 करोड़ की बिना दावे वाली संपत्तियां असली मालिकों को लौटाई गई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'आपका धन, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लेने का बुधवार को आग्रह किया। इसके तहत गत दो महीनों में 2,000 करोड़ रुपये की बिना दावे वाली संपत्तियां उनके असली मालिकों को सफलतापूर्वक लौटाई गई हैं। सरकार ने चार अक्टूबर को 'आपका पैसा, आपका अधिकार' राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया था। इसका उद्देश्य बैंक जमा, बीमा, लाभांश, शेयर, म्यूचुअल फंड और पेंशन सहित लावारिस पड़ीं वित्तीय संपत्तियों को उनके वैध दावेदारों तक पहुंचाने में मदद करना है।

मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, सभी हितधारकों खासतौर पर सरकार, नियामक निकायों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के समन्वित प्रयासों से करीब 2,000 करोड़ रुपये पहले ही उनके सही मालिकों को लौटाए जा चुके हैं। अक्टूबर से पांच दिसंबर 2025 तक 477 जिलों में शिविर आयोजित किए गए। इनमें जन प्रतिनिधियों, जिला प्रशासनों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री लोगों से 'आपका पैसा, आपका अधिकार' आंदोलन में हिस्सा लेने का आग्रह करते हुए कहा, हम आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और व्यापक बनाना चाहते हैं। भारतीय बैंकों में बिना दावे का 78,000 करोड़ रुपये पड़ा है। बीमा कंपनियों के पास 14,000 करोड़ की राशि बिना दावे के पड़ी है। साथ ही म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास 3,000 करोड़ और 9,000 करोड़ की राशि रखी है।

सिम बाइंडिंग से निजता को खतरा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों के संगठन सीओएआई ने सिम बाइंडिंग के सरकार के आदेश का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि लोगों में ये गलत अवधारणा है कि इससे निजता और गोपनीयता का उल्लंघन होगा। सरकार ने देश में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के लिए सिम बाइंडिंग अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है, यानी कि जिस नंबर पर सोशल मीडिया एप सक्रिय है उस सिम के मोबाइल में रहने तक ही वह एप लॉग इन रह सकेगा।

सीओएआई ने कहा कि यूपीआई और भुगतान एप के लिए देश में पहले से ही सिम बाइंडिंग के नियम लागू है। उसने कहा है कि विदेशों में जाने पर यूजर वाई-फाई या स्थानीय सिम के डाटा का इस्तेमाल करते हुए तब तक एप का इस्तेमाल जारी रख सकेंगे जब तक सेकेंड्री स्लॉट में एप से जुड़ा भारतीय सिम है। उसने कहा कि विदेशों में बैठे डिजिटल ठगों से लोगों को बचाने के लिए सिम बाइंडिंग जरूरी है।

- मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों के संगठन ने किया सरकार के आदेश का स्वागत
- यूपीआई और भुगतान एप के लिए देश में पहले से ही सिम बाइंडिंग के नियम लागू

संगठन के प्रेस नोट में एक निश्चित समय के बाद लॉगआउट के नियम के बारे में कहा गया है कि बैंकिंग पोर्टल, डिजी लॉकर, आधार और वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क सेशन समाप्त करने के इससे भी कड़े मानक अपनाते हैं। निजता के उल्लंघन के बारे में प्रेस नोट में कहा गया है कि सिम बाइंडिंग के लिए किसी अतिरिक्त डाटा संग्रह की जरूरत नहीं होती है। साथ ही इससे मैसेजिंग आदि पर कोई असर नहीं होता है।

अमेजन भारत में करेगा 35 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने भारत में 2030 तक अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब डॉलर का भारी निवेश करने की योजना की बुधवार को घोषणा की। कंपनी का मकसद कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना है। अमेजन ने यह घोषणा माइक्रोसॉफ्ट द्वारा भारत में 2030 तक डेटा सेंटर, एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिज्ञा जताने के एक दिन की है। इससे पहले गूगल ने पांच वर्षों में एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

- गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के बाद ई-कॉमर्स कंपनी ने की घोषणा

अमेज़न ने कहा कि 2030 तक कृत्रिम मेधा और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में उसके निवेश से भारत में अतिरिक्त 10 करोड़ नौकरियां उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन.वॉलमार्ट समर्थित फ्लिपकार्ट के साथ मुकेश अंबानी की घरेलू कंपनियों और इटर्नल लिमिटेड की ब्लिंक्ट, स्विगी लिमिटेड की इंस्टामार्ट एवं जेप्टो जैसी तुरंत डिलीवरी करने वाली कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए निवेश बढ़ा रही है।

एडीबी ने किया भारत के वृद्धि दर अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.5 से बढ़ाकर 7.2% कर दिया। इसकी प्रमुख वजह हाल में जीएसटी दरों में कटौती से घरेलू खपत को मिली मजबूती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की यह तेज रफ्तार एशिया को भी तेजी से बढ़ने में मदद करेगी, जो इस साल 4.8% के पिछले अनुमान के मुकाबले अब 5.1% की दर से बढ़ सकती है। एडीबी की दिसंबर के लिए जारी एशिया विकास परिदृश्य रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2025 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 7.2% कर दिया गया है, जो दूसरी तिमाही में अपेक्षा से अधिक मजबूत विस्तार को दर्शाता है। कर में कटौतियों ने खपत को मजबूती दी। सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 8.2% की दर से बढ़ी, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। पहली तिमाही में यह 7.8% थी। इस तरह चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत 8% की वृद्धि दर हासिल कर चुका है।

- जीएसटी दरों में कटौती से घरेलू खपत को मिली मजबूती को देखते हुए एशियाई बैंक ने लिया निर्णय

एडीबी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मजबूत वृद्धि आपूर्ति पक्ष में विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के मजबूत विस्तार और मांग पक्ष में खपत एवं निवेश की वृद्धि के कारण हुई है। हालांकि मनीला स्थित इस बहुपक्षीय विकास बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने अनुमान को 6.5% पर बरकरार रखा है।

राष्ट्रीय

सीईसी समिति को लेकर मोदी पर भरोसा क्यों नहीं

चुनाव सुधारों पर लोस में चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में हुई नोकझोंक, वेणुगोपाल की टिप्पणी का भाजपा ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

शीतकालीन सत्र के दौरान लोसभा में भाषण देते भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद।

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर रखने पर बुधवार को सरकार को आड़े हाथ लिया, जिस पर भाजपा से रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जब प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार पर न्यूक्लियर बटन का भरोसा किया जा सकता है, तो इन नियुक्तियों के समय ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता।

चुनाव सुधारों पर लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस के वेणुगोपाल ने दावा किया कि हाल के वर्षों में निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने एक आदेश में स्पष्ट किया था कि निष्पक्ष चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग का तटस्थ होना जरूरी है। सरकार ने इसके उलट किया और मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एवं निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) के चयन की समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर कर दिया। कानून मंत्री को इस पर जवाब देना चाहिए।

इस पर पूर्व कानून मंत्री और भाजपा सांसद प्रसाद ने कहा कि जब प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार पर न्यूक्लियर बटन का भरोसा किया जा सकता है, तो एक अच्छे सीईसी या ईसी को चुनते समय ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता। जब संसद ने अपनी समझ से चयन समिति के संबंध में कानून पारित किया है, जिसमें प्रधान न्यायाधीश को शामिल नहीं किया गया है, तो न्यायपालिका को हर चीज़ में क्यों शामिल किया जाना चाहिए। प्रसाद ने दावा किया कि वेणुगोपाल भी इस बात से सहमत थे कि उच्चतम न्यायालय की पीठ द्वारा प्रस्तावित चयन समिति सिर्फ एक अंतरिम व्यवस्था थी। भाजपा नेता का न्यूक्लियर बटन से संकेत देश द्वारा अत्यंत असामान्य स्थिति में परमाणु हथियार चलाने की अनुमति देने के निर्णय से था।

प्रधानमंत्री ईवीएम नहीं, दिलों को हैक करते हैं : कंगना

नई दिल्ली। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने वोट चोरी के आरोपों को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ईवीएम 'हैक' नहीं करते, बल्कि वह लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं। उन्होंने चुनाव सुधार पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए विपक्ष पर आरोप लगाया कि उसने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर पिछले एक साल से सदन में हंगामा किया। भाजपा सांसद ने चर्चा में एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दिए वक्तव्य का हवाला दिया और उन पर तंज कसा। रनौत ने यह भी कहा राहुल के भाषण के दौरान विपक्ष ने सदन में एक विदेशी महिला की तस्वीर प्रदर्शित कर यहां उसका मुद्दा बनाया, जबकि उन्होंने (महिला) सोशल मीडिया पर कई बार कहा है कि वह कभी भारत नहीं गई हैं और उनका हरियाणा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन फिर भी इन लोगों ने बिना किसी सबूत के और बिना अनुमति के उनकी यहां तस्वीर उछाली...। उनका इशारा एक ब्राजीलियाई महिला की ओर था, जिनका नाम हरियाणा की मतदाता सूची में होने का नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया था। भाजपा सांसद ने कहा कि सबसे पहले इस सदन की तरफ से उन महिला से मैं माफी मांगती हूं। आजकल व्यक्तित्व अधिकार (के हनन) का भी बहुत बड़ा अपराध होता है। उसके बावजूद उनका यहां फोटो इस्तेमाल किया गया। उन्होंने वोट चोरी के आरोपों पर कहा कि कांग्रेस के लोग शायद यह समझ नहीं पा रहे हैं कि प्रधानमंत्री ईवीएम हैक नहीं करते, बल्कि लोगों के दिलों को हैक करते हैं।

दिल्ली दंगे : उमर व शरजील की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से संबंधित यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम व अन्य आरोपियों की जमानत पर फैसला बुधवार को सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल एस.वी. राजू और अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंघवी, सिद्धार्थ दवे, सलमान खुर्शीद और सिद्धार्थ लूथरा की दलीलें सुनीं।

दिल्ली पुलिस ने आरोपियों की जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध करते हुए कहा था कि फरवरी 2020 में दंगे अचानक नहीं हुए थे बल्कि भारत की संप्रभुता पर हमला करने के लिए पूर्व नियोजित तरीके से इन्हें अंजाम दिया गया था। उमर, शरजील और अन्य आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम, 1967 और तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था।

संसद सत्र बीच में छोड़कर विदेश गए राहुल : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री आधा समय विदेश में बिताते हैं, फिर राहुल की यात्रा पर सवाल क्यों: प्रियंका गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसद सत्र के बीच में ही विदेश जाने को लेकर भाजपा ने आरोप लगाया कि यह उनकी आदत है। इस पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आधा समय विदेश में ही रहते हैं तो राहुल गांधी की यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं।

भाजपा ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर हमलावर होते हुए शीतकालीन सत्र के बीच में विदेश जाने पर सवाल उठाते हुए देश के महत्वपूर्ण मुद्दों के समय गायब रहने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने भाजपा मुख्यालय में गांधी पर आरोप लगाया कि ऐसा करना उनकी आदत है। 3 महीनों में गांधी कई बार देश के बाहर उस समय गए जब उपराष्ट्रपति चुनाव होने के लिए राजनीतिक पार्टियां मंथन में जुटी थीं। गांधी संभवतः उस समय मलेशिया में थे। इससे पहले गांधी बिहार चुनाव की घोषणा होने और दशहरा के समय दक्षिणी अमेरिका में थे। नेता विपक्ष श्री गांधी के ऐसे समय गायब होने की जानकारी क्यों नहीं साझा की जाती है, क्या वह किसी आधिकारिक या अनाधिकारिक यात्रा पर जाते हैं। राहुल गांधी के जर्मनी दौरे पर भाजपा केसवाल पलटवार करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री अपना आधा कामकाजी समय विदेश में बिताते हैं तो फिर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की यात्रा पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी का दौरा करेंगे, जहां वह भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के साथ ही जर्मन सरकार के कुछ मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे।

लूथरा बंधुओं की जमानत पर सुनवाई आज

नाइट क्लब अग्निकांड

नई दिल्ली, एजेंसी

गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा बुधवार को दिल्ली की अदालत से अंतरिम राहत पाने में असफल रहे, जिसने उनकी ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले दिन के लिए स्थगित कर दी। आरोपियों की ट्रांजिट अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहीं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वंदना ने गोवा से जवाब मांगा और अगली सुनवाई बृहस्पतिवार के लिए तय की।

गोवा पुलिस को अजय गुप्ता की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मिली : दिल्ली की अदालत ने गोवा पुलिस को नाइट क्लब के सह मालिक अजय गुप्ता की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड की अनुमति दे दी। गुप्ता को पूछताछ के लिए दिल्ली में हिरासत में लिया गया था। गोवा पुलिस ने गुप्ता को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद जोशी के समक्ष पेश किया और उनकी ट्रांजिट रिमांड मांगी। इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के कारण जारी हवाई यात्रा संकट को देखते हुए अदालत ने 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मंजूर की।

अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने वाले प्रतिष्ठानों का लाइसेंस रद्द होगा : सावंत

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को कहा कि अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने वाले पर्यटन प्रतिष्ठानों के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। छह दिसंबर की रात एक नाइटक्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत के बाद सावंत ने उत्तर और दक्षिण गोवा जिला प्रशासन, पुलिस और पर्यटन से जुड़े हितधारकों के साथ उच्च-स्तरीय बैठक की। बैठक क्रिसमस और नए साल के उत्सवों से पहले कड़े सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के लिए हुई। राज्य के पर्यटन मंत्री रोहन खुंटे भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद सावंत ने कहा कि सरकार द्वारा गठित अग्नि सुरक्षा ऑडिट समिति विभिन्न पर्यटन प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने पहुंच चुकी है और वह निरीक्षण पूरा होने पर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

वीर सावरकर पुरस्कार न लूंगा और न समारोह में जाउंगा : शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस नेता बोले- मेरी सहमति के बिना मेरे नाम की घोषणा करना गैरजिम्मेदाराना

शशि थरूर ने बुधवार को स्पष्ट किया कि वह वीर सावरकर के नाम पर दिए जाने वाले किसी भी पुरस्कार को स्वीकार नहीं करेंगे और न ही इससे संबंधित कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं, कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने थरूर से आग्रह किया कि वह सावरकर से सम्मान को स्वीकार न करें और दावा किया सावरकर अंग्रेजों के सामने झुक गए थे।

तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा कि आयोजकों द्वारा पुरस्कार लेने पर मेरी सहमति के बिना मेरे नाम की घोषणा करना गैरजिम्मेदाराना है। इससे पहले कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि शशि थरूर समेत पार्टी के किसी भी सदस्य को वीर सावरकर के नाम पर पुरस्कार स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि वह अंग्रेजों के सामने झुक गए थे।

उन्हें विश्वास नहीं होता कि थरूर यह पुरस्कार स्वीकार करेंगे क्योंकि ऐसा करना कांग्रेस का अपमान की बात होगी। थरूर ने दिल्ली में कहा कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मंगलवार को ही पता चला और वे समारोह में शामिल होने नहीं जा रहे हैं।

न्यायपालिका को बदनाम करने की कोशिश न करें

नयी दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व जजों ने की रोहिंग्याओं पर की गई टिप्पणी के लिए सीजेआई के खिलाफ अभियान की निंदा

पूर्व न्यायाधीशों के समूह ने रोहिंग्या प्रवासियों से संबंधित सुनवाई के दौरान भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की हाल की टिप्पणियों के मद्देनजर उन्हें निशाना बनाकर चलाई जा रही सोची-समझी मुहिम की बुधवार को कड़ी आलोचना की। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के 44 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा कि न्यायपालिका को बदनाम करने या प्रधान न्यायाधीश पर राजनीतिक मंशा थोपने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे संवैधानिक संस्थानों में जनता का विश्वास और न्यायालय की स्वतंत्रता कमजोर हो रही है।

पूर्व न्यायाधीशों ने 'उच्चतम न्यायालय का अनादर अस्वीकार्य है' शीर्षक वाले बयान में कहा कि न्यायिक कार्यवाही केवल निष्पक्ष और तर्कसंगत आलोचना के अधीन होनी चाहिए। हम जो देख रहे हैं वह सैद्धांतिक असहमति नहीं है, बल्कि एक सामान्य अदालती कार्यवाही को पूर्वाग्रह का कृत्य बताकर न्यायपालिका को बदनाम करने का प्रयास है।

पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश पर सबसे बुनियादी कानूनी सवाल पूछने के लिए निशाना साधा जा रहा है। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा कि आलोचकों ने पीठ की टिप्पणियों के एक महत्वपूर्ण हिस्से को भी नजरअंदाज कर दिया, जिसमें यह स्पष्ट किया गया था कि भारतीय धरती पर किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह नागरिक हो या विदेशी नागरिक, यातना, गुमशुदगी या अमानवीय व्यवहार का शिकार नहीं बनाया जा सकता है।

दो दिसंबर को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने मानवाधिकार कार्यकर्ता रीता मनचंदा द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर तीखी टिप्पणी की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि कुछ रोहिंग्या हिरासत से लापता हो गए हैं। प्रधान न्यायाधीश ने पूछा कि यदि कोई घुसपैठिया आता है, तो क्या हम उसका लाल कालीन बिछाकर स्वागत करते हैं और कहते हैं कि हम उसे सभी सुविधाएं देना चाहते हैं? उन्हें वापस भेजने में क्या समस्या है?

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी विवि में चली गोली, छात्र की मौत

फ्रैंकफर्ट। अमेरिका की केंटकी स्टेट यूनिवर्सिटी के एक आवासीय हॉल में मंगलवार को हुई गोलीबारी में कम से कम एक छात्र की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध स्कूल का छात्र नहीं है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। फ्रैंकफर्ट के सहायक पुलिस प्रमुख स्कॉट ट्रेसी ने मंगलवार शाम को बताया कि दोपहर करीब तीन बजे हुई गोलीबारी का संदिग्ध केंटकी स्टेट का छात्र नहीं है। ट्रेसी ने बताया कि पुलिस ने गोलीबारी पर तुरंत कार्रवाई की। फ्रैंकफर्ट पुलिस का मानना है कि परिसर में सुरक्षा को लेकर इस समय कोई गंभीर चिंता नहीं है।

भारतीय मूल के व्यक्ति को 25 साल की सजा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में एक समुद्र तट पर 24 वर्षीय महिला की हत्या के मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 25 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। एबीसी न्यूज ने मंगलवार को अपनी खबर में बताया कि केर्न्स स्थित उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को पूर्व नर्स राजविंदर सिंह (41) को टोया कॉर्डिंगली की हत्या का दोषी पाया। खबर के मुताबिक न्यायमूर्ति लिंकन क्रॉली ने कहा कि महिला की हत्या के पीछे राजविंदर सिंह का मकसद अज्ञात था। द गार्जियन ने बताया कि राजविंदर सिंह ने 21 अक्टूबर 2018 को केर्न्स के उत्तर में वांगेट्टी बीच पर कुत्ते को टहला रही कॉर्डिंगली की हत्या कर दी थी। हत्या के बाद सिंह भारत चला गया था।

सूडान में ड्रोन हमले में दर्जनों लोगों की मौत

जुबा। सूडान के सशस्त्र बलों द्वारा मंगलवार शाम को देश की सबसे बड़ी तेल प्रसंस्करण ईकाई के पास किए गए ड्रोन हमले में दर्जनों लोगों की मौत हो गयी। 2023 से सूडान की सेना से लड़ रही आरएसएफ ने बताया कि दक्षिण सूडान की सीमा के पास हेगलिग स्थित तेल क्षेत्र पर उसके कब्जा करने के एक दिन बाद यह हमला हुआ। मृतकों और घायलों की सटीक संख्या की तुरंत पुष्टि नहीं की जा सकती। सात आदिवासी नेता और आरएसएफ के दर्जनों लड़ाके मारे गए हैं।

मचाडो शांति पुरस्कार समारोह में नहीं जाएंगी

ओस्लो। नोबेल संस्थान के प्रमुख ने कहा है कि शांति पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो बुधवार को ओस्लो में होने वाले पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं होंगी। मचाडो आखिरी बार 11 महीने पहले एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखाई दी थीं। संस्थान के निदेशक क्रिस्टियन बर्ग हार्पविकेन ने बताया कि वेनेजुएला की विपक्षी नेता समारोह के दिन नॉर्वे की राजधानी में मौजूद नहीं हैं।

ऑस्ट्रेलिया में किशोरों पर लागू हुआ सोशल मीडिया प्रतिबंध

- **प्रधानमंत्री अल्बनीज ने कहा- जिंदगियां बदल देगा यह सुधार**

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध बुधवार से प्रभावी हो गया है और देश के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने दुनिया में इस तरह के पहले सोशल मीडिया प्रतिबंध का स्वागत किया है।

हालांकि अल्बनीज ने आगाह किया कि कार्यान्वयन कठिन हो सकता है। अल्बनीज ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) को बताया कि आज वो दिन है जब ऑस्ट्रेलिया के परिवार इन बड़ी तकनीकी कंपनियों से अधिकार वापस ले रहे हैं और बच्चों के बच्चे होने के अधिकार और माता-पिता के मानसिक शांति के अधिकार पर जोर दे रहे हैं। अल्बनीज ने बाद में सिडनी में सुधार समर्थकों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह सुधार जिंदगियां बदल देगा। ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के लिए... उन्हें अपना बचपन जीने का मौका देगा। ऑस्ट्रेलिया के माता-पिता के लिए, उन्हें अधिक मानसिक शांति प्रदान करेगा जो हमारी ओर देख रहे हैं।

पायलट ड्यूटी के नए नियम

भारत में पायलटों के लिए ड्यूटी और विश्राम के नियमों में बड़े बदलाव लागू होने के बाद पूरे विमानन क्षेत्र में हलचल मच गई है। नए नियम जहां विमानों, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम माने जा रहे हैं, वहीं अन्य देशों से उन्हें कुछ ज्यादा सख्त बताया जा रहा है। नियमों का तुरंत असर विशेषकर इंडिगो जैसी बड़ी एयरलाइन पर स्पष्ट दिखाई दिया, जिसने सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दीं। अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि पायलटों के लिए नए उड़ान ड्यूटी नियम अन्य देशों की तुलना में कार्यावधि को सीमित करने वाले प्रतीत होते हैं लेकिन स्थिति सामान्य होने में समय लगेगा। आइए जानते हैं पुराने नियम क्या थे, नए नियम कैसे बदले, दुनिया में क्या मानक हैं और भारत में विमानन नियामक डीजीसीए का क्या रुख है।

आसमान में उथल-पुथल

नए नियम में यह हुए बदलाव

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने 2025 में मौजूदा नियमों को पूरी तरह संशोधित कर दिया। सबसे अहम बदलावों में साप्ताहिक रेस्ट 36 से 48 घंटे, दो स्थानीय रातों के साथ कर दिया गया। नाइट ड्यूटी में भी बदलाव किया गया। रात की उड़ान अधिकतम 8 घंटे फ्लाइट टाइम, 10 घंटे ड्यूटी कर दिया गया। एक पायलट के लिए केवल 2 नाइट लैंडिंग कर दी गई जबकि पहले 6 तक अनुमति थी। एयरलाइंस को अब क्रू थकावट पर अनिवार्य रिपोर्टिंग करना होता है।

डीजीसीए ने कहा-सुरक्षा पहले

डीजीसीए का रुख साफ है। उसका कहना है कि नए नियम सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। पायलट थकावट एक गंभीर खतरा है। हालांकि अचानक संकट को देखते हुए नियामक ने इंडिगो सहित कुछ ऑपरेटरों को अस्थायी राहत/छूट दी, ताकि उड़ान संचालन सामान्य हो सके। साथ ही डीजीसीए ने स्पष्ट किया कि यह छूट अस्थायी है और सुरक्षा पर किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

दुनिया के अन्य देशों में नियम

अमेरिका, यूरोप और अन्य उन्नत विमानन बाजारों में पायलटों के लिए सख्त नियम पहले से लागू हैं। आईसीएओ भी सदस्य देशों को पायलटों की थकान को प्राथमिकता देने की सलाह देता रहा है। भारत के नए नियम अब वैश्विक मानकों से काफी हद तक मेल खाते हैं।

ड्यूटी के पुराने नियम

पुराने विमानन नियमों के अनुसार भारत में पायलट को 36 घंटे का साप्ताहिक आराम मिलता था और रात की ड्यूटी 5 बजे तक ही थी यह ढांचा अंतर्राष्ट्रीय मानकों से कम सख्त माना जाता था।

क्यों बिगड़ा हाल? उड़ानें रद्द होने का कारण

नए नियम लागू होने के तुरंत बाद कई एयरलाइंस, सबसे अधिक इंडिगो अपने रोस्टर को नए मानकों के अनुसार समायोजित नहीं कर पाईं। जिससे पायलट/केबिन क्रू की उपलब्धता अचानक कम हो गई। नाइट लैंडिंग और नाइट ड्यूटी सीमा से शेड्यूलिंग बाधित हुई। एयरलाइंस ने डीजीसीए को बताया कि नए नियम से तकनीकी दिक्कतें आईं जिससे हवाईअड्डों पर भीड़ हो गई। परिचालन में बाधा देश भर में महसूस की गई।

अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की चिंता

भारत द्वारा एक एयरलाइन को ड्यूटी नियमों में छूट देने पर वैश्विक पायलट संघों ने सुरक्षा संबंधी चिंता जताई। उनका कहना है कि थकावट-रोधी नियमों में छूट देना लंबी अवधि में जोखिम पैदा कर सकता है। भारत के नए पायलट ड्यूटी नियम सुरक्षा की दृष्टि से एक सकारात्मक और आवश्यक बदलाव हैं। लेकिन अचानक परिवर्तन और सभी एयरलाइंस की तैयारियों में अंतर के कारण इसका असर सीधे उड़ान संचालन पर पड़ा। अगले कुछ महीनों में यह साफ हो जाएगा।

भारत की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देगा इटली : तजानी

उप प्रधानमंत्री बोले-आर्थिक संबंधों की मजबूती को बढ़ाएंगे औद्योगिक सहयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में इटली के उप प्रधानमंत्री एंटोनियो ताजानी व सीओएनआई के अध्यक्ष लुसियानों के साथ केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा।

इटली के उप प्रधानमंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि भारत की वृद्धि में इटली महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए औद्योगिक सहयोग, संयुक्त उद्यम एवं सह-विकास परियोजनाओं को मजबूत करने पर विचार कर रहा है। ताजानी अमेरिका की शुल्क नीतियों के मद्देनजर दुनिया भर में व्यापार संबंधों के पुनर्गठन की पृष्ठभूमि में दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उनके पास विदेश मंत्रालय का प्रभार भी है।

उप प्रधानमंत्री ने कहा कि इतालवी विदेश मंत्रालय ने स्थानीय बाजार में प्रवेश करने और संयुक्त उद्यम बनाने वाली इतालवी कंपनियों का समर्थन करने के लिए भारत के लिए 50 करोड़ यूरो की एक समर्पित वित्तपोषण सुविधा (लाइन) शुरू की है। उन्होंने कहा कि अपनी इस यात्रा के माध्यम से मैं भारत में इटली की और इटली में भारत की मौजूदगी बढ़ाना चाहता हूं। भारत एक विशाल बाजार है, एक तेजी से विकसित होती आर्थिक शक्ति है। बुनियादी ढांचे से लेकर नई प्रौद्योगिकियों तक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं से लेकर अंतरिक्ष तक विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं।

मंत्री ने कहा कि इतालवी कंपनियां इस असाधारण अवसरों से भरपूर देश में तेजी से रुचि दिखा रही हैं। मेरा मुख्य लक्ष्य उन्हें महत्वाकांक्षी और ठोस परिणाम प्राप्त करने में मदद करना है। ताजानी ने भारत को प्राथमिकता वाला देश बताया और उसे इटली का लंबे समय से भरोसेमंद मित्र करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक रणनीतिक साझेदार है और अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश एवं नवाचार के क्षेत्रों में एक विशेषाधिकार प्राप्त वार्ताकार है। इटली, भारत का यूरोप में एक प्रमुख साझेदार है और पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष नवंबर में दोनों पक्षों ने रक्षा, व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा एवं संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विशिष्ट पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक महत्वाकांक्षी पांच वर्षीय रणनीतिक कार्य योजना पेश की थी। दोनों देशों के बीच वर्तमान में वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार करीब 14 अरब यूरो है और दोनों पक्ष एक मजबूत व्यापार ढांचे के तहत इसे बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत हैं। उप प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में इतालवी विशेषज्ञता को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के लिए एक निर्यात योजना भी शुरू की है और भारत रणनीतिक रूप से हमारी प्राथमिकता वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में 50 करोड़ यूरो का अतिरिक्त इतालवी निवेश हमारी कंपनियों की प्रतिबद्धता का एक ठोस संकेत है। उप प्रधानमंत्री ने कहा कि इटली की निर्यात ऋण एजेंसी ने पहले से जारी की गई दो अरब यूरो से अधिक की गारंटी के अतिरिक्त, स्थानीय मुद्रा में देश में अपना निवेश करीब 20 करोड़ यूरो तक बढ़ा दिया है। ताजानी ने कहा कि इटली न केवल अधिक निर्यात करना चाहता है बल्कि औद्योगिक सहयोग, संयुक्त उद्यम, सह-विकास और सह-उत्पादन परियोजनाओं को बढ़ाने का भी लक्ष्य रखता है।

व्यापार और निवेश को करेंगे संतुलित

तजानी ने कहा कि हम भारत से इटली सहित अपने व्यापार एवं निवेश लेन-देन को बढ़ा और संतुलित कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि हम एक स्थिर देश हैं। यूरोप में दूसरे सबसे बड़े विनिर्माता हैं और हम भारतीय उद्योग एवं विनिर्माण विशेष रूप से मशीनरी व उद्योग की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ताजानी ने कहा कि इतालवी कंपनियां डिजाइन से लेकर उन्नत विनिर्माण तक, कृषि मशीनरी से लेकर रक्षा उद्योग और कई अत्याधुनिक क्षेत्रों में अग्रणी हैं।

यूक्रेन-रूस शांति समझौते में यूरोप की भूमिका अहम

रोम। पोप लियो 14वें ने कहा कि यूक्रेन शांति समझौते में यूरोप की भूमिका अनिवार्य है और उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन की उस कोशिश की आलोचना की जिसका उद्देश्य लंबे समय से बरकरार अमेरिका-यूरोप गठबंधन को तोड़ना है। लियो यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। जेलेंस्की कीव के लिए यूरोपीय समर्थन जुटाने के मकसद से एक बार फिर दौरे पर हैं। अमेरिकी पोप ने कहा कि इस मुलाकात के दौरान युद्धविराम की जरूरत और रूसी अधिकारियों द्वारा ले जाए गए यूक्रेनी बच्चों की वापसी में वेटिकन की मध्यस्थता के प्रयासों पर चर्चा हुई।

पोप से अमेरिकी शांति प्रस्ताव और वार्ता प्रक्रिया में यूरोपीय शक्तियों को किनारे किए जाने के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि किसी भी समझौते में यूरोप की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यूरोप को बातचीत में शामिल किए बिना शांति समझौता करना अव्यावहारिक है क्योंकि युद्ध यूरोप में ही चल रहा है। आज और भविष्य की सुरक्षा के लिए भी गारंटियों की तलाश की जा रही है। यूरोप को इसका हिस्सा होना चाहिए और दुर्भाग्य से हर कोई इसे नहीं समझता, लेकिन मुझे लगता है कि यूरोपीय नेताओं के एकजुट होकर समाधान खोजने का यह बड़ा अवसर है। पोप से अमेरिका की शांति योजना पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने यह टिप्पणी की।

भारत में नए उड़ान नियम कार्यावधि को घटाने वाले : वॉल्श

जिनेवा, एजेंसी

- **आईएटीए प्रमुख बोले-विमान सुरक्षा नियामक की जिम्मेदारी**

अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि पायलटों के लिए नए उड़ान ड्यूटी नियम अन्य देशों की तुलना में कार्यावधि को सीमित करने वाले प्रतीत होते हैं और स्थिति सामान्य होने में समय लगेगा। भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के समक्ष पिछले एक सप्ताह में पेश हुई परिचालन संबंधी बाधाओं की पृष्ठभूमि में वॉल्श ने यह बात कही है। इन व्यवधानों के कारण इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द की गईं और हजारों यात्री प्रभावित हुए।

वॉल्श ने कहा कि भारत के नए नियम अन्य देशों के नियमों की तुलना में (कार्यावधि को) सीमित करने वाले प्रतीत होते हैं लेकिन मुझे लगता है कि आपको हमेशा यह स्वीकार करना होगा कि नियामकों की यह जिम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उद्योग सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ये बदलाव सही कारणों से लागू किए गए हैं। अब बस कुछ समय की बात है जब सब कुछ सामान्य हो जाएगा। जेनेवा में एक मीडिया गोलमेज सम्मेलन में वॉल्श ने यह भी कहा कि पायलट की थकान के मानदंड एक ऐसा मुद्दा है जिस पर यूरोप और अमेरिका में हर समय बहस होती रहती है। वॉल्श ने कहा कि भारत ने निर्णय लिया है कि वे उपाय करना चाहते हैं। खासतौर पर रात्रिकालीन परिचालनों के दौरान संभावित थकान को दूर करने के लिए, जिसका स्वाभाविक रूप से कम लागत वाली विमानन कंपनियों पर अधिक प्रभाव पड़ेगा क्योंकि उनका व्यवसाय मॉडल ऐसा है... यह निराशाजनक है कि इस बदलाव के परिणामस्वरूप इतने यात्री प्रभावित हुए हैं। आईएटीएकरीब 360 विमानन कंपनियों का एक वैश्विक समूह है जो वैश्विक हवाई यातायात के 80 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करती हैं। आईएटीए के सदस्यों में एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं। अन्य पहलुओं के अलावा, उड़ान ड्यूटी समयसीमा मानदंडों के दूसरे चरण ने पायलट द्वारा रात में की जाने वाली लैंडिंग की संख्या को सीमित कर दिया।

दो चीनी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली, एजेंसी

- **1000 करोड़ रुपये के टोकन घोटाले में सीबीआई की कार्रवाई**

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एचपीजेड टोकन निवेश धोखाधड़ी घोटाले के सिलसिले में दो चीनी नागरिकों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है, जिसमें कोरोनाकाल के दौरान फर्जी कंपनियों के जरिये लोगों से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी किए जाने का आरोप है।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि चीनी नागरिकों के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कंपनी 'शिगू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड' ने कोविड लॉकडाउन के दौरान 'एचपीजेड टोकन' नाम के एक फर्जी मोबाइल एप का इस्तेमाल करके लोगों के साथ ठगी की।

जांच एजेंसी ने कहा कि आरोपियों ने यह दावा करते हुए लोगों को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया कि उक्त रकम का इस्तेमाल 'क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग' में किया जाएगा, जिससे काफी उच्च रिटर्न हासिल होगा। सीबीआई की जांच में पता चला कि यह कोई छुटपुट घटना नहीं थी, बल्कि विदेशी नागरिकों द्वारा संचालित एक बड़े, सुनियोजित साइबर अपराध गिरोह से जुड़ी हुई थी। जांच एजेंसी ने पाया कि यह गिरोह कोविड-19 के बाद के दौर में भारतीय नागरिकों को निशाना बनाकर की गई कई साइबर धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार था, जिनमें कर्ज देने वाले एप, फर्जी निवेश एप और ऑनलाइन नौकरी की फर्जी पेशकश करने वाले मंचों का इस्तेमाल किया गया था।

चंद्रयान की खोज ने चांद और मंगल मिशन तैयारियों को दी नई दिशा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : चंद्रयान-3 द्वारा चांद पर उच्चस्तरीय तापमान और सक्रिय विद्युत वातावरण ने चंद्रमा और मंगल पर बस्ती बसाने के इरादों की दिशा बदल दी है। साथ ही नई सोच विकसित करने के लिए मजबूर कर दिया है। अब वैज्ञानिकों को चांद के वातावरण के अनुकूल इंसान को ढालने के लिए नए उपाय तलाशने होंगे।

हमारे नजदीक होने के कारण चंद्रमा ही एकमात्र ऐसा उपग्रह है, जो हमें दूसरे ग्रहों पर इंसान को ले जाने वाली अंतरिक्ष योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए सहयोगी के रूप में बेहद मददगार साबित हो सकता है। चंद्रमा पर आगामी मिशन चलाने वाली स्पेस एजेंसियों में नासा, ईसा और चायना समेत इसरो प्रमुख हैं, जिनमें सर्वाधिक सक्रिय अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा है, जो आर्टेमिस मिशन के जरिए सबसे पहले चांद पर मानव दल पहुंचाना चाहता है और मंगल पर पहुंचने से पहले चांद को अपना पड़ाव बनाना चाहता है। मगर इसरो की नई खोज से आर्टेमिस मिशन में विलंब तो होगा। साथ ही, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर तीन हजार केल्विन से अधिक तापमान में खुद को जिंदा

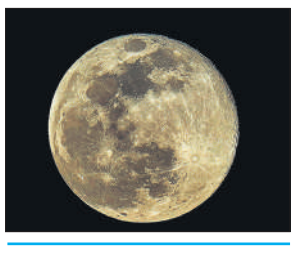

- **चांद के अनुकूल इंसान को ढालने को नए उपाय तलाशने होंगे**

रखने के लिए उपाय तलाशने होंगे। इसके अलावा चंद्रमा प र सक्रिय विद्युत वातावरण में रह पाना भी बड़ी समस्या चंद्रयान-3 के जरिए सामने आई है। दरअसल, माना जाता था कि चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव ठंडा है और तापमान शून्य से नीचे रहता है। लिहाजा इंसान के ठहरने के लिए चांद का दक्षिणी ध्रुव माकूल जगह हो सकती थी। मगर अब यह धारणा बदल चुकी है। अब वैज्ञानिकों को सक्रिय विद्युत वातावरण से संचार और नेविगेशन में बदलाव करना होगा। वहां मौजूद प्लाज्मा रेडियो तरंगों में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है। अब उन्नत एंटीना और फ्रीक्वेंसी-एडाप्टिव सिस्टम नए तरीके से डिजाइन करने होंगे और रेडिएशन शील्डिंग व प्लाज्मा रेसिस्टेंट मटेरियल्स उपयोग में लाना होगा ताकि चन्द्रमा पर मौजूद रेडिएशन से बचा जा सके।

चांद पर पहुंचने के लिए अहम है खोज

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार, दूसरे ग्रहों पर मानव मिशन को सफल बनाने के लिए चंद्रमा की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। वैज्ञानिक मंगल पर जीवन की प्रबल संभावनाओं को लेकर आश्वस्त है। मंगल का रास्ता चंद्रमा से होकर जाता है जिस कारण चन्द्रमा को एक डिपो के रूप में तैयार करने की योजना दुनियाभर के वैज्ञानिकों की है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 11 दिसंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 13 .56 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

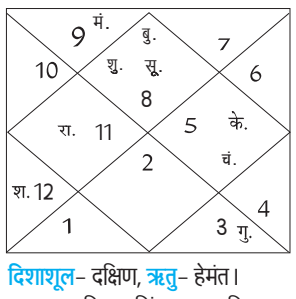

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 12 दिसंबर 03 .55 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज आपकी उपलब्धियों की लोग प्रशंसा करेंगे। ऑनलाइन कार्यों से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। आपकी व्यवहार कुशलता की लोग प्रशंसा करेंगे। उधार के लेन-देन में आपको लाभ मिलेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

वृष — आज जोखिम भरे निवेश करने से पहले जानकारी लेलें। व्यापार में आपको एक से अधिक अवसर मिल सकते हैं। आपको त्वरित निर्णय नहीं लेने चाहिए। कुछ लोग आपका अपमान कर सकते हैं। स्वास्थ्य पहले से बहुत ही अच्छा रहेगा।

मिथुन — आज अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। लोगों के बीच आपके किसी अच्छे काम की चर्चा होगी। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन हो सकते हैं। समान विचारधारा वाले लोगों के बीच अति उत्तम समय व्यतीत करेंगे।

कर्क — आज दूसरों की सहायता करने से आपको सुकून मिलेगा, किंतु आत्मसम्मान का सदैव ध्यान रहें। कोई शुभ समाचार आपका दिन बना देगा। घर के किसी सदस्य के व्यवहार को लेकर थोड़े खिन्न हो सकते हैं। परोपकार के कार्यों में आप रुचि लेंगे।

सिंह — आज दांपत्य जीवन में परस्पर प्रेम और विश्वास की भावना में वृद्धि होगी। विदेश यात्रा में परेशानी होने की संभावना है। आपकी वाणी में सौम्यता आपको परिवार में विशेष सम्मान का हकदार बनाएगी। आपके रुके हुए कार्य संपन्न होंगे।

कन्या — आज व्यापार में नुकसान की आशंका से परेशान रहेंगे। छात्र कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। आपको कोई बड़ा और विशेष कार्य आरंभ नहीं करना चाहिए। नाक, कान और गला संबंधी समस्या हो सकती है।

तुला — आज पुराने मित्र से आपको सहायता मिलेगी। उत्तम भोजन के शौकीन रहेंगे। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। विद्यार्थी अपनी रणनीति में कुछ प्रयोग कर सकते हैं। स्वजनों का भरपूर प्रेम और सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक — आज आपके द्वारा कही गई कोई बात सत्य सिद्ध होगी। किसी मध्यस्थ के कारण से आपका कोई अटका काम बन सकता है। आपको किसी को वचन नहीं देना चाहिए। संपत्ति के विक्रय की योजना बनाएंगे। प्रेम विवाह को लेकर सहमति बन सकती है।

धनु — आज मस्तिष्क में नई योजनाओं का प्रवाह बढ़ता जाएगा। विरोधियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। पिता की बातें बुरी लग सकती हैं। रियल एस्टेट से जुड़े मामलों में सावधानी रखें। गुप्त शत्रु आपके खिलाफ भावनाएं भड़का सकते हैं।

मकर — आज गृहकार्यों में अत्यधिक व्यस्त रहने वाले हैं। व्यापारिक डील में हानि हो सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा परिवर्तन करना पड़ सकता है। बच्चों के व्यवहार में नियंत्रण रखें। किसी धार्मिक संस्था में सम्मिलित हो सकते हैं।

कुंभ — आज सभी कार्य शांतिपूर्ण तरीके से होंगे। कहीं दूर की यात्रा का विचार बना सकते हैं। मनोरंजन के कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। पति-पत्नी आपसी प्रेम और भाईचारा बनाकर रखें। खानपान में आप परिवर्तन कर सकते हैं।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में आपको लापरवाही नहीं करनी चाहिए। धार्मिक कार्यों में आप रुचि लेंगे। आप अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। नए संपर्कों से लाभ मिलेगा। कोई मूल्यवान वस्तु आपको प्राप्त हो सकती है। दिल की बजाय दिमाग से काम करें।

सुडोकू-187

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					1	2		
2								
	2							
	5							
					7	3		
		3						
		1	5					

सुडोकू - 186 का हल

8	7	6	1	2	3	5	9	4
4	2	5	6	9	7	8	3	1
3	1	9	8	4	5	2	6	7
5	3	2	4	8	9	7	1	6
7	4	1	3	5	6	9	8	2
9	6	8	2	7	1	4	5	3
6	8	7	5	1	4	3	2	9
2	9	3	7	6	8	1	4	5
1	5	4	9	3	2	6	7	8

मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट से ज्यादा मैं किसी चीज से प्यार करती हूं। भारतीय जर्सी पहनना ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। आप अपनी सारी परेशानियां एक तरफ रख देते हैं और सिर्फ यही आपको जीवन पर ध्यान लगाने में मदद करता है।

-स्मृति मंधाना

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेसी को एमएलएस में दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)। इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही। एमएलएस कप चैंपियन टीम के कप्तान मेसी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया। मेसी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं।

भारत ने स्विट्जरलैंड को 4-0 से हराया

चेन्नई : भारत ने स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए पूल बी के पहले मैच में पहली बार खेल रही स्विट्जरलैंड को 4-0 से हराया। एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में खेले गए मुकाबले में राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार ने दुनिया की 296वें नंबर की खिलाड़ी रॉबिन गडोला पर 3-0 (7-6, 7-6, 7-5) से कड़ी टक्कर वाली जीत के साथ भारत को जीत की राह पर ला खड़ा किया। स्विस खिलाड़ी ने पहले गेम में 6-5 की बढ़त बनाई, जिसके बाद वेलावन ने दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और बाकी गेम भी इसी तरह कम अंतर से बराबर रहे। भारत की शीर्ष रैंक वाली 17 साल की अनाहत सिंह ने शांत प्रदर्शन करते हुए सेलीन वाल्सर को 3-0 (7-1, 7-4, 7-2) से हराया।

दूसरे टी-20 में गिल पर रहेगी नजर

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला आज, छोटे प्रारूप में छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं शुभमन

मुल्लांपुर (चंडीगढ़), एजेंसी

अभी तक सबसे छोटे प्रारूप में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अपने घरेलू मैदान पर फॉर्म में वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांच मैचों की इस श्रृंखला के पहले दो मैचों के बीच केवल एक दिन का अंतराल है और ऐसे में गिल को सीधे मैदान पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 101 रन से करारी शिकस्त दी लेकिन सितंबर में एशिया कप में टी20 टीम में वापसी करने वाले गिल का औसत प्रदर्शन अभी भी चर्चा का विषय बना हुआ है। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन टी20 में वह अपनी इस सफलता को नहीं दोहरा पाए हैं जिससे उन पर दबाव बनना स्वाभाविक है।

समय शाम 7:00 बजे से

संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, फिर भी टीम प्रबंधन ने गिल की टी20 सलामी बल्लेबाज के रूप में क्षमता पर अधिक भरोसा दिखाया। इसके बाद संजू की टीम में जगह अनिश्चित हो गई। टेस्ट और वनडे कप्तान गिल आसानी से वह भूमिका निभा सकते हैं जो विराट कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप तक भारत के लिए निभाई थी। भारतीय टीम में आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के विकल्प मौजूद हैं और उसने अब अपने निडर दृष्टिकोण को और मजबूत कर लिया है, जिससे एक सूत्रधार के लिए बहुत कम जगह बची है। गिल निश्चित रूप से पावरप्ले में अभिषेक शर्मा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं और इसलिए उन्हें यह पता लगाना होगा कि वह अपनी भूमिका कैसे अच्छी तरह निभा सकते हैं। गिल के अलावा कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन भी अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले विश्व कप से पहले चिंता का विषय बना हुआ है। उनका विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चंडीगढ़ के ठंडे वातावरण में भारत का अपने विजयी संयोजन में कोई बदलाव करने की संभावना नहीं है।

संजू की जगह जितेश, अर्शदीप-कुलदीप को एक साथ फिट करना मुश्किल

मुल्लांपुर (चंडीगढ़) : ऑस्ट्रेलिया में खेले गए आखिरी तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में जितेश शर्मा को अंतिम एकादश में शामिल करना अगर प्रयोग जैसा लग रहा था तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर उन्हें प्राथमिकता देना अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन की सोच को स्पष्ट करता है। सैमसन की जगह निचले क्रम के किसी विशेषज्ञ फिनिशर को तरजीह देने के लिए थिंक टैंक को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। सैमसन को शुभमन गिल की वापसी के बाद बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष स्थान से हटा दिया गया था, जिसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। तब से वह अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जितेश टीम में फिनिशर की अपनी भूमिका को अपनी रोजी-रोटी मानते हैं। अगर वह दक्षिण अफ्रीका और उसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला में खराब प्रदर्शन नहीं करते हैं तो यह तय है कि वह टी-20 विश्व कप में शुरुआती मैचों में विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। इस समय टीम में विकेटकीपर के विकल्पों के लिए सैमसन और जितेश के अलावा किसी और के नाम पर विचार करना भी मुश्किल है। क्रिकेट विशेषज्ञों का भी मानना है कि अगर सैमसन को शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिलता है तो फिर निचले क्रम में बल्लेबाजी करने वाले जितेश को ही टीम में रखना सही होगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में खेलने वाली टीम से यह भी संकेत मिला कि दो प्रमुख गेंदबाज अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव एक साथ अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं हो सकते हैं क्योंकि टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक अच्छे बल्लेबाज को रखने के पक्ष में है। अर्शदीप को संयुक्त अरब अमीरात में स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल विकेट पर अधिकतर मैच में बाहर बैठना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया में भी पांच मैच में से तीन मैच में उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। लेकिन कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में अर्शदीप को मौका मिला और इस प्रारूप में भारत की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी करते हुए एक बार फिर टीम को शुरुआती विकेट दिलाए।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपाम्ला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

सूर्यकुमार का सहज रवैया खिलाड़ियों को करता है प्रेरित: स्टेन

कटक : दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका सहज रवैया खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। स्टेन ने जियोस्टार पर कहा जब आपको अपनी टीम का समर्थन मिल रहा होता है और आप अपने माहौल में सहज महसूस करते हैं, तो आप अपने खिलाड़ियों के साथ खुलकर बातचीत कर सकते हैं। आपको अपनी जगह या कप्तानी को लेकर कोई खतरा महसूस नहीं होता। उन्होंने कहा जब आप टीम को सर्वोपरि रखते हैं। जब आप यह कहते हैं किसी खिलाड़ी के लिए व्यक्तिगत रूप से सर्वश्रेष्ठ क्या है। टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ क्या है। हर कोई इसी तरह का कप्तान चाहता है, जो आत्मविश्वास से भरा हो, मिलनसार हो और व्यापक हित के लिए समायोजन करने को तैयार हो।

चोटें मानसिक मजबूती की परीक्षा लेती हैं: हार्दिक

कटक, एजेंसी

- बोले- सकारात्मक सोच से ही दमदार वापसी में रहा सफल

भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का मानना है कि चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने के बाद वह सकारात्मक मानसिकता से ही 'दमदार और बेहतर वापसी' करने में सफल रहे। एशिया कप के दौरान चोटिल होने वाले इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने भारतीय टीम में शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 28 गेंद पर नाबाद 59 रन की तूफानी पारी खेली और फिर 16 रन देकर एक विकेट लिया। भारत ने इस मैच में 101 रन से बड़ी जीत हासिल की।

हार्दिक ने बीसीसीआई टीवी पर जारी किए गए एक वीडियो में कहा मेरी सोच यह थी कि मैं पहले की तुलना में अधिक दमदार और बेहतर वापसी करूं। चोटें मानसिक रूप से आपकी परीक्षा लेती हैं और साथ ही कई तरह के संदेह भी पैदा करती हैं। इससे उबरने में अपने करीबी लोगों का भी बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा मैंने खुद को मजबूत बनाए रखा जिससे मुझे अधिक आत्मविश्वास मिला तथा खुद पर भरोसा करने और अपनी क्षमताओं पर पूरी तरह से विश्वास करने में मदद मिली है। मुझे एक खिलाड़ी के रूप में खुद पर पूरा भरोसा है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर आप खुद पर विश्वास नहीं करते हैं, तो दूसरे आप पर कैसे विश्वास करेंगे। टी20 विश्व कप में भारतीय अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी हार्दिक ने कहा कि वह ऐसे इंसान हैं जो आत्मविश्वास अपने भीतर से प्राप्त करता है और लोग क्या सोच रहे हैं इसकी ज्यादा परवाह नहीं करता है।

उन्होंने कहा मुझे लगता है कि मैं जीवन में बेहद ईमानदार और यथार्थवादी इंसान रहा हूं जिससे मुझे बहुत मदद मिली है। मुझे घुमा फिरा कर बात करना पसंद नहीं है। मैं इसकी परवाह नहीं करता कि अन्य लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे हैं। मैं हमेशा इस पर ध्यान देता हूं कि मैं खुद के बारे में क्या सोच रहा हूं। हार्दिक ने कहा अब वो समय आ गया है जब हार्दिक पंड्या सिर्फ खेल खेलना चाहता है, मैदान पर हर पल का आनंद लेना चाहता है। अब बड़ा और बेहतर बनना ही मेरे जीवन का ध्येय है।

संजू से प्रतिस्पर्धा करनी है तो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा : जितेश

कटक : टी20 विश्व कप शुरू होने में अब जबकि दो महीने से भी कम समय बचा है तब खेल के इस छोटे प्रारूप में जितेश शर्मा विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में भारत की पहली पसंद के रूप में उभरे हैं, लेकिन उन्होंने संजू सैमसन के साथ किसी तरह की प्रतिस्पर्धा को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि इससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में संजू के बजाय जितेश को अंतिम एकादश में रखा।

भारत ने नौ साल बाद जीता कांस्य पदक

चेन्नई, एजेंसी

जीत का जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

आखिरी 11 मिनट में चार गोल करके भारत ने 2021 की चैंपियन अर्जेंटीना को बुधवार को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में 4-2 से हराकर नौ साल बाद जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पदक जीत लिया। दो बार (होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016) में चैंपियन रही भारतीय टीम ने आखिरी बार नौ साल पहले कोई पदक जीता था। पिछले दो बार टीम कांस्य पदक का मुकाबला हारकर चौथे स्थान पर रही थी। भारत के लिए अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल दागे। वहीं, अर्जेंटीना के लिये निकोलस रौद्रिगेज (पांचवां) और सैंटियागो फर्नांडिस (44 वां) ने गोल किए।

तीन क्वार्टर तक दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर में दनादन चार गोल करके खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में मानो जान फूंक दी। पहले 49वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को अंकित ने गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। वहीं, 52वें मिनट में भारत को फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर अनमोल इक्का के शॉट पर गेंद डिफ्लैक्ट होकर मनमीत की स्टिक से टकराकर गोल के भीतर गई। स्कोर 2-2 से बराबर होने के बाद लग रहा था कि मैच शूटआउट में जाएगा, लेकिन आखिरी सीटी बजने से तीन मिनट बाकी रहते भारत को अहम पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे शारदानंद तिवारी ने गोल में बदलकर पहली बार भारत को बढ़त दिलाई। अर्जेंटीना को अगले मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस टूर्नामेंट की खोज रहे गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने एक बार फिर शानदार बचाव किया। भारत को 58वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को अनमोल इक्का ने गोल में बदला। पहले तीन मिनट में ही गोल गंवाने से स्तब्ध भारतीय टीम पहले पूरे क्वार्टर में दबाव में नजर आई। टूर्नामेंट के राउंड रॉबिन चरण में 29 गोल करने वाली मेजबान टीम कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ गोल करने के लिए जूझती दिखी। पिछले मैच में जर्मनी ने उसकी फॉरवर्ड पंक्ति को बांधे रखा तो वहीं इस मुकाबले में पहले हाफ में अर्जेंटीना के गोल में ज्यादा घुस नहीं पाये और एक भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में नाकाम रहे।

भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में मिला। पेनल्टी कॉर्नर पर भारत की कमजोरी उजागर हुई जब लगातार चार मौकों में से एक भी तब्दील नहीं हो सका। अर्जेंटीना को इस बीच जवाबी हमलों में 40वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर प्रिंसदीप ने एक बार फिर शानदार बचाव किया। तीसरा क्वार्टर खत्म होने से एक मिनट पहले सैंटियागो फर्नांडिस ने भारतीय डिफेंस को पूरी तरह चकमा देकर गोल कर दिया।

जूनियर हॉकी विश्व कप

- प्लेआफ मुकाबले में अर्जेंटीना को 4-2 से हराया

जूनियर महिला विश्व कप हॉकी में भारत ने उरुग्वे को हराया

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

जीत का जश्न मनाती भारतीय हॉकी जूनियर महिला टीम। एजेंसी

गोलकीपर निधि के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पेनल्टी शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराकर जूनियर महिला विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में में नौवें स्थान पर रहने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। नौवें से 12वें स्थान के लिए खेले गए इस क्लासिफिकेशन मैच में दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी।

भारत की तरफ से मनीषा ने 19वें मिनट जबकि उरुग्वे के लिए जस्टिना अरेगुई ने 60वें मिनट में गोल किया। पेनल्टी शूटआउट में भारत की तरफ से पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे के तीन गोल का बचाव करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पहले क्वार्टर में भारत का दबदबा रहा और उसने शुरुआत में ही कई मौके बनाए। हालांकि उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया।

भारत ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन साक्षी राणा का शॉट विपक्षी गोलकीपर ने रोक दिया। इसके कुछ क्षण बाद ही मनीषा ने हालांकि भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद अगले दो क्वार्टर में दोनों टीम ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए नहीं लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। जब मैच समाप्त होने में दो मिनट का समय बचा था तब उरुग्वे ने गोलकीपर की जगह एक फील्ड खिलाड़ी को मैदान में उतारा और उसकी यह रणनीति कारगर साबित हुई। अब खेल समाप्त होने में केवल दो सेकंड का समय बचा था कि तभी उरुग्वे को पेनल्टी मिली। जस्टिना अरेगुई ने इसे गोल में बदलकर मैच को शूटआउट में पहुंचा दिया, जिसमें निधि के शानदार खेल से भारत जीत हासिल करने में सफल रहा।

भारतीय निशानेबाजी लीग 16 फरवरी से

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) के पहले सत्र का आयोजन अगले साल 16 से 26 फरवरी तक किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

बड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से टकराव से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ के 2026 कैलेंडर के हिसाब से तारीखें तय की गई हैं। लीग को इससे पहले 2026 की शुरुआत तक टाल दिया गया था। फ्रेंचाइजी आधारित इस लीग में कई शीर्ष भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाज पिस्टल, राइफल और शॉटगन वर्ग में मिश्रित टीम प्रारूप में मुकाबला करेंगे। एनआरएआई अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने विज्ञप्ति में कहा एसएलआई हमारे खेल के लिए एक मील का पत्थर है जो फ्रेंचाइजी आधारित, खिलाड़ियों को तरजीह देने वाला है और अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व के लिए वैश्विक कैलेंडर के हिसाब से है। इस प्रतियोगिता में कई वर्ग में मिश्रित टीम स्पर्धाएं होंगी जिसमें पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर थ्री पोजीशन) और शॉटगन (ट्रैप और स्कीट) शामिल हैं। फ्रेंचाइजी आधारित टीम को लीग चरण के लिए दो पूल में बांटा जाएगा जिसके बाद नॉकआउट दौर होंगे। खिलाड़ियों को चार टियर में चुना जाता है जिसमें एलीट चैंपियंस, विश्व एलीट, राष्ट्रीय चैंपियंस, और जूनियर और युवा वर्ग शामिल हैं जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्टार, शीर्ष भारतीय निशानेबाजों और उभरते हुए प्रतिभावान खिलाड़ियों का मिश्रण सुनिश्चित होता है।

अगले साल भारत में होगी राष्ट्रमंडल खो-खो चैंपियनशिप

नई दिल्ली : अगले साल नौ से 14 मार्च तक भारत में होने वाली पहली राष्ट्रमंडल खो खो चैंपियनशिप में 24 से ज्यादा देश शिरकत करेंगे। हालांकि इसके लिए भारत में जगह अभी तय नहीं हुई है। राष्ट्रमंडल खेल (सीएस) की भारत में चैंपियनशिप के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारतीय खो खो महासंघ जगह तय करने के लिए कई राज्यों से बात कर रहा है। इस टूर्नामेंट में पुरुषों की 16 और इतनी ही महिलाओं की टीम हिस्सा लेंगी।

यह टूर्नामेंट इस साल जनवरी में दिल्ली में हुए पहले खो खो विश्व कप की तरह होगा जिसमें 23 देशों ने हिस्सा लिया था। अहमदाबाद को हाल में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए मेजबान शहर के तौर पर आधिकारिक रूप से पुष्टि किए जाने के बाद यह भारत में पहला राष्ट्रमंडल खो खो टूर्नामेंट होगा।

सुधार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन का मिला लाभ

विराट कोहली वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी

भारत के महान क्रिकेटर विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज का स्थान फिर हासिल करने की कवायद में आगे बढ़ते हुए बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। कोहली अप्रैल 2021 में पाकिस्तान के बाबर आजम द्वारा शीर्ष से हटाए जाने के बाद से दोबारा एकदिवसीय बल्लेबाजों सूची में नंबर एक स्थान हासिल नहीं कर पाए हैं। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन की बदौलत दाएं हाथ का यह बल्लेबाज एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल करने के करीब पहुंच गया है।

सैंतीस साल के कोहली को तीन मैच में 302 रन बनाने के लिए सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और वह नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के सुधार से टीम के अपने साथी रोहित शर्मा के बाद दूसरे स्थान पर आ गए। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में 146 रन बनाकर रैंकिंग के शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखी। कोहली विशाखापत्तनम में श्रृंखला के आखिरी मैच में नाबाद 65 रन की पारी की बदौलत रोहित से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे हैं। रोहित के 781 जबकि कोहली के 773 अंक हैं। शुभमन गिल चोट के कारण तीन मैच की सीरीज में नहीं खेल पाने के बावजूद पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की अगुआई करने वाले लोकेश राहुल दो स्थान के फायदे से 12वें पायदान पर हैं।

टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में अक्षर पटेल (दो पायदान ऊपर 13वें स्थान पर), अर्शदीप सिंह (तीन पायदान ऊपर 20वें स्थान पर) और जसप्रीत बुमराह (छह पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) की भारत की तिकड़ी ने कटक में पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 101 रन की जीत के बाद रैंकिंग में सुधार किया। यशस्वी जायसवाल टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय बल्लेबाज बने हुए हैं। गिल और ऋषभ पंत एक-एक पायदान आगे बढ़कर क्रमशः 11वें और 13वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में फायदा हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो एशेज टेस्ट में मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया बाएं हाथ का यह गेंदबाज तीन स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर है। स्टार्क ने दो मैच में 18 विकेट लिए हैं और इस वजह से वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। भारत के जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बरकरार हैं। मोहम्मद सिराज (12वें), रविंद्र जडेजा (13वें) और कुलदीप (14वें) की भारतीय तिकड़ी को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। मौजूदा एशेज श्रृंखला में प्रभावी प्रदर्शन करने में नाकाम रहे इंग्लैंड के हैरी ब्रूक बल्लेबाजों की सूची में दो पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गए जबकि केन विलियमसन (दूसरे) और स्टीव स्मिथ (तीसरे) को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है।

कुलदीप को तीन स्थान का हुआ फायदा

बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान के फायदे से तीसरे नंबर पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक (तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर), एडेन मारक्रम (चार पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) और तेम्बा बावुमा (तीन पायदान ऊपर 37वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।